सूर्योदय 6:29 सूर्यास्त 5:42

आज का तापमान

शिमला	13.0 न्यू	20.0 अधि
धर्मशाला	14.5 न्यू	22.5 अधि

बाजार

सेंसेक्स	73,123
निफ्टी	22,600

सोना 1,41,000 चांदी 1,94,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | शनिवार, 24 अक्तूबर 2026 | 8 कार्तिक, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 180, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

Timeless Beauty + Trusted Since Generations

NEW STANDARD
JEWELLERS

GOLD | DIAMOND | PLATINUM | SILVER

More Than Just
Jewellery...
It's a Part of
Your Story

Elegance
in Every
Detail

शुभ
दीपावली एवं
धनतेरस
Happy Diwali &
Dhanteras







Diamond Collection
Pure Brilliance, Forever

Traditional Jewellery
Heritage in Every Piece

Gold Bangles
Grace in Every Move

Earrings
Timeless Beauty

Rashi Stones
Align Your Destiny with Timeless Power

100% Hallmark Gold & Certified Diamonds

Exquisite Designs

Trusted Quality

Your Happiness Our Priority

NEW STANDARD JEWELLERS
Subhash Nagar, Krishna Market
Dehradun

STANDARD JEWELLERS
59, Dhamawala Bazaar
Dehradun

Where Tradition Meets Elegance

7500964344, 9411110832

किन्नौर में पहली बार मिला दुर्लभ पैसिफिक गोल्डन प्लोवर

3,800 मीटर की रिकॉर्ड ऊंचाई पर देखा गया बेहद दुर्लभ समुद्री पक्षी 'पैसिफिक गोल्डन प्लोवर'





अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के जनजातीय जिले किन्नौर से पर्यावरण प्रेमी और पक्षी विज्ञानियों के लिए एक बेहद उत्साहजनक खबर सामने आई है। जिला के कल्पा क्षेत्र में समुद्र तल से लगभग 3,800 मीटर की ऊंचाई पर स्थित एक अल्पाइन घास के मैदान में एक बहती जलधारा के समीप दुर्लभ 'पैसिफिक गोल्डन प्लोवर' पक्षी देखा गया है। पक्षी अवलोकन और जैव विविधता दस्तावेजीकरण के इतिहास में किन्नौर जिले के लिए इस दुर्लभ प्रजाति का यह पहला आधिकारिक और अभिलेखित रिकॉर्ड है।

पक्षी प्रेमियों और विशेषज्ञों का संयुक्त प्रयास : इस अपरिपक्व प्रवासी पक्षी को पक्षी अवलोकन के दौरान स्थानीय प्रख्यात प्रकृतिविद महेश नेगी रोनसेरू तथा हिमांशु चौधरी ने पुणे से पधारे तीन पक्षी प्रेमियों—चंद्रकांत भगवत, सुधाकर कुलकर्णी और श्रीराम टकले के साथ मिलकर देखा और कैमरे में कैद किया। इस पक्षी की सटीक पहचान इसके विशिष्ट शारीरिक लक्षणों के आधार पर की गई। विशेषज्ञों ने पाया कि इसके पंखों के पिछले हिस्से पर स्थित तृतीयक उड़ान पंख पूंछ के अंतिम छोर तक पहुंच रहे थे तथा इसकी टांगें सामान्यत: लंबी दिखाई दे रही थीं। इसके अलावा, इसके शरीर का निचला भाग यूरोपीय गोल्डन प्लोवर की तुलना में कम सफेद था और इसके कंधे के पंखों पर हल्के गोलाकार पैटर्न मौजूद थे।

प्रवास मार्ग और उच्च पर्वतीय जलस्रोतों का महत्व : हमारी जानकारी और आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार किन्नौर में इस प्रजाति की यह पहली साइटिंग है। इससे पहले हिमाचल प्रदेश में इस पक्षी के पूर्व रिकॉर्ड पौंग बांध क्षेत्र से प्राप्त हुए थे, जहां मई 2026 में डॉ. अभिनव चौधरी द्वारा इसका हालिया उल्लेख किया गया था। इसके अलावा लाहौल-स्पीति के ट्रांस-हिमालयी क्षेत्रों से भी इसके छिटपुट रिकॉर्ड उपलब्ध हैं।

अक्टूबर माह में 3,800 मीटर की ऊंचाई पर इस पक्षी का दिखाई देना इसके दक्षिण की ओर होने वाले वार्षिक प्रवास के बिल्कुल अनुरूप है। यह इस बात को सिद्ध करता है कि लंबी दूरी तय करने वाले प्रवासी तटीय पक्षियों के लिए हिमालय के ऊंचे क्षेत्रों में स्थित छोटे जलस्रोत और घास के मैदान भोजन तथा विश्राम के लिए महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होते हैं।

स्थानीय योगदान और जैव विविधता संरक्षण : कल्पा निवासी महेश नेगी रोनसेरू जी का किन्नौर की प्राकृतिक विरासत और वन्यजीव संरक्षण के दस्तावेजीकरण में अभूतपूर्व योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि किन्नौर के अनछुए क्षेत्रों का यदि वैज्ञानिक दृष्टिकोण से व्यवस्थित अध्ययन किया जाए, तो कई अन्य नए रिकॉर्ड सामने आ सकते हैं। उन्होंने हिमांशु चौधरी तथा डॉ. अभिनव चौधरी का सहयोग के लिए आभार जताया। यह खोज दर्शाती है कि सुनियोजित पक्षी अवलोकन और आपसी सहयोग से उच्च पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र की समझ को और समृद्ध किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने मनाली मैराथन की टी-शर्ट का किया अनावरण



भारतेन्दु संवाददाता, अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने हाल ही में मनाली मैराथन के आगामी चौथे संस्करण के प्रचार और तैयारी के सिलसिले में आधिकारिक टी-शर्ट का अनावरण किया है। जिला कुल्लू के विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मनाली में इस प्रतिष्ठित मैराथन का आयोजन 'मनाली मैराथन एवं हिमालयन एक्सट्रीम स्पोर्ट्स एसोसिएशन' के तत्वावधान में आगामी 30 अक्तूबर से 1 नवंबर, 2026 तक किया जाएगा। आयोजकों ने इस बड़े खेल आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करने के लिए मुख्यमंत्री को विशेष रूप से आमंत्रित किया है। इस बार इस रोमांचक आयोजन की विशेष थीम 'ग्रीन वॉरियर्स: यूथ इनिशिएटिव फॉर ए ड्रग फ्री, फिट एंड क्लीन हिमाचल' रखी गई है, जो पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ युवाओं को स्वस्थ और नशामुक्त जीवनशैली अपनाने का संदेश देती है।

इस मैराथन प्रतियोगिता को देश-विदेश के साहसिक धावकों के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण और आकर्षक बनाया गया है। इसमें कई प्रमुख दौड़ श्रेणियां शामिल हैं, जिनमें सबसे प्रमुख चुनौतीपूर्ण 100 किलोमीटर की 'रोहतांग पास अल्ट्रा चैलेंज' दौड़ है। इसके अलावा 42 किलोमीटर की फुल मैराथन, 21 किलोमीटर की हाफ मैराथन तथा आम नागरिकों और युवाओं की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए 10 और 5 किलोमीटर की 'मास रन' श्रेणियां भी रखी गई हैं। इस भव्य आयोजन का मुख्य उद्देश्य हिमाचल प्रदेश को ऊंचाई वाले क्षेत्रों में होने वाले साहसिक खेलों (हाई-एल्टीट्यूड एडवेंचर स्पोर्ट्स), इको-टूरिज्म और साहसिक पर्यटन के क्षेत्र में एक वैश्विक एवं विश्वस्तरीय गंतव्य के रूप में स्थापित करना है।

टी-शर्ट अनावरण के अवसर पर मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने पूरा विश्वास व्यक्त किया कि यह मैराथन केवल खेलकूद तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण, स्वस्थ जीवनशैली और एक सुदृढ़ नशामुक्त हिमाचल के निर्माण के प्रति जन-जागरूकता फैलाने में भी बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

एलडीआर फैसले से कंप्यूटर शिक्षकों में रोष, हाईकोर्ट आदेश लागू करने की मांग

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के शिक्षा विभाग में पिछले 26 वर्षों से आउटसोर्स आधार पर सेवाएं दे रहे कंप्यूटर शिक्षकों में राज्य सरकार के एलडीआर (लिमिटेड डायरेक्ट रिक्रूटमेंट/सीमित प्रत्यक्ष भर्ती) फैसले को लेकर भारी रोष व्याप्त है। संघ का आरोप है कि इस निर्णय से लंबे समय से कार्यरत शिक्षकों के नियमितीकरण के अवसरों को गहरा नुकसान पहुंचेगा।मुख्य मुद्दे और संघ का पक्षकंप्यूटर शिक्षक संघ के पदाधिकारियों राजेंद्र शर्मा, विपिन शर्मा, कुलदीप शर्मा और देश राज ने एक बयान में कहा कि करीब 1,300 कंप्यूटर शिक्षक दो दशकों से अधिक समय से प्रदेश के सरकारी स्कूलों में न्यूनतम मानदेय पर विद्यार्थियों को आईटी शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। इनमें से कई शिक्षक अब सेवानिवृत्ति की आयु के करीब पहुंच चुके हैं, लेकिन उनके भविष्य पर अब भी अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं। संघ का कहना है कि माननीय उच्च न्यायालय (हाईकोर्ट) द्वारा आउटसोर्स कंप्यूटर शिक्षकों को राहत प्रदान करते हुए उनकी सेवाओं को नियमित करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। इसके बावजूद सरकार न्यायालय के आदेशों की अनुपालना करने के बजाय एलडीआर जैसी प्रक्रियाएं लागू कर रही है, जो शिक्षकों के साथ अन्याय है। मुख्यमंत्री और मंत्रियों द्वारा दिए गए सार्वजनिक आश्वासनों को भी अब तक धरातल पर नहीं उतारा गया है। एलडीआर निर्णय पर पुनरीक्षण: सरकार एलडीआर संबंधी फैसले पर तुरंत पुनर्विचार करे ताकि मौजूदा आउटसोर्स शिक्षकों के हित सुरक्षित रह सकें।हाईकोर्ट के आदेश लागू हों: हाईकोर्ट के निर्देशों के अनुरूप सभी 1,300 शिक्षकों को नियमितीकरण का लाभ दिया जाए। स्थायी नीति व सुरक्षा: दो दशकों से अधिक सेवा दे चुके शिक्षकों और उनके परिवारों के लिए नीतिगत व स्थायी समाधान निकाला जाए।

शिमला में डीसी ऑफिस के बाहर जोरदार प्रदर्शन

मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने और मतदाता सूची पुनरीक्षण रोकने की उठी मांग

◆ नाम हटाने से पहले पारदर्शी, कानूनी और सत्यापन योग्य प्रक्रिया अपनाने की मांग

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राजधानी शिमला में सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन्स (सीटू), हिमाचल किसान सभा, जनवादी महिला समिति (एडवा), स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई), लोकतांत्रिक युवा सभा (डीवाईएफआई), दलित शोषण मुक्ति मंच, शिमला नागरिक सभा और हिमाचल लोक संस्कृति मंच समेत कई जनवादी संगठनों ने देशव्यापी आह्वान के तहत उपायुक्त (डीसी) कार्यालय के बाहर एक विशाल एवं जोरदार विरोध प्रदर्शन आयोजित किया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

प्रदर्शनकारियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को उनके पद से तत्काल बर्खास्त करने, मतदाता सूचियों में चल रही 'विशेष सारांश पुनरीक्षण' (एसआईआर) प्रक्रिया पर तुरंत रोक लगाने, इसके तहत हटाए गए सभी पात्र नागरिकों के नाम पुन: मतदाता सूची में शामिल करने और भारतीय निर्वाचन आयोग की संवैधानिक एवं स्वायत्त भूमिका को पुनर्गठित कर बहाल करने की पुरजोर मांग की। प्रदर्शन के दौरान आयोजित जनसभा को अमित कुमार, बालक राम, फाल्मा चौहान, विवेक कश्यप और पवन कुमार ने संबोधित किया।

वक्ताओं ने कहा कि भारत के लोकतंत्र की आधारशिला सार्वभौमिक मताधिकार पर टिकी हुई है। बिना किसी भेदभाव के प्रत्येक पात्र नागरिक को मतदाता सूची में शामिल करना और उसके मताधिकार की रक्षा करना चुनाव आयोग का परम संवैधानिक दायित्व है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान में मतदाता सूचियों में व्यापक स्तर पर मनमाने बदलाव किए जा रहे हैं, जिससे देशभर में आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि जब तक यह शत-प्रतिशत सुनिश्चित न हो जाए कि एक भी वैध मतदाता का नाम सूची से बाहर नहीं होगा, तब तक एसआईआर प्रक्रिया को तुरंत स्थगित रखा जाना चाहिए।

प्रदर्शन में मुख्य वक्ताओं ने कहा कि यदि किसी नागरिक का नाम मतदाता सूची से हटाया जाता है, तो उसकी पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, कानूनी और सत्यापन योग्य होनी चाहिए। किसी भी मतदाता को प्रशासनिक जटिलताओं या दस्तावेजों के नाम पर उसके पवित्र मताधिकार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, वक्ताओं ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि वर्ष 2023 के कानून पर सुप्रीम कोर्ट की विभाजित राय के बाद अब नियुक्ति के लिए प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश की सदस्यता वाली निष्पक्ष समिति का गठन किया जाना चाहिए।

आंदोलन में नेताओं ने इस बात पर भी चिंता जताई कि चुनाव आयोग के भीतर ही निर्णय लेने की प्रक्रिया पर आपत्तियां दर्ज होने की रिपोर्टें आ रही हैं, जो लोकतांत्रिक संस्थाओं की गिरती विश्वसनीयता को दर्शाती हैं। इस विशाल प्रदर्शन में संजय चौहान, विजेंद्र मेहरा, जगत राम, फाल्मा चौहान, जगमोहन ठाकुर, जयशिव, बालक राम, विवेक कश्यप, महेश वर्मा, रमाकांत मिश्रा, रंजना जरेट, डॉ. प्रवीण जरेट, डॉ. राजेंद्र चौहान, डॉ. विजय कौशल, अभिमन्यु खोसला, पवन, प्रवेश, तिलक, पूर्ण चंद, उमा, चंपा, भूमि और सुशीला सहित सैकड़ों गणमान्य कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर आंदोलन को मजबूती प्रदान की।

संजौली में पुलिसकर्मी से अभद्रता दो के खिलाफ केस दर्ज



भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राजधानी शिमला के संजौली चौक पर पुलिसकर्मी और दो लोगों के बीच हुई तीखी बहस का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद पुलिस ने स्थिति स्पष्ट की है। पुलिस के अनुसार, 22 अक्टूबर को यातायात ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी ने डैशबोर्ड पर अवैध फ्लैशर लाइट का उपयोग करने पर एक वाहन को रोका था, जिसके बाद वाहन सवारों ने पुलिस कर्मचारी के साथ दुर्व्यवहार किया। पुलिस की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जब ड्यूटी पर तैनात यातायात कर्मी ने वाहन को रोका, तो उसमें सवार व्यक्ति बाहर निकलकर पुलिसकर्मी से उसका नाम और पद पूछने लगा। इसके बाद गाड़ी में मौजूद दोनों व्यक्तियों ने पुलिस कर्मचारी के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया, उसे धमकाया और सरकारी कार्य में बाधा डाली। बहस के दौरान संजौली चौक पर कुछ देर के लिए यातायात भी बाधित हुआ, जिसके बाद मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने पुलिसकर्मी का समर्थन किया।

ट्रैफिक शाखा के कर्मचारी की लिखित शिकायत के आधार पर पुलिस थाना संजौली में भारतीय न्याय संहिता (ब्नहस्) की धारा 221 और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की पहचान राहुल शर्मा (निवासी ढली, शिमला) और 23 वर्षीय अर्णव (निवासी लोअर कलस्टन, शिमला) के रूप में हुई है।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के दौरान सामने आए पिस्तौल तानने के दावों और अफवाहों को पुलिस ने पूरी तरह से निराधार और गलत बताया है। संजौली थाना पुलिस टीम द्वारा मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

हिमाचल प्रदेश पुलिस कांस्टेबल भर्ती के लिए शारीरिक परीक्षण शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, अनिल कुमार शर्मा, शिमला । हिमाचल प्रदेश पुलिस विभाग में कांस्टेबलों के पदों पर भर्ती के लिए शारीरिक मानक परीक्षा और शारीरिक दक्षता परीक्षा की प्रक्रिया प्रदेशभर में शुरू हो गई है। यह भर्ती हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा जारी विज्ञापन संख्या 57/7-2026 के तहत 'हिमाचल प्रदेश पुलिस विभाग (कांस्टेबल भर्ती) नियम, 2024' के अनुसार आयोजित की जा रही है।

इस पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया में कुल 1,01,062 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है, जिसमें 72,586 पुरुष और 28,476 महिला अभ्यर्थी शामिल हैं। अभ्यर्थियों की भारी संख्या को देखते हुए शारीरिक परीक्षण का आयोजन प्रदेश के सभी जिलों में 22 अक्टूबर से 5 दिसंबर 2026 तक चरणबद्ध और दिनवार तरीके से किया जा रहा है, ताकि पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष और व्यवस्थित रहे।

शारीरिक परीक्षण की शुरुआत 22 अक्टूबर को जनजातीय जिलों किन्नौर और लाहौल-स्पीति से हुई। किन्नौर के छोल्टू मैदान (टापरी) में 356 महिला और 620 पुरुष अभ्यर्थियों को बुलाया गया है, जबकि लाहौल-स्पीति में 123 महिला और 198 पुरुष अभ्यर्थी इस परीक्षा में हिस्सा ले रहे हैं। पुलिस



◆ 1.01 लाख से अधिक अभ्यर्थियों में 72,586 पुरुष और 28,476 महिलाएं शामिल

विभाग द्वारा सभी मैदानों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

हिमाचल प्रदेश के डीजीपी श्री अशोक तिवारी ने अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भर्ती प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता और नियमों के अनुसार करवाई जा रही है। प्रत्येक पात्र उम्मीदवार को अपनी योग्यता साबित करने का समान अवसर मिलेगा। उन्होंने अभ्यर्थियों से आत्मविश्वास, अनुशासन और खेल भावना के साथ शामिल होने की अपील की है। अभ्यर्थियों को अपने कॉल लेटर में निर्धारित समय पर परीक्षा स्थल पहुंचने की सलाह दी गई है।

विकसित भारत युवा संसद 2026-27 और यंग लीडर्स डायलॉग का होगा आयोजन

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। मेरा युवा भारत, मंडी द्वारा विकसित भारत युवा संसद 2026-27 का आयोजन विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2026-27 के अंतर्गत किया जाएगा। जिला स्तर पर आयोजित होने वाली युवा संसद का विषय एक राष्ट्र, एक चुनाव निर्धारित किया गया है। जिला युवा अधिकारी भारती मोंगरा ने बताया कि विकसित भारत युवा संसद का उद्देश्य युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं, संसदीय कार्यप्रणाली एवं राष्ट्रीय महत्व के विषयों के प्रति जागरूक करना है। इस कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को अपने विचार प्रस्तुत करने, तार्किक ढंग से अपनी बात रखने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए युवा की आयु 17 अगस्त 2026 को 18 से 25 वर्ष के बीच होनी चाहिए। इच्छुक पात्र युवा पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं। पंजीकरण प्रक्रिया 17 अक्टूबर 2026 से शुरू हो चुकी है।युवा संसद का आयोजन तीन चरणों में किया जाएगा। जिला स्तर पर प्रतियोगिता 31 अक्टूबर से 10 नवंबर 2026 तक, राज्य स्तर की प्रतियोगिता 17 नवंबर से 7 दिसंबर 2026 तक तथा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता 9 और 10 जनवरी 2027 को नई दिल्ली स्थित संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में आयोजित की जाएगी।

रामपुर बुशहर : स्मार्ट एमएसएमई योजना पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित



◆ तकनीक से बदलेंगे सूक्ष्म उद्योग, स्मार्ट एमएसएमई योजना की शुरुआत

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के अंतर्गत आने वाले मिनी सचिवालय, रामपुर बुशहर में हाल ही में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह एक दिवसीय कार्यशाला 'रैंप' (ब्ंच्च्) योजना के अंतर्गत 'स्मार्ट एमएसएमई' विषय पर आधारित थी। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य स्थानीय उद्योगों को आज के आधुनिक दौर की उद्योग 4.0 तकनीकों से जोड़ना और उनकी उत्पादन क्षमता को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना था।

उद्योग विभाग और सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड की पहलयह महत्वपूर्ण कार्यशाला हिमाचल प्रदेश सरकार के उद्योग विभाग तथा सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (सीईएल) के संयुक्त तत्वावधान में विश्व बैंक समर्थित रैंप परियोजना के तहत आयोजित की गई थी। कार्यक्रम के दौरान उद्योग विभाग की ओर से विस्तार अधिकारी श्री यशपाल शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस कार्यशाला में रामपुर बुशहर क्षेत्र के 30 से अधिक स्थानीय उद्यमियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और आधुनिक तकनीकों की बारीकियों को समझा।

कार्यशाला के तकनीकी सत्र में अभिलक्ष लौ ने स्मार्ट एमएसएमई योजना की विस्तृत रूपरेखा साझा की। उन्होंने उपस्थित उद्यमियों को समझाया कि कैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए्ढ), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (ढ्ढश), क्लाउड आधारित उद्यम संसाधन नियोजन (श्र,क्र) प्रणाली, मशीनों के स्वास्थ्य की निगरानी, उन्नत ऊर्जा प्रबंधन और रोबोटिक स्वचालन जैसी अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाकर कारखानों में उत्पादन लागत को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके अलावा, मशीनों में आने वाली खराबियों को समय से पहले रोकना और बिजली की खपत को नियंत्रित करना भी इन तकनीकों से संभव है।

कार्यक्रम के दौरान उद्यमियों को स्मार्ट तकनीकों का प्रत्यक्ष प्रदर्शन (लाइव डेमो) भी दिखाया गया। योजना के तहत पात्र और इच्छुक कारखानों का नि:शुल्क तकनीकी सर्वेक्षण किया जा रहा है तथा चयनित इकाइयों को प्रायोगिक परियोजनाओं के माध्यम से प्रत्यक्ष सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे प्रदेश का औद्योगिक क्षेत्र और अधिक मजबूत हो सके।

शिमला में इस साल 211 सड़क हादसे, 90 लोगों की गई जान

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला जिले में वर्ष 2026 के दौरान अब तक 211 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गई हैं। इन हादसों में 90 लोगों की मौत हुई है, जबकि 70 लोग गंभीर रूप से घायल हुए और 227 लोगों को मामूली चोटें आईं। दुर्घटनाओं के आंकड़ों के अनुसार ग्रामीण सड़कों पर सबसे अधिक 50 लोगों की जान गई। वहीं, तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के 84 मामले सामने आए हैं। त्योहारी सीजन और नववर्ष के दौरान हादसों को कम करने के लिए जिला प्रशासन जनवरी तक विशेष सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाएगा। जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक शुक्रवार को उपायुक्त अनुपम कश्यप की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने कहा कि जिले के शिक्षण संस्थानों में विशेष कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जाएगा। उन्होंने सभी उपमंडलाधिकारियों को सड़कों की मरम्मत के प्रस्ताव उपायुक्त कार्यालय भेजने के निर्देश दिए। इन कार्यों के लिए तुरंत बजट उपलब्ध करवाया जाएगा। जिले के प्राथमिक स्कूलों के भवनों की मरम्मत के लिए भी बजट मुहैया करवाया जाएगा। बैठक में बताया गया कि सुबह नौ बजे से दोपहर 12 बजे तक 45 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज हुईं, जबकि रात नौ बजे से मध्यरात्रि 12 बजे तक 48 हादसे हुए। इन दोनों समयावधियों में कुल 93 दुर्घटनाएं दर्ज की गईं। सड़क की श्रेणी के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्गों पर 95 दुर्घटनाओं में 14 लोगों की मौत हुई और 133 लोग घायल हुए। राज्य राजमार्गों पर 23 हादसों में नौ लोगों की जान गई और 48 लोग घायल हुए। ग्रामीण सड़कों पर 53 दुर्घटनाओं में 50 लोगों की मौत हुई और 77 लोग घायल हुए।

संरक्षण पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए डलहौजी में संपन्न हुआ 'विरासत-2026' वार्षिक समारोह

राज्यपाल ने आधुनिक ज्ञान एवं नवाचार के साथ सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर दिया बल



भारतेन्दु संवाददाता, अनिल कुमार शर्मा, सोलन/डलहौजी। राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक मूल्यों के संरक्षण के साथ-साथ युवा पीढ़ी को भविष्य की हर चुनौती के लिए तैयार करने के वास्ते आधुनिक ज्ञान, विज्ञान एवं अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी को अपनाने पर विशेष बल दिया है। वे डलहौजी हिलटॉप स्कूल के वार्षिक समारोह 'विरासत-2026' को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 शिक्षा व्यवस्था में क्रांतिकारी परिवर्तन और युवाओं के सशक्तिकरण का सबसे सशक्त माध्यम है। यह नीति नवाचार, कौशल विकास और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान या शैक्षणिक उपलब्धियां हासिल करना तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों में आलोचनात्मक चिंतन, रचनात्मकता, व्यावहारिक ज्ञान, समस्या समाधान की क्षमता और सामाजिक उत्तरदायित्व की मजबूत भावना विकसित करना भी है। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व का जिक्र करते हुए कहा कि भारत वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। 'विकसित भारत-2047' के इस महान संकल्प को तभी साकार किया जा सकता है, जब देश का युवा वर्ग ज्ञानवान, नवाचारी, आत्मनिर्भर, अनुशासित और राष्ट्र के प्रति पूरी तरह समर्पित हो। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे बड़े सपने देखें और उन्हें पाने के लिए कड़ी मेहनत व समर्पण भाव से कार्य करें।

आज के डिजिटल युग में प्रौद्योगिकी के बढ़ते महत्व को इंगित करते हुए कविन्द्र गुप्ता ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रोबोटिक्स, एसटीईएम (स्श्वरू) शिक्षा और डिजिटल शिक्षण मंच आज के विद्यार्थियों के लिए अवसरों के नए द्वार खोल रहे हैं। हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्यों के कठिन भौगोलिक क्षेत्रों में रहने वाले युवा भी इन आधुनिक तकनीकों से भरपूर लाभान्वित हो रहे हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ विवेक, नैतिकता और उच्च मानवीय मूल्यों का समावेश होना अत्यंत आवश्यक है।

मेधावी छात्रों का सम्मान और उपलब्धियां

राज्यपाल ने सीबीएसई की दसवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं में शत-प्रतिशत परिणाम आने पर विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों को बधाई दी। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के मेधावी छात्र अक्षत कुमार को बारहवीं कक्षा में 98.8 प्रतिशत अंक हासिल कर चंबा जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर विशेष रूप से सम्मानित किया। इसके अलावा, लद्दाख के छात्र अली अकबर को भी उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान विद्यालय की चेयरपर्सन डॉ. पूनम राय धवन ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की, जबकि विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के अंत में राज्यपाल ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे जल, जंगल और जमीन के संरक्षण के प्रति जागरूक रहें और सतत जीवनशैली अपनाकर हिमालयी पर्यावरण के जिम्मेदार संरक्षक बनें। इस अवसर पर पूर्व मंत्री आशा कुमारी, सेना व वायु सेना के वरिष्ठ अधिकारी, एसडीएम अनिल भारद्वाज, डीएसपी मयंक शर्मा, रंजन शर्मा, डॉ. विपिन ठाकुर, और डलहौजी पब्लिक स्कूल के अध्यक्ष डॉ. कैप्टन जी.एस. ढिल्लों सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सूर्योदय 6:29 सूर्यास्त 5:42

आज का तापमान

शिमला	13.0 न्यू	20.0 अधि
धर्मशाला	14.5 न्यू	22.5 अधि

बाजार

सेंसेक्स	73,123
निफ्टी	22,600

सोना 1,41,000 चांदी 1,94,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | शनिवार, 24 अक्तूबर 2026 | 8 कार्तिक, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 180, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

पाकिस्तान अल्पसंख्यकों पर हमें नसीहत न दे: भारत

एजेंसी, नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र में वीरवार को भारत और पाकिस्तान के बीच धार्मिक आजादी और मानवाधिकारों को लेकर तीखी बहस हुई। भारत ने पाकिस्तान पर अपने धार्मिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा नहीं करने का आरोप लगाया। भारतीय राजनयिक भाविका मंगलानंदन ने कहा कि पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की संख्या घट रही है और उनके अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। उन्होंने कहा कि जो देश अपने अल्पसंख्यकों की सुरक्षा नहीं कर सकता, उसे भारत को नसीहत देने का कोई हक नहीं है। भाविका मंगलानंदन ने यह बात यूएन की एक रिपोर्ट को लेकर कही।

पेरिस में राह चलते लोगों पर फायरिंग

एजेंसी, पेरिस। फ्रांस के पेरिस के पास शुक्रवार को हुई फायरिंग में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए। मेयर के मुताबिक, हमलावर ने अलग-अलग जगहों पर लोगों पर गोलियां चलाईं। फ्रांस में इस साल गोलीबारी का यह 11वां मामला है। पुलिस ने ट्रैप शहर के पास से एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। उससे पूछताछ की जा रही है। हालांकि, अभी तक यह पता नहीं चला है कि फायरिंग क्यों की गई और इसके पीछे क्या वजह थी। गोलीबारी के बाद पुलिस अलर्ट पर है। फ्रांस की आतंकवाद से जुड़े मामलों की जांच करने वाली एजेंसी भी मामले पर नजर रख रही है।

सीवान- पटाखा फैक्टरी में ब्लास्ट, सात की मौत

एजेंसी, सीवान। सीवान में पटाखा बनाने के दौरान हुए ब्लास्ट में पति-पत्नी और उनकी बेटी समेत 7 की मौत हो गई। घटना जामो थाना क्षेत्र के अलमापुर गांव की है। बताया जा रहा है कि एक मकान में पटाखा बनाया जा रहा था। इसी दौरान अचानक धमाके होने लगे। इस धमाके में पूरा मकान उड़ गया। इससे लोगों के शव सड़क पर बिखर गए। धमाकों की आवाज से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों के मुताबिक, करीब डेढ़ घंटे तक रुक-रुककर धमाकों की आवाज आती रही। धमाकों के कारण आसपास के इलाके में भय का माहौल बन गया। घटना की सूचना पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी गई। इसके बाद दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंचकर आग बुझाने में जुटी है। इस हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। इसके अलावे 4 अन्य लोगों की मौत हुई है। हालांकि, उसकी पहचान नहीं हो सकी है।

चुनाव आयोग के अफसर पर बिना चर्चा फैसले लेने का आरोप

एजेंसी, नई दिल्ली। चुनाव आयोग के अफसर मनीष गर्ग के कामकाज के विवाद पर अब नई जानकारी सामने आई है। आरटीआई से खुलासा हुआ है कि दो चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथन को अलग-अलग लेटर लिखकर उनके कामकाज की शिकायत की थी। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। आरटीआई जवाब में बताया गया, कैबिनेट सचिवालय ने ये शिकायतें चुनाव आयोग की ओर से आधिकारिक नहीं मानीं। सचिवालय का मानना था कि इस स्तर पर कार्रवाई करना उचित नहीं होगा। इसे संवैधानिक संस्था के काम में दखल माना जा सकता है।

पैरा एशियन गेम्स: भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन, जीते 114 मेडल

30 गोल्ड, 35 सिल्वर और 49 ब्रॉन्ज मेडल जीत रचा इतिहास, भाला फेंक स्पर्धा में तीनों पदक भारत के नाम









एजेंसी, आइची-नागोया। पैरा एशियन गेम्स 2026 में भारत का शानदार प्रदर्शन रहा। भारत ने कुल 114 मेडल जीते। पैरा गेम्स के इतिहास में भारत का ये सबसे बेहतरीन प्रदर्शन है।

भारत ने इस दौरान 30 गोल्ड, 35 सिल्वर और 49 ब्रॉन्ज मेडल जीत इतिहास रच दिया। शुक्रवार को भारतीय खिलाड़ियों ने 9 गोल्ड, 9 सिल्वर और 8 ब्रॉन्ज सहित 26 मेडल जीते।

प्रणव सूरमा ने 32.87 मीटर के थ्रो से गेम्स रिकॉर्ड बना दिया है। इसी के साथ उन्होंने भारत को पुरुष क्लब थ्रो एफ51 के इवेंट में गोल्ड मेडल दिलाया है। इसके अलावा, 27.71 मीटर के साथ धरमबीर ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया है। भारतीय खिलाड़ियों का जैवलिन में जलवा देखने को मिला है। दो बार के पैरालंपिक चैंपियन सुमित ने एफ42-44/एफ62-एफ64 इवेंट में गोल्ड मेडल जीता है। वहीं महेंद्र गुरजर ने सिल्वर और संदीप सरगर ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया है। भारत के हिस्से एक और ब्रॉन्ज आया है।

पुरुषों की 200 मीटर टी37 रेस के फाइनल में भारत के राकेश भाई तीसरे स्थान पर रहे और ब्रॉन्ज अपने नाम किया। पैरा बैडमिंटन में भारत की तुलसीमती और मानसी गिरिशचंद्रा ने महिला डबल्स एसएल3-एसयू5 इवेंट में गोल्ड अपने नाम किया। भारतीय जोड़ी ने 21-16, 21-13 से मैच जीता। इसी के साथ भारत की इन खेलों में गोल्ड मेडल की संख्या 28 हो गई है।

नगवाईं के अजय कुमार ने एशियन पैरा गेम्स में फिर जीता रजत पदक

धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। मंडी जिले के नगवाईं निवासी पैरा एथलीट अजय कुमार ने एशियन पैरा गेम्स 2026 में कांस्य पदक जीतकर हिमाचल प्रदेश का नाम रोशन किया है। पुरुषों की 400 मीटर टी64 स्पर्धा में अजय ने 53.61 सेकेंड में दौड़ पूरी कर तीसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले वह वर्ष 2023 में आयोजित एशियन पैरा गेम्स में इसी स्पर्धा का रजत पदक जीत चुके हैं। लगातार दो एशियन पैरा गेम्स में पदक जीतना उनकी मेहनत और खेल के प्रति समर्पण को दर्शाता है। अजय कुमार का सफर चुनौतियों के बीच आगे बढ़ने की मिसाल है। वर्ष 2010 में भारतीय सेना में भर्ती हुए अजय ने जम्मू-कश्मीर के उड़ी क्षेत्र में सैन्य अभियान के दौरान 14 नवंबर 2017 को अपना बायां पैर गंवा दिया था। इसके बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और खेलों के माध्यम से अपनी नई पहचान बनाई।



2018 में पैरा खेलों से जुड़ने के बाद उन्होंने अभ्यास व मेहनत के दम पर अपनी प्रतिभा को निखारा। वर्ष 2021 में पहली राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने छह स्वर्ण व तीन रजत पदक जीते। 2023 के एशियन पैरा गेम्स में 400 मीटर टी64 स्पर्धा का रजत पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा साबित की।

समाज को बांटने वाली ताकतें सक्रिय, इनसे निपटने को एकजुट होना जरूरी: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने अमृत महोत्सव में स्वामी चिन्मयानंद के थ्री-डी अवतार से बात की

एजेंसी, नई दिल्ली। पीएम मोदी शुक्रवार को दिल्ली के भारत मंडपम में 'चिन्मय अमृत महोत्सव' का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने सामाजिक बुराइयों से निपटने और बांटने वाली ताकतों के खिलाफ एकजुट होने की अपील की।

पीएम ने कहा 'दशकों में समय बदला है, नई चुनौतियां सामने आई हैं और नई सामाजिक बुराइयां पैदा हुई हैं। आज, इन समस्याओं को सुलझाने की जिम्मेदारी हम सभी की है।' उन्होंने आगे कहा, 'हमें समाज को बांटने वाली ताकतों के खिलाफ एकजुट होना होगा, आत्मनिर्भर बनने के लिए लोगों प्रेरित करना होगा, हर व्यक्ति को 2047 तक 'विकसित भारत' के विजन से जोड़ना होगा।' इस दौरान, पीएम ने स्वामी चिन्मयानंद के होलोबॉट से बात की। यह ऐसी तकनीक है जो एक वास्तविक दिखने वाले 3डी होलोग्राफिक डिजिटल इंसान को पेश करती है। गौरतलब है कि स्वामी चिन्मयानंद का निधन 3 अगस्त 1993 में हो गया था। चिन्मय मिशन एक वैश्विक आध्यात्मिक आंदोलन है, जिसकी स्थापना 1951 में स्वामी चिन्मयानंद ने की थी। चिन्मय मिशन की स्थापना के 75 साल पूरे होने पर 3 दिन का आयोजन हो रहा है। यह 25 अक्तूबर तक चलेगा। एक समय भारत से बहुत सी मूर्तियां चोरी कर विदेश ले जाई गईं। हम पिछले 12 साल में ऐसी 600 मूर्तियां वापस लाए हैं। देश अब उस राह पर आगे बढ़ रहा है, जिसका सपना हमारे ऋषियों और राष्ट्रभक्तों ने देखा था। पीएम ने कहा 2015 में मुझे स्वामी जी की स्मृति में एक सिक्का जारी करने का मौका मिला था। मैंने कहा था कि स्वामी जी का जीवन एक प्रतीक है। उनके गुरु ने उन्हें आशीर्वाद दिया था- 'गो, रोर लाइक अ लॉयन' यानी जाओ, शेर की तरह दहाड़ो। चिन्मय एक विचार है जिसकी शुरुआत एक चिन्मय ऋषि ने की थी। जो चिन्मय है, वह स्वयं ही अमर है।

विकसित भारत व चिन्मय मिशन का रास्ता एक



पीएम ने कहा बीते दशकों में समय बदला है। देश के सामने नई चुनौतियां पैदा हुई हैं। आज उसके समाधान का काम हम सबके सामने है। आज हमें आत्मनिर्भरता के लिए देश को जागरूक करना है। हमें 2047 के विकसित भारत संकल्प से सबको जोड़ना है। जब भारत अपनी आजादी के 100 साल पूरे करेगा, जब चिन्मय मिशन भी 100 साल पूरे करेगा। यानी विकसित भारत और चिन्मय मिशन का रास्ता एक है। मुझे विश्वास है, आप सब मिलकर विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएंगे।

◆'चिन्मय अमृत महोत्सव' का किया शुभारंभ

◆कहा- 2047 तक विकसित भारत के संकल्प से हर व्यक्ति को जोड़ना होगा

कस्टम हेड सीईसी ज्ञानेश कुमार के सगे भाई: सीएम भगवंत मान

एजेंसी, चंडीगढ़। फ्रांस से लौटते वक्त दिल्ली एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग के रोके जाने को लेकर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पहली बार प्रतिक्रया दी है।

सीएम मान ने शुक्रवार को कहा कि मुझे 2 घंटे बैठाकर रखा गया। वह बोल रहे थे कि सामान चेक करना है। सामान में से कुछ नहीं निकला। सीएम से पूछा गया कि क्या वह इसे हैरेसमेंट मानते हैं, इस पर सीएम मान ने कहा दिल्ली एयरपोर्ट पर कस्टम के हेड मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के भाई हैं। उनके सगे भाई मनीष हैं, जब कभी उनको मौका मिलता है, वह बदला ले लेते हैं। हालांकि मुख्यमंत्री के पास कौन-सा सामान था और किस सामान को लेकर उन्हें रोका गया, इस बारे में आम आदमी पार्टी ने कोई जानकारी नहीं दी है। मुख्यमंत्री ने गुजरात के बंदरगाहों से नशीले पदार्थों की बरामदगी को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान की तरफ से ड्रोन के जरिये नशा पंजाब पहुंचता है, तो सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किए जाते हैं, लेकिन गुजरात के बंदरगाहों पर कस्टम और सुरक्षा व्यवस्था होने के बावजूद इतनी बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ कैसे पहुंच रहे हैं? उन्होंने कहा कि इस सवाल का जवाब दिया जाना चाहिए। मान ने कहा कि बंदरगाहों पर कस्टम और सुरक्षा की उचित व्यवस्था होती है। इसके बावजूद अगर वहां तीन-तीन हजार किलो नशीले पदार्थ पहुंच रहे हैं तो इसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए।



◆कहा- मौका मिलते ही बदला लिया; मान 20 अक्तूबर को दिल्ली एयरपोर्ट पर रोके गए थे

तिब्बत में 7 तीव्रता का भूकंप, 16 की मौत, 65 घायल

एजेंसी, ल्हासा। तिब्बत में वीरवार रात 7.0 तीव्रता का भूकंप आया। इसमें 16 लोगों की मौत हो गई, जबकि 65 लोग घायल हुए हैं। भूकंप के बाद 12 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया। राहत और बचाव का काम जारी है। चीनी सरकारी मीडिया के मुताबिक, शुक्रवार सुबह तक भूकंप के बाद 400 से ज्यादा झटके दर्ज किए गए। भूकंप का केंद्र तिब्बत के नागक्यू शहर के बाछेन काउंटी में था। यह जमीन से 10 किलोमीटर से भी कम गहराई पर आया। यह जगह तिब्बत की राजधानी ल्हासा से करीब 400 किलोमीटर दूर है। शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक, भूकंप से 330 से ज्यादा घर ढह गए या उन्हें नुकसान पहुंचा है। वहीं, पाकिस्तान में 4.9 और अफगानिस्तान में 4.1 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। तिब्बत दुनिया के उन इलाकों में शामिल है, जहां भूकंप आने का खतरा ज्यादा रहता है। यहां भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटें आपस में टकराती हैं।

अरुणाचल में चीन से झड़पें जारीं: शत्रुजीत

गलवान रिपीट न हो, इसलिए ड्रोन फोर्स पर फोकस जरूरी

एजेंसी, अलवर। आईटीबीपी के डीजी शत्रुजीत कपूर ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में अरुणाचल प्रदेश में चीन और भारत के सैनिक आमने-सामने आ गए थे। कई जगह टकराव की स्थिति भी बनी। यह अभी भी जारी है।

शत्रुजीत राजस्थान के अलवर के सेंट्रल ट्रेनिंग कॉलेज में हिमवीर सम्मान समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जुलाई के अंत से अरुणाचल प्रदेश में ऊपरी सुबनसिरी जिले के असाफिला और माजा इलाके में तनाव बना हुआ है। भारत ने भी सीमा पर अपनी तैनाती बढ़ा दी है। गलवान रिपीट न हो इसलिए फोकस ड्रोन फोर्स पर होना चाहिए। शत्रुजीत ने यह बयान अपने रिटायरमेंट के 7 दिन पहले दिया है। वे 31 अक्तूबर को रिटायर हो रहे हैं। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने सरकार पर इन टकरावों पर चुप रहने का आरोप लगाया। उन्होंने एक्स पर लिखा, '19 जून 2020 को प्रधानमंत्री की चीन को दी गई बदनाम क्लीन चिट की कीमत भारत चुका रहा है।' प्रधानमंत्री की चीन को लेकर सोची-समझी रियायतें जारी हैं, तब आईटीबीपी डीजी ने अरुणाचल प्रदेश में एलएसी के साथ हालिया फेसऑफ में बल के प्रदर्शन की सराहना की है।'

तीन बैठकों के बाद भी तनाव जारी : आईटीबीपी चीफ



शत्रुजीत ने कहा कि जुलाई से अब तक दोनों देशों के बीच तीन उच्चस्तरीय बैठकें हुईं, लेकिन तनाव बरकरार रहा। इसी बीच सितंबर में 18वां ब्रिक्स सम्मेलन भी हुआ, जिसमें हिस्सा लेने के लिए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत आए थे। शत्रुजीत ने कहा कि ड्रोन ने पारंपरिक युद्ध का तरीका काफी बदल दिया है। आईटीबीपी ड्रोन बनाने और एंटी-ड्रोन क्षमता मजबूत करने पर काम कर रही है। उन्होंने यह भी बताया कि एलएसी के पास अपने संसाधनों की सुरक्षा के लिए आईटीबीपी भूमिगत शेल्टर बना रहा है।

चीनी सैनिक गलत पेट्रोलिंग करते तब हालात बिगड़ते: विदेश मंत्रालय

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शत्रुजीत कपूर के बयान पर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि एलएसी पर समय-समय पर स्थिति तब बिगड़ती है, जब चीनी सैनिक तय गश्त पैटर्न से अलग हटकर गतिविधियां करते हैं। भारत ने जोर देकर कहा कि सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखना दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों के समग्र विकास के लिए जरूरी है।

जलवायु संकट के लिए यूरोप जिम्मेदार : पीयूष

एजेंसी, बर्लिन। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने जलवायु संकट के लिए यूरोप को बड़ा जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि भारत में दुनिया की 17% आबादी है, लेकिन कार्बन उत्सर्ज में योगदान 3% से भी कम है। भारत को जलवायु परिवर्तन से जुड़ी अपनी जिम्मेदारियां निभाने के साथ 1.4 अरब लोगों की जरूरतें भी पूरी करनी हैं। गोयल ने जर्मनी में बर्लिन ग्लोबल डायलॉग कार्यक्रम में कहा कि भारत की तुलना में यूरोप का प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन 7 से 8 गुना ज्यादा है। इस पूरी गड़बड़ी के लिए सबसे पहले कौन जिम्मेदार है? ओजोन परत को नुकसान कहां से पहुंचा? किसने वातावरण में इतना सारा कार्बन छोड़ा? उन्होंने कहा कि जलवायु संकट से निपटने की जिम्मेदारी उन देशों की ज्यादा होनी चाहिए, जिन्होंने दशकों तक प्राकृतिक संसाधनों का इस्तेमाल करके आर्थिक विकास किया और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया।

हिमाचल में कर्मचारियों और पेंशनर्स को पांच फीसदी डीए चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को मिलेगा 10 हजार रुपए एरियर

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने सरकारी कर्मचारियों और पेंशनरों को दिवाली का तोहफा देते हुए पांच फीसदी महंगाई भत्ता (डीए) देने की घोषणा की है। डीए की यह राशि नवंबर की पहली तारीख को मिलने वाले वेतन और पेंशन के साथ दी जाएगी।



इसके अलावा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को लंबित एरियर में से 10 हजार रुपए की किस्त भी जारी की जाएगी। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को शिमला स्थित सचिवालय में प्रेस वार्ता के दौरान ये घोषणाएं कीं। इसके बाद वित्त विभाग ने इस सम्बंध में अधिसूचना भी जारी कर दी। मुख्यमंत्री की घोषणा से प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों और पेंशनरों को आर्थिक राहत मिलेगी। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को लंबित एरियर के रूप में 10 हजार रुपए की अतिरिक्त राशि मिलेगी।

अगले विधानसभा चुनाव में नहीं जीतेंगे भाजपा के 16 मौजूदा विधायक

प्रेस वार्ता के दौरान मुख्यमंत्री ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भी भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा के मौजूदा 28 विधायकों में से 16 विधायक दोबारा जीत हासिल नहीं कर पाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी चुनाव में भाजपा की सीटें पहले के मुकाबले कम होंगी।

ओपीएस बंद नहीं होगी

मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार ने सत्ता में आने के बाद कर्मचारियों के हितों को प्राथमिकता दी है। सरकार ने पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) बहाल करने की घोषणा की थी। इससे कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद आर्थिक सुरक्षा मिली है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आने वाले समय में भी ओपीएस बंद नहीं की जाएगी।

राज्य पर 99,594 करोड़ रुपए का कर्ज

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने कठिन आर्थिक परिस्थितियों के बावजूद राज्य के हित में काम किया है। सरकार हिमाचल को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में राज्य सरकार पर 99,594 करोड़ रुपए का कर्ज है। कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद से अब तक 37,718 करोड़ रुपए का कर्ज लिया गया है। वहीं, पूर्व भाजपा सरकार के कार्यकाल में 43,267 करोड़ रुपए का कर्ज लिया गया था।

नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान लोकसेवकों का दायित्व: योगी

एजेंसी, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को लोकभवन में दीप प्रज्वलित कर मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत दो दिवसीय 'साधना श्रृंखला' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान होना चाहिए। नागरिकों को जब समय से समाधान प्राप्त होता है तभी लोकसेवक का उद्देश्य सार्थक होता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तकनीकी शासन के कार्यों को गति दे सकती है, लेकिन कार्मिकों का सेवा भाव ही हमें नागरिकों के प्रति जवाबदेह बनाता है, जब प्रशासनिक तंत्र दक्ष, संवेदनशील एवं उत्तरदायी होता है, तभी शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचता है और सुशासन का संकल्प जनकल्याण के रूप में साकार होता है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा एनालिटिक्स और डिजिटल टेक्नोलॉजी तेजी से शासन के स्वरूप को बदल रहे हैं। हमें अपने लोकसेवकों को इन बदलावों के अनुरूप सक्षम बनाने के लिए तैयार रहना होगा। लोकसेवा की कार्य-संस्कृति में परिवर्तन हम सबके लिए एक राष्ट्रीय अभियान का हिस्सा होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत बनाने के लिए ग्राम पंचायतों के कार्मिकों की क्षमताएं भी बढ़ानी होंगी। डबल इंजन सरकार मिशन कर्मयोगी जैसी पहल के माध्यम से देश की प्रशासनिक कार्य-संस्कृति को नई दिशा दे रही है। मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस की भावना के अनुरूप कर्मयोगी उत्तर प्रदेश अंत्योदय के संकल्प को साकार करते हुए विकसित भारत के निर्माण में अपनी अग्रणी भूमिका निभाने के लिए पूर्णत: प्रतिबद्ध है। डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि प्रशासनिक सुधारों और क्षमता विकास में उत्तर प्रदेश देश के लिए रोल मॉडल है। उत्तर प्रदेश प्रशासनिक क्षमता विकास के क्षेत्र में रोल माडल के रूप में अपनी भूमिका निभाता रहेगा।



◆प्रशासनिक सुधारों व क्षमता विकास में उप्र देश के लिए रोल मॉडल : जितेंद्र सिंह

जागरूकता मुख्यमंत्री ने नशामुक्त उत्तराखंड वॉकथॉन को दिखाई हरी झंडी, कहा- नशामुक्त उत्तराखंड अभियान का नेतृत्व करें युवा

नशे के खिलाफ लड़ाई पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी: धामी

एजेंसी, देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को देहरादून में नशामुक्त उत्तराखंड वॉकथॉन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने नशामुक्त उत्तराखंड की शपथ दिलाते हुए युवाओं से नशे के खिलाफ अभियान में सहभागी बनने के साथ ही उसका नेतृत्व करने का आह्वान किया।

डॉ. बीआर आंबेडकर ग्राउंड, ओएनजीसी में ओएनजीसी ऑफिसर्स एसोसिएशन की ओर से आयोजित 'ड्रग फ्री उत्तराखंड वॉकथॉन' में मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल सरकार और पुलिस की नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। इसके लिए अभिभावकों, शिक्षकों, सामाजिक संगठनों और समाज के प्रत्येक वर्ग को अपनी भूमिका निभानी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशामुक्त उत्तराखंड वॉकथॉन केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को जागरूक करने और स्वस्थ एवं सशक्त प्रदेश के निर्माण का संदेश देने वाला अभियान है। ऐसे आयोजनों से नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ती है और युवाओं को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य और भविष्य के साथ उसके परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। युवाओं की ऊर्जा और प्रतिभा का उपयोग शिक्षा, खेल और रचनात्मक गतिविधियों में होना चाहिए। नशे की गिरफ्त में आने से उनके सपनों और परिवार की उम्मीदों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने युवाओं से खेल, योग व व्यायाम को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने और अच्छी संगति और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि युवाओं को स्वयं नशे से दूर रहने के साथ अपने साथियों को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना चाहिए। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ जनजागरूकता का संदेश विद्यालयों, महाविद्यालयों, कार्यस्थलों और खेल मैदानों से हर घर और गांव तक पहुंचाना होगा। नशे की लत से प्रभावित लोगों को परामर्श, उपचार, सही मार्गदर्शन और परिवार का भावनात्मक सहयोग उपलब्ध कराना भी जरूरी है।



◆ युवा नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेल व रचनात्मक गतिविधियों से जुड़ें

युवाओं की ऊर्जा प्रदेश व देश के विकास में हो उपयोग

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार नशे के अवैध कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई के साथ जनजागरूकता, नशामुक्ति, उपचार और पुनर्वास पर भी ध्यान दे रही है। नशामुक्त उत्तराखंड के लक्ष्य को हासिल करने के लिए इन सभी प्रयासों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की युवा पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए शिक्षा, कौशल विकास, खेल, स्टार्टअप, नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल करनी चाहिए। सरकार का प्रयास है कि युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने के अधिक अवसर मिलें और उनकी ऊर्जा प्रदेश और देश के विकास में उपयोग हो।

अमित शाह के बयान से पंजाब में भाजपा-अकाली दल गठबंधन की अटकलें तेज, 2027 चुनाव पर नजर

पंजाब में 2027 चुनाव से पहले भाजपा-अकाली दल की नजदीकियों को लेकर सियासी हलचल तेज

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा और शिरोमणि अकाली दल (बादल) के बीच दोबारा गठबंधन की अटकलें तेज हो गई हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हालिया बयान में पंजाब में एनडीए सरकार का जिक्र होने के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा शुरू हो गई है कि क्या दोनों पुराने सहयोगी फिर साथ आ सकते हैं। हालांकि, अभी तक दोनों दलों के बीच गठबंधन को लेकर किसी औपचारिक समझौते की पुष्टि नहीं हुई है।

भाजपा और अकाली दल का गठबंधन पंजाब की राजनीति में दशकों तक प्रभावशाली रहा। प्रकाश सिंह बादल और अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व के दौर में दोनों दलों ने मिलकर चुनाव लड़े और सरकारें बनाईं। हालांकि, सितंबर 2020 में कृषि कानूनों को लेकर किसानों के विरोध के बीच अकाली दल ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) से अलग होने का फैसला किया था।

इसके बाद भाजपा और अकाली दल ने पंजाब में अपनी-अपनी राजनीतिक ताकत बढ़ाने पर जोर दिया। अब अमित शाह के बयान में एनडीए सरकार का उल्लेख होने से गठबंधन की संभावनाओं को लेकर नई चर्चा शुरू हो गई है।



अमित शाह के बयान के बाद पंजाब में गठबंधन की चर्चाएं तेज

सुखबीर सिंह बादल की अगुआई वाला शिरोमणि अकाली दल भाजपा का सबसे पुराना सहयोगी रहा है। दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच जमीनी स्तर पर लंबे समय तक तालमेल रहा है। इसी वजह से 2027 के चुनाव से पहले दोनों के फिर साथ आने की संभावना पर चर्चा हो रही है।

हालांकि, दोनों दलों के बीच कृषि कानूनों, किसानों के मुद्दों और अन्य राजनीतिक मतभेदों को लेकर बातचीत अहम होगी। गठबंधन का अंतिम फैसला दोनों पार्टियों के नेतृत्व और साझा चुनावी रणनीति पर निर्भर करेगा।

दूसरे दलों के साथ गठबंधन की संभावनाएं

पंजाब में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के साथ भाजपा के गठबंधन की संभावना फिलहाल बेहद कम मानी जा रही है। दोनों दल राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के प्रमुख राजनीतिक विरोधियों में शामिल हैं।

शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) और शिरोमणि अकाली दल वारिस पंजाब दे के साथ भी भाजपा के वैचारिक और राजनीतिक मतभेद गठबंधन की राह कठिन बनाते हैं। वहीं, अकाली दल से अलग होकर बने अन्य गुटों के साथ संभावित तालमेल भी कई राजनीतिक शर्तों पर निर्भर करेगा।

भाजपा और अकाली दल के बीच सहयोग की जड़ें जनसंघ के दौर तक जाती हैं। दोनों दलों ने 1967 और 1969 में मिलकर सरकार बनाई थी। वर्ष 1996 में प्रकाश सिंह बादल और अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में औपचारिक गठबंधन को मजबूती मिली।

सीट बंटवारे के तहत पंजाब की 117 विधानसभा सीटों में से अकाली दल 94 और भाजपा 23 सीटों पर चुनाव लड़ती थी। इस व्यवस्था में अकाली दल को ग्रामीण और सिख मतदाताओं के बीच समर्थन मिलता था, जबकि भाजपा का आधार मुख्य रूप से शहरी और हिंदू मतदाताओं में माना जाता था। दोनों दलों के पूरक वोट बैंक को गठबंधन की मजबूती का प्रमुख कारण माना जाता था।

2020 में गठबंधन टूटने के बाद दोनों दलों को अपनी अलग-अलग चुनावी रणनीति बनानी पड़ी। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भी दोनों का प्रदर्शन और विधानसभा क्षेत्रों में समर्थन चर्चा का विषय रहा।

मोहाली आउस्टी पॉलिसी में 400 करोड़ के नुकसान का अनुमान, ईडी जांच तेज

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली



पंजाब में आउस्टी पॉलिसी के तहत प्लॉट आवंटन को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच में गंभीर सवाल उठे हैं। जांच के अनुसार, ग्रेटर मोहाली एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (गमाडा) ने जमीन की कीमतों में भारी बढ़ोतरी के बावजूद प्रभावित जमीन मालिकों और पात्र आवेदकों को कई वर्षों तक पुराने रेट पर प्लॉट आवंटित किए। इससे पंजाब सरकार को करीब 400 करोड़ रुपये का नुकसान होने का अनुमान है।

आउस्टी पॉलिसी के तहत विकास परियोजनाओं के लिए जमीन अधिग्रहित किए जाने पर प्रभावित जमीन मालिकों को मुआवजे के अतिरिक्त निर्धारित शर्तों के अनुसार आवासीय प्लॉट देने का प्रावधान है। ईडी की जांच में सवाल उठाया गया है कि बाजार दर बढ़ने के बावजूद प्लॉट पुराने रेट पर क्यों दिए जाते रहे।

जांच के अनुसार, वर्ष 2018-19 में प्लॉट की दर 25 हजार रुपये प्रति गज थी, जो 2025-26 तक बढ़कर 65 हजार रुपये प्रति गज हो गई। इसके बावजूद पुराने रेट पर आवंटन पत्र जारी किए जाते रहे। ईडी इसी अंतर से सरकारी खजाने को हुए संभावित नुकसान की जांच कर रही है।

वर्ष 2019 से 2026 के बीच मोहाली की आईटी सिटी के सेक्टर-82 अल्फा में 100 और सेक्टर-66 बीटा में 341 प्लॉट आवंटित किए गए। इस तरह दोनों सेक्टरों में कुल 441 प्लॉट दिए गए। इसके अलावा 169 आवेदन लंबित हैं, जिनमें सेक्टर-82 अल्फा के 39 और सेक्टर-66 बीटा के 130 आवेदन शामिल हैं।

ईडी जून 2020 में हुई समिति की बैठक की भी जांच कर रही है। इसमें गमाडा और पुडा के वरिष्ठ अधिकारियों ने 2013 और 2018 की योजनाओं के सफल आवेदकों को 25 हजार रुपये प्रति गज की दर से प्लॉट देने का समर्थन किया था। समिति ने 15 दिनों के भीतर आवंटन पत्र जारी करने के निर्देश भी दिए थे।

न्यूज ब्रीफ

चीमा का विवादित बयान, प्रगट सिंह को बताया 'चिट्टा पार्टी' का सदस्य

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा और कांग्रेस विधायक प्रगट सिंह के बीच तीखी जुबानी जंग हुई। चीमा ने प्रगट सिंह को संबोधित करते हुए कहा, 'यू आर द मेंबर ऑफ चिट्टा पार्टी।' उन्होंने कांग्रेस पर 1984 के सिख विरोधी दंगों, श्री अकाल तख्त साहिब पर हमले और पंजाब में नशे की समस्या को लेकर निशाना साधा। चीमा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के शासनकाल में सिख समुदाय को काफी नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने जगदीश टाइटलर का नाम लेते हुए 1984 के दंगों का मुद्दा भी उठाया। वित्त मंत्री ने पंजाब में नशे की समस्या को लेकर कांग्रेस पर सवाल उठाए। उन्होंने विधायक सुखपाल सिंह खैहरा के खिलाफ एनडीपीएस मामले का उल्लेख करते हुए विपक्ष के राजनीतिक रिकॉर्ड पर सवाल खड़े किए। उन्होंने अकाली दल के शासनकाल और नकोदर गोलीकांड का भी जिक्र किया। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवां ने सदस्यों से नारेबाजी बंद कर प्रश्नकाल चलने देने की अपील की। उन्होंने कहा कि पंजाब के लोगों से जुड़े सवालों पर चर्चा जरूरी है और सदन की मर्यादा बनाए रखनी चाहिए।

चंडीगढ़ के तीन स्कूलों को बम धमकी, ईमेल से मचा हड़कंप

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। शहर के तीन स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। कंट्रोल रूम से मिली सूचना के अनुसार, सेक्टर-46 स्थित कुंडन इंटरनेशनल स्कूल, सेक्टर-45 स्थित अक्षिप्स इंटरनेशनल स्कूल और सेक्टर-32 स्थित सौफिन इंटरनेशनल स्कूल को धमकी भरा ई-मेल मिला है। धमकी की सूचना सामने आने के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां मामले की जांच में जुट गई हैं। ई-मेल के जरिए धमकी मिलने से स्कूलों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। फिलहाल उपलब्ध जानकारी के अनुसार, ई-मेल भेजने वाले की पहचान स्पष्ट नहीं है। यह भी पुष्टि नहीं हुई है कि स्कूल परिसरों में किसी संदिग्ध वस्तु की मौजूदगी मिली है या नहीं। पुलिस धमकी से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है। मामले में सुरक्षा एजेंसियों की कार्रवाई और तलाशी से संबंधित विस्तृत जानकारी का इंतजार है।

चंडीगढ़ के बाजारों में पार्किंग सुधारने को नगर निगम सख्त

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। शहर के बाजारों में पार्किंग व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए नगर निगम ने सुधार कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। नगर निगम के स्पेशल कमिश्नर हरप्रीत सिंह सुदन ने सेक्टर-8-बी, सेक्टर-9-डी और सेक्टर-35-सी की आंतरिक मार्केट पार्किंग का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने इंजीनियरिंग विंग के अधिकारियों को पार्किंग स्थलों की खामियां दूर कर निर्धारित समय में काम पूरा करने के निर्देश दिए। इस दौरान मुख्य अभियंता संजय अरोड़ा सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। स्पेशल कमिश्नर ने जरूरत के अनुसार सड़कों की रीकार्पेटिंग, थर्मोप्लास्टिक रोड मार्किंग और पार्किंग स्थलों पर स्पष्ट निशान लगाने को कहा, ताकि वाहन व्यवस्थित तरीके से खड़े हो सकें।

डेराबस्सी में नहरी पानी प्रोजेक्ट अटका, जमीन अधिग्रहण का इंतजार

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। डेराबस्सी हलके में नहरी पानी की सुविधा उपलब्ध कराने का प्रोजेक्ट फिलहाल विचाराधीन है। जल संसाधन मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने शुक्रवार को विधानसभा में विधायक कुलजीत सिंह रंधावा के सवाल के जवाब में यह जानकारी दी। मंत्री ने बताया कि एसएएस नगर जिले के डेराबस्सी क्षेत्र में फिलहाल नहरी नेटवर्क नहीं है। सरकार ने रूपनगर, फतेहगढ़ साहिब और एसएएस नगर जिलों में सिंचाई सुविधा बढ़ाने के लिए प्रोजेक्ट तैयार किया है। सोशल इंपैक्ट असेसमेंट (एसआइए) रिपोर्ट के अनुसार, प्रस्तावित नहर की अलाइनमेंट में बदलाव की जरूरत है और इस पर काम जारी है। प्रोजेक्ट शुरू करने के लिए जमीन अधिग्रहण और आवश्यक फंड की उपलब्धता जरूरी है।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए जापान की टीम पंजाब पहुंची, ढोल-भंगड़े से भव्य स्वागत

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली



पंजाब में होने वाली एशियन चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर हॉकी प्रेमियों में उत्साह बढ़ने लगा है। टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए जापान की 18 सदस्यीय पुरुष हॉकी टीम शुक्रवार को शहीद भगत सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंची। यहां खेल विभाग के अधिकारियों ने खिलाड़ियों का पारंपरिक पंजाबी अंदाज में स्वागत किया। ढोल की थाप पर भंगड़ा डालकर और मालाएं पहनाकर जापानी खिलाड़ियों का अभिनंदन किया गया।

जापान की टीम ने मेजबानों के स्वागत और गर्मजोशी के लिए आभार जताया। खिलाड़ियों ने पंजाब में खेलने को लेकर खुशी जाहिर की। हॉकी के प्रति पंजाब के जुनून और खेल संस्कृति को देखते हुए टीम के सदस्यों में प्रतियोगिता को लेकर उत्साह नजर आया।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक जालंधर और मोहाली में किया जाएगा। टूर्नामेंट का आगाज जालंधर के ओलंपियन सुरजीत हॉकी स्टेडियम में होगा, जबकि फाइनल मुकाबला 5 नवंबर को मोहाली के ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा।

प्रतियोगिता में भारत और जापान के अलावा दक्षिण कोरिया, चीन, मलेशिया और बांग्लादेश की टीमें हिस्सा लेंगी। आयोजन को सफल बनाने के लिए खिलाड़ियों के ठहरने, अभ्यास, आवागमन और सुरक्षा से संबंधित व्यवस्थाएं की जा रही हैं। पंजाब सरकार की ओर से टीमों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की तैयारी है।

जापान की 18 सदस्यीय टीम में यामादा शोटा, तनाका सेरेन, वातानाबे जून, मात्सुमोतो काजूमासा, नागाई युमा, यामाशिता मनाबू, फुजीशिमा राइकी, नागायोशी केन, सैतो हीरो, काशिवागी रेन, तनाका सुबासा, ओका रयोमा, कावामुरा यूसुके, कुरोदा किशो, यामानाका मोटोया, ओचाई हारुकी, कितागावा ताकुमी और फुकुदा केंटारो शामिल हैं। फुजीशिमा राइकी टीम के कप्तान हैं, जबकि कुरोदा किशो और कितागावा ताकुमी गोलकीपर की भूमिका निभाएंगे।

मूसेवाला के नाबालिग भाई को खतरे की आशंका, परिवार की सुरक्षा बढ़ाने की मांग

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



दिवंगत पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला के परिवार की सुरक्षा बढ़ाने की मांग उठी है। सुप्रीम कोर्ट और पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के वकील तथा काउंसिल ऑफ लॉयर्स के चेयरमैन वासु रंजन ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर मूसेवाला के माता-पिता बलकौर सिंह और चरण कौर सहित उनके नाबालिग छोटे भाई को जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा देने का अनुरोध किया है। उन्होंने परिवार पर संभावित खतरे को देखते हुए खुफिया एजेंसियों से तत्काल सुरक्षा आकलन कराने की मांग भी की है।

गृह मंत्री को भेजे गए पत्र में वासु रंजन ने याद दिलाया कि 29 मई 2022 को सिद्धू मूसेवाला की हत्या कर दी गई थी। वकील के अनुसार, हाल ही में उन्होंने एक वीडियो देखा, जिसमें कथित तौर पर मूसेवाला के नाबालिग छोटे भाई को कनाडा में एक मंच पर देखा गया। उन्होंने आशंका जताई कि सिद्धू मूसेवाला की विरासत से जुड़ी बच्चे की सार्वजनिक पहचान के कारण गैंगस्टर या आपराधिक तत्व उनके परिवार को निशाना बनाने की कोशिश कर सकते हैं। हालांकि, पत्र में किसी विशिष्ट धमकी या हमले की पुष्टि नहीं की गई है।

वासु रंजन ने परिवार को जेड प्लस सुरक्षा देने पर विचार करने का आग्रह किया है। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था में प्रशिक्षित सशस्त्र कमांडो, करीबी सुरक्षा कर्मियों, सुरक्षा जैमर, अग्रिम सुरक्षा प्रबंध और विभिन्न राज्यों की सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय शामिल करने की मांग की है। इसके अलावा, परिवार की विदेश यात्राओं के दौरान भी सुरक्षा एजेंसियों के बीच उचित तालमेल बनाए रखने का अनुरोध किया गया है।

वकील ने केंद्रीय गृह मंत्री से व्यक्तिगत मुलाकात के लिए जल्द समय देने की मांग की है, ताकि वह परिवार की सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं को सीधे उनके सामने रख सकें। पत्र की एक प्रति इंटेलिजेंस ब्यूरो के निदेशक को भी भेजी गई है।

उन्होंने गृह मंत्रालय से खुफिया ब्यूरो और संबंधित अधिकारियों को तत्काल खतरे का आकलन करने तथा जरूरत के अनुसार निवारक कदम उठाने के निर्देश देने का आग्रह किया है।

वासु रंजन ने कहा कि बच्चे और परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समय रहते एहतियाती कदम उठाना जरूरी है। फिलहाल यह मांग वकील की ओर से जताई गई आशंका पर आधारित है। परिवार को जेड प्लस सुरक्षा देने के संबंध में किसी आधिकारिक निर्णय की जानकारी पत्र में नहीं दी गई है।

7 लाख टन डीएपी की मांग, 5.33 लाख की आपूर्ति; विधानसभा में मचा घमासान

पंजाब में डीएपी संकट पर सियासी संग्राम किसानों की खाद आपूर्ति पर उठे सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



पंजाब विधानसभा में शुक्रवार को डीएपी खाद की उपलब्धता को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस हुई। किसानों को खाद की पर्याप्त आपूर्ति और खाद के साथ दूसरे उत्पादों की टैगिंग का मुद्दा उठने पर सदन में शोर-शराबा होता रहा। विपक्षी विधायकों की नारेबाजी के बीच विधानसभा अध्यक्ष को बार-बार सदस्यों को अपनी सीटों पर बैठने और कृषि मंत्री का जवाब सुनने के निर्देश देने पड़े। इस दौरान स्पीकर ने विपक्ष पर टिप्पणी करते हुए कहा कि इन्हें खबरें छपवानी हैं।

विधायक राणा इंद्र प्रताप ने सदन में डीएपी खाद की उपलब्धता का मुद्दा उठाया। इसके जवाब में कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने बताया कि वर्ष 2026-27 के लिए पंजाब में सात लाख मीट्रिक टन डीएपी की मांग का अनुमान लगाया गया है। सरकारी और निजी एजेंसियों के माध्यम से अब तक 5.33 लाख मीट्रिक टन डीएपी किसानों को उपलब्ध कराई गई है।

मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी बताया कि डीएपी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार के साथ लगातार संपर्क किया जा रहा है।

खुड्डियां ने सदन में बताया कि डीएपी की आपूर्ति बढ़ाने के लिए केंद्रीय उर्वरक मंत्री को पत्र लिखे गए हैं। मुख्यमंत्री की ओर से भी केंद्र सरकार के सामने यह मामला उठाया गया है। मंत्री ने कहा कि खाद की बिक्री में अनियमितताओं की शिकायतों पर एफआईआर दर्ज की गई हैं। कुछ मामलों में लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई भी की गई है। उन्होंने विधायकों से आग्रह किया कि यदि उनके निर्वाचन क्षेत्रों में खाद की कमी या बिक्री में गड़बड़ी की शिकायत मिले तो संबंधित कृषि अधिकारियों को इसकी जानकारी दें, ताकि उचित कार्रवाई की जा सके।

राणा इंद्र प्रताप ने पूरक सवाल उठाते हुए पूछा कि सात लाख मीट्रिक टन की अनुमानित मांग के मुकाबले शेष डीएपी की उपलब्धता कैसे सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने खाद के साथ नैनो यूरिया और यूरिया जैसे दूसरे उत्पादों की टैगिंग का मुद्दा उठाते हुए इसकी मात्रा का ब्योरा भी मांगा।

विधायक ने पोटाश को घुलनशील बनाने वाले बैक्टीरिया सहित अन्य विकल्पों का उल्लेख किया। उनका कहना था कि ऐसे विकल्पों के इस्तेमाल से डीएपी की खपत में 30 से 40 प्रतिशत तक कमी लाई जा सकती है। उन्होंने इस दिशा में संभावनाओं पर भी जानकारी मांगी। कृषि मंत्री के जवाब के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्य अपनी-अपनी जगह से बोलते रहे, जिससे सदन की कार्यवाही प्रभावित हुई। स्पीकर ने दोनों पक्षों के विधायकों से सदन की मर्यादा बनाए रखने और मंत्री को जवाब पूरा करने देने की अपील की।

पंजाब में नशीली दवाओं पर बड़ी कार्रवाई, सप्लायरों तक पहुंचना चुनौती

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब में मेडिकल नशे के कारोबार पर लगाम लगाना सरकार और जांच एजेंसियों के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाओं का नशे के लिए दुरुपयोग रोकने के लिए कार्रवाई की जा रही है, लेकिन सप्लाई चेन तोड़ने के लिए बड़े सप्लायरों तक पहुंचना जरूरी है।

पंजाब के फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, 1 अप्रैल 2025 से 30 सितंबर 2026 तक 16,788 निरीक्षण किए गए। इस दौरान 214 लाइसेंस प्राप्त और बिना लाइसेंस वाली फर्मों से 20.64 करोड़ रुपये से अधिक की दवाएं जब्त की गईं। विभाग ने 520 केमिस्टों के लाइसेंस निलंबित और 22 के रद्द किए। इसके अलावा 54 अदालती मामले शुरू हुए, जबकि 35 मामलों में दोषसिद्धि और जुर्माने की कार्रवाई हुई। जिला अदालतों में 650 मामले लंबित हैं।

कई दवाओं का वैध चिकित्सकीय उपयोग होता है, लेकिन उनका दुरुपयोग नशे के लिए किया जा सकता है। ऐसे मामलों में दवाओं के स्रोत, खरीद-बिक्री के रिकॉर्ड, बैच नंबर और परिवहन संबंधी दस्तावेजों की जांच जरूरी होती है। दूसरे राज्यों से आने वाली खेप और ऑनलाइन बिक्री की निगरानी भी चुनौती है।



◆ 20 करोड़ की दवाएं जब्त 520 केमिस्टों के लाइसेंस निलंबित, सप्लाई चेन तोड़ना चुनौती

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह के अनुसार, राज्य सरकार ने केंद्र से दवाओं के नियमन और ई-फार्मेसी पर नियंत्रण के मुद्दे उठाए हैं। सरकार ने आठ तरह के दवा फॉर्मूलेशन के स्टॉक और बिक्री पर भी प्रतिबंध लगाए हैं। प्रेगाबालिन को शेड्यूल एच1 में शामिल करने संबंधी अधिसूचना 12 नवंबर 2026 से लागू होनी है।

सितंबर 2024 में ड्रग इंस्पेक्टर शिशन मित्तल को कथित अवैध दवा कारोबार से जुड़े मामले में गिरफ्तार किया गया था। वहीं, ड्रग अधिकारी नेहा शौरी की 2019 में हत्या हुई थी।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ पंजाब विधानसभा में प्रस्ताव पेश

मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों की जांच की मांग, एनडीए सहयोगियों पर भी उठे सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



पंजाब विधानसभा में स्पीकर कुलतार सिंह संधवां और सदन में पहुंचे मुख्यमंत्री मान।

पंजाब विधानसभा में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रस्ताव पेश किए जाने के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया। आम आदमी पार्टी (आप) ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठाते हुए निष्पक्ष जांच और चुनाव आयोग की जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग की। इस दौरान आप विधायकों ने भाजपा के साथ-साथ केंद्र की एनडीए सरकार को समर्थन दे रहे सहयोगी दलों की भूमिका पर भी सवाल उठाए।

पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने सदन में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रस्ताव पेश किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान का अधिकार, चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता बेहद जरूरी हैं। मतदाता सूचियों से पात्र नागरिकों के नाम हटाए जाने की शिकायतों की स्वतंत्र जांच होनी चाहिए, ताकि किसी भी योग्य मतदाता को अपने संवैधानिक अधिकार से वंचित न होना पड़े।

चीमा ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र संविधान में निहित समानता, न्याय और जनता की सर्वोच्चता के सिद्धांतों पर आधारित है। उन्होंने डॉ. भीमराव आंबेडकर के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि मतदान का अधिकार समाज के गरीब, वंचित और कमजोर वर्गों तक पहुंचाना लोकतांत्रिक व्यवस्था की महत्वपूर्ण उपलब्धि रही है।

चीमा ने आरोप लगाया कि मतदाता सूचियों से नाम हटाए जाने की शिकायतों से गरीबों, दलितों और अल्पसंख्यकों के मतदान अधिकार प्रभावित होने की आशंका है। उन्होंने कहा कि ऐसी शिकायतों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए।

वित्त मंत्री ने कथित फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ मामलों में बूथ लेवल अधिकारियों के सामने गलत दावे पेश करके पात्र मतदाताओं के नाम हटवाने की कोशिश की जाती है।

उन्होंने दिल्ली में करीब 40 हजार वोट कम होने का उल्लेख करते हुए आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल का भी संदर्भ दिया। ये आरोप सदन में रखे गए दावे हैं, जिनकी स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है।

सदन में आप विधायक इंद्रजीत कौर और मनुके ने भाजपा को समर्थन दे रहे एनडीए के सहयोगी दलों की जिम्मेदारी पर सवाल उठाए। उन्होंने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का नाम लेते हुए कहा कि मतदाता सूची से जुड़े विवादों पर सहयोगी दलों को भी अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए।

आप विधायकों ने तर्क दिया कि केंद्र सरकार को समर्थन देने वाले दलों की भी जिम्मेदारी है कि चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता और मतदाताओं के अधिकारों से जुड़े सवालों पर जवाबदेही सुनिश्चित हो।

प्रस्ताव में मुख्य चुनाव आयुक्त के नेतृत्व में चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूचियों से जुड़े फैसलों की जांच के लिए स्वतंत्र, निष्पक्ष और विश्वसनीय व्यवस्था स्थापित करने की मांग की गई। साथ ही, जांच में अपराध के पर्याप्त सबूत मिलने पर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई करने की बात कही गई।

प्रस्ताव की प्रति राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्य चुनाव आयुक्त को भेजने की मांग भी रखी गई। इस घटनाक्रम के बाद मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण, चुनाव आयोग की जवाबदेही और पात्र नागरिकों के मतदान अधिकारों को लेकर राजनीतिक बहस तेज हो गई है।

पंजाब में पराली जलाने के 421 मामले चंडीगढ़ की हवा पर प्रदूषण का खतरा

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं में तेजी से वायु प्रदूषण को लेकर चिंता बढ़ने लगी है। पंजाब विश्वविद्यालय (पीयू) और पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआई) की संयुक्त रिपोर्ट के अनुसार, 18 अक्टूबर तक दोनों राज्यों में पराली जलाने के कुल 599 मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें पंजाब में 421 और हरियाणा में 178 घटनाएं सामने आई हैं। पंजाब में पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले पराली जलाने के मामलों में 14.71 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि हरियाणा में 29.08 प्रतिशत की कमी आई है।

पराली जलाने की घटनाओं पर अंकुश लगाने और सटीक आंकड़े जुटाने के लिए अब सैटेलाइट के साथ ड्रोन तकनीक का भी इस्तेमाल किया जाएगा। केंद्र सरकार की संस्था कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) पंजाब के पटियाला जिले से ड्रोन निगरानी का पायलट प्रोजेक्ट शुरू करेगी। इसके बाद संगरूर, तरनतारन, फिरोजपुर, मुक्तसर और बठिंडा समेत अन्य जिलों में भी निगरानी की जाएगी। हरियाणा में करनाल से इसकी शुरुआत किए जाने की संभावना है। अक्टूबर के दौरान आयोग की टीमें पंजाब में मौके पर पहुंचकर घटनाओं की निगरानी और समीक्षा कर रही हैं। ड्रोन संचालन के लिए विशेष टीमें भी गठित की जाएंगी।

पीयू और पीजीआई की संयुक्त टीम अब तक सैटेलाइट डेटा के जरिए प्रतिदिन पराली जलाने की घटनाओं पर नजर रख रही थी। हालांकि, विशेषज्ञों के अनुसार, रात के समय होने वाली आगजनी को सैटेलाइट से ट्रैक करने में कठिनाई आती है। ऐसे में ड्रोन निगरानी से घटनाओं की पहचान और आंकड़ों की सटीकता बेहतर होने की उम्मीद है।

पंजाब और हरियाणा में पराली जलने से उठने वाला धुआं चंडीगढ़ की वायु गुणवत्ता को प्रभावित कर सकता है। विशेषज्ञों ने आशंका जताई है कि पराली और दिवाली के पटाखों से निकलने वाले धुएं के कारण शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 300 के पार पहुंच सकता है।

बच्चों और बुजुर्गों को ज्यादा खतरा

पराली के धुएं में मौजूद प्रदूषक आंखों में जलन, गले में खराश और सांस लेने में परेशानी बढ़ा सकते हैं। बच्चों, बुजुर्गों और पहले से सांस संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। हालांकि, वर्ष 2012 से 2025 की तुलना में पराली जलाने की घटनाओं में पंजाब में 89.59 प्रतिशत और हरियाणा में 88.34 प्रतिशत कमी दर्ज की गई है। इसके बावजूद अक्टूबर के मध्य में बढ़े मामलों ने पराली प्रबंधन को लेकर नई चिंता पैदा कर दी है।

गुलमर्ग-उड़ी को जोड़ेगी नई सड़क, कश्मीर में पर्यटन और रोजगार का होगा विस्तार

बीआरओ बनाएगा सड़क, हपथ खाई नाले के पास बनेंगे नए टूरिस्ट हट्स

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर

उत्तरी कश्मीर में पर्यटन और कनेक्टिविटी को एक नया आयाम देने की तैयारी शुरू हो चुकी है। विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गुलमर्ग को सीमावर्ती उड़ी क्षेत्र से जोड़ने के लिए एक नई और महत्वपूर्ण सड़क मार्ग के निर्माण की योजना सामने आई है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत यह नया मार्ग बोनियार के खूबसूरत इलाकों जैसे बनाली और त्रिकांजन से होकर गुजरेगा। इस सड़क के बनने से नियंत्रण रेखा (रूश्ट) के पास स्थित दूरदराज के गांवों तक पहुंच न केवल बेहद आसान हो जाएगी, बल्कि क्षेत्र के अद्भुत प्राकृतिक नजारों, ऐतिहासिक धरोहरों और प्रमुख धार्मिक स्थलों को भी वैश्विक पर्यटन के बड़े नक्शे पर एक नई पहचान मिलने की पूरी उम्मीद है।

इस महत्वपूर्ण परियोजना की जानकारी उड़ी के विधायक डॉ. सज्जाद शफी ने खुद साझा की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस प्रस्तावित सड़क का निर्माण कार्य सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा कराया जाएगा। इस सिलसिले में परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) पहले ही तैयार की जा चुकी है और अधिकारियों के अनुसार अगले साल से इसका निर्माण कार्य धरातल पर शुरू होने की पूरी संभावना है। हालांकि, सड़क की कुल लंबाई, इसके निर्माण पर आने वाली अनुमानित कुल लागत और इसकी निश्चित समयसीमा को लेकर अभी आधिकारिक और विस्तृत आंकड़े सामने आना बाकी हैं, लेकिन इस शुरुआती प्रक्रिया से स्थानीय लोगों और पर्यटकों में भारी उत्साह देखा जा रहा है।



हपथ खाई नाले के पास टूरिस्ट हट्स और रोजगार के नए अवसर

गुलमर्ग पहले से ही अपनी बर्फ से ढकी वादियों और विश्वस्तरीय सुंदरता के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है, वहीं उड़ी और बोनियार का क्षेत्र भी प्राकृतिक सौंदर्य, धार्मिक आस्था और ऐतिहासिक विरासत से भरपूर है। यह नया सड़क मार्ग दोनों प्रतिष्ठित क्षेत्रों के बीच आपसी संपर्क को बहुत मजबूत करेगा। इसके अलावा, बनाली और त्रिकांजन जैसे रास्तों से गुजरने के कारण स्थानीय निवासियों के लिए आवागमन तो सुगम होगा ही, साथ ही पर्यटन आधारित रोजगार के भी नए द्वार खुलेंगे। सरकार की योजना बोनियार में 'हपथ खाई नाले' के किनारे आधुनिक टूरिस्ट हट्स बनाने की भी है, जिससे यहां आने वाले पर्यटकों को ठहरने के बेहतरीन विकल्प मिल सकेंगे।

मंदिरों से लेकर झरनों तक, इन प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों को मिलेगी विशेष पहचान

डॉ. सज्जाद शफी ने उड़ी-बोनियार क्षेत्र की अपार पर्यटन संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए कई महत्वपूर्ण स्थलों का जिक्र किया है, जिन्हें विकसित करके एक नया और आकर्षक पर्यटन सर्किट बनाया जा सकता है। इनमें ऐतिहासिक पांडो मंदिर, पवित्र छटी पादशाही गुरुद्वारा, ऐतिहासिक कमान पोस्ट, बाबा फरीद की प्रसिद्ध दरगाह, खूबसूरत लिम्बर झरना और रुस्तम पीर बाबा की दरगाह मुख्य रूप से शामिल हैं। इन सभी स्थलों की अपनी अनूठी विशेषताएं हैं, जहां पर्यटकों को प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ धार्मिक और ऐतिहासिक विविधता का अनूठा संगम देखने को मिलता है। यदि इस मार्ग पर बेहतर सड़क संपर्क और आवश्यक सुविधाएं विकसित हो जाती हैं, तो यह क्षेत्र पर्यटकों का मुख्य केंद्र बन जाएगा।

लद्दाख में पहली बार पंचायत चुनाव, वांगचुक ने पारदर्शिता पर उठाए सवाल

लद्दाख पंचायत चुनाव पर सोनम वांगचुक ने उठाए लोकतंत्र से जुड़े सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, जम्मू

केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख में पहली बार पंचायत चुनाव होने जा रहे हैं। लद्दाख राज्य चुनाव आयोग ने सभी ग्राम पंचायतों के लिए 21 नवंबर को मतदान कराने की घोषणा की है। चुनाव की औपचारिक अधिसूचना अगले सप्ताह जारी की जाएगी। पूरी चुनाव प्रक्रिया और नतीजों की घोषणा 30 नवंबर से पहले पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है।

गौरतलब है कि वर्ष 2019 में लद्दाख के केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद यहां पहली बार पंचायत चुनाव आयोजित किए जा रहे हैं। इन चुनावों को लेकर पर्यावरणविद सोनम वांगचुक ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए चुनावी प्रक्रिया, लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व और राजनीतिक दलों की जवाबदेही पर सवाल उठाए हैं।

जब सोनम वांगचुक से पूछा गया कि लद्दाख के लोग पंचायत चुनाव का समर्थन करेंगे या बहिष्कार, तो उन्होंने कहा कि जनता पर कोई फैसला थोपा नहीं जाना चाहिए। यदि लोगों को लगता है कि चुनावी प्रक्रिया के माध्यम से लोकतंत्र को मजबूत किया जा सकता है, तो उन्हें चुनाव में भाग लेना चाहिए।

हालांकि, उन्होंने पैसे बांटकर पसंदीदा उम्मीदवारों को जिताने की कथित प्रथा पर आपत्ति जताई। वांगचुक के अनुसार, यदि चुनाव में धन के प्रभाव से प्रतिनिधि चुने जाते हैं, तो उनके वास्तविक जनप्रतिनिधि होने पर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में जनता की आवाज और भागीदारी का महत्व कम हो सकता है।



◆ लद्दाख पंचायत चुनाव में चुनावी वादों पर वांगचुक का जोर।

सोनम वांगचुक ने कहा कि लद्दाख में लोगों के अधिकारों और लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व से जुड़े मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई जगह जनता से किए गए राजनीतिक वादे पूरे नहीं होते, जिससे लोगों का भरोसा प्रभावित होता है।

उनका कहना है कि केवल चुनाव कराना ही पर्याप्त नहीं है। राजनीतिक दलों को चुनाव के दौरान किए गए वादों को पूरा करने के लिए भी जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। यदि लिखित चुनावी वादों का पालन नहीं होता, तो चुनावों का उद्देश्य कमजोर पड़ सकता है।

वांगचुक ने चुनावी व्यवस्था में पारदर्शिता और जनता के प्रति जवाबदेही को महत्वपूर्ण बताया। उनके अनुसार, लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रतिनिधियों का चयन निष्पक्ष तरीके से होना चाहिए और उनके फैसलों में जनता के हितों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

लद्दाख में पहली बार होने जा रहे पंचायत चुनावों के बीच वांगचुक की टिप्पणियों ने चुनावी पारदर्शिता, धन के प्रभाव और राजनीतिक वादों के पालन जैसे मुद्दों को चर्चा में ला दिया है।

कश्मीर में न्यूनतम तापमान गिरेगा, किसानों को कटाई जारी रखने की सलाह

कश्मीर में अक्तूबर अंत तक मौसम शुष्क रहेगा सुबह-शाम ठंड बढ़ेगी, हल्की बारिश संभव

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर

कश्मीर घाटी में अक्टूबर के अंत तक मौसम सामान्यत: शुष्क रहने की संभावना है। हालांकि, अगले दो दिनों में उत्तरी, मध्य और दक्षिणी कश्मीर के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के निदेशक मुख्तार अहमद ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।



मुख्तार अहमद के अनुसार, शुक्रवार को उत्तरी और मध्य कश्मीर के कुछ जिलों के साथ दक्षिणी कश्मीर के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश होने की संभावना है। शनिवार दोपहर के आसपास घाटी के ऊंचाई वाले इलाकों में भी हल्की बारिश हो सकती है। इसके बाद अक्टूबर के शेष दिनों में मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहने का अनुमान है।

मौसम विभाग के निदेशक ने बताया कि कश्मीर घाटी में तापमान में धीरे-धीरे गिरावट दर्ज की जा रही है। खासकर न्यूनतम तापमान कम होने से सुबह और शाम के समय ठंडक बढ़ने लगी है। आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट आने की संभावना है।

हालांकि, दिन का तापमान फिलहाल सामान्य से एक से दो डिग्री सेल्सियस अधिक बना हुआ है। मौसम विभाग के मुताबिक, यह स्थिति आगे भी जारी रह सकती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि फिलहाल तापमान में अचानक भारी गिरावट आने या जल्द कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना नहीं है। घाटी में सर्दी धीरे-धीरे बढ़ेगी।

मौसम विभाग ने मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए किसानों को कटाई का काम जारी रखने की सलाह दी है। सामान्यत: शुष्क मौसम कृषि गतिविधियों के लिए अनुकूल रहने की उम्मीद है।

वहीं, घाटी में यात्रा करने वाले लोगों को भी अपनी यात्राएं जारी रखने की सलाह दी गई है। हालांकि, यात्रियों से कहा गया है कि वे यात्रा शुरू करने से पहले यातायात विभाग की ओर से जारी ताजा सलाह जरूर देख लें, ताकि रास्तों की स्थिति और संभावित बाधाओं की जानकारी मिल सके।

कुल मिलाकर, कश्मीर में अक्टूबर के बाकी दिनों में मौसम सामान्यत: शुष्क रहने का अनुमान है। हल्की बारिश की संभावना के बीच सुबह और शाम की ठंड बढ़ेगी, जबकि तापमान में अचानक बड़ी गिरावट के आसार फिलहाल नहीं हैं।

जेकेबीओएसई का नया आदेश: प्राइवेट और अर्धवार्षिक छात्र देंगे नियमित परीक्षा

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन (छ्यज्ञह्लस्श्च) ने छात्रों के शैक्षणिक हित में एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी निर्णय लिया है। बोर्ड ने घोषणा की है कि जो छात्र निजी (प्राइवेट) या अर्धवार्षिक (बाय-एनुअल) परीक्षाओं में सफलता हासिल करेंगे, उन्हें अब आगामी वार्षिक नियमित परीक्षा में बैठने की आधिकारिक अनुमति दे दी गई है। यह नीति छात्रों के भविष्य को सुरक्षित करने और उनकी पढ़ाई में निरंतरता बनाए रखने के उद्देश्य से लाई गई है।

इस नए बदलाव के तहत, यदि कोई छात्र इन परीक्षाओं को पास कर लेता है, तो संबंधित विद्यालयों की यह जिम्मेदारी होगी कि वे उसे तुरंत अगली कक्षा में प्रवेश दें। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि यदि पहले किसी नियम या प्रक्रियात्मक प्रतिबंध के कारण छात्र नियमित पाठ्यक्रम में प्रवेश नहीं पा सके थे, तो उन सभी बाधाओं को अब पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया है।

इस महत्वपूर्ण निर्णय से उन हजारों विद्यार्थियों को राहत मिलेगी जो परीक्षा उत्तीर्ण करने के बावजूद कागजी कार्रवाई या नियमों के फेर में अपनी आगे की पढ़ाई को लेकर असमंजस में रहते थे। अब वे बिना किसी अकादमिक नुकसान या अंतराल के सीधे मुख्य शिक्षा प्रणाली का हिस्सा बन सकेंगे और अपनी पढ़ाई को निर्बाध रूप से जारी रख पाएंगे।

जेकेबीओएसई के इस कदम का शिक्षाविदों, अभिभावकों और छात्रों द्वारा स्वागत किया जा रहा है। बोर्ड ने सभी मान्यता प्राप्त विद्यालयों को निर्देश दिए हैं कि वे इस प्रक्रिया को जल्द से जल्द और बिना किसी जटिलता के लागू करें, ताकि कोई भी योग्य छात्र इस सुविधा से वंचित न रह सके।

पुलवामा के पेंसिल विलेज को गुणवत्ता मानकों से मिलेगी राष्ट्रीय बाजार में नई पहचान

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले का ऊखू गांव देश में पेंसिल निर्माण की आपूर्ति श्रृंखला का महत्वपूर्ण केंद्र है। यहां पॉपलर की लकड़ी से पेंसिल बनाने में इस्तेमाल होने वाली पतली पट्टियां तैयार की जाती हैं। इसी कारण इसे 'पेंसिल विलेज ऑफ इंडिया' के नाम से पहचान मिली है।

बताया जाता है कि देश की पेंसिल आपूर्ति श्रृंखला में इस गांव की हिस्सेदारी लगभग 80 प्रतिशत तक है। यहां के कारीगरों और उद्यमियों का काम देश के प्रमुख पेंसिल ब्रांडों से जुड़ा हुआ है। स्थानीय उद्योग क्षेत्र की अर्थव्यवस्था और रोजगार में भी योगदान देता है।

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआइएस) के जम्मू-कश्मीर शाखा कार्यालय ने पेंसिल स्लैट निर्माताओं के साथ बैठक की। इसमें गुणवत्ता मानकों, उत्पाद प्रमाणन और निर्धारित नियमों के अनुपालन पर चर्चा की गई। पेंसिल स्लैट्स के लिए भारतीय मानक आईएस 3084 का भी उल्लेख किया गया। मानकों का पालन करने से उत्पादों की गुणवत्ता में निरंतरता बनाए रखने और बाजार में कारोबार की विश्वसनीयता बढ़ाने में मदद मिल सकती है। इससे स्थानीय इकाइयों को राष्ट्रीय बाजार में अपनी पहचान मजबूत करने का अवसर मिलेगा।

कच्चे माल की कमी बड़ी चुनौती



इस उद्योग के सामने पॉपलर की लकड़ी की कमी और बढ़ती लागत जैसी समस्याएं भी हैं। कच्चे माल की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करना उद्योग के विस्तार के लिए आवश्यक है। इसके साथ आधुनिक मशीनरी, तकनीकी सहयोग और बेहतर औद्योगिक सुविधाओं की जरूरत है। पुलवामा के उद्योग के लिए आगे की महत्वपूर्ण संभावना केवल पेंसिल बनाने वाली कंपनियों को लकड़ी की पट्टियां उपलब्ध कराने तक सीमित न रहकर तैयार पेंसिल निर्माण में हिस्सेदारी बढ़ाना है। इसके लिए निवेश, कुशल श्रमिकों और बाजार तक बेहतर पहुंच जरूरी होगी। गुणवत्ता सुधार, कच्चे माल की उपलब्धता और सरकारी सहयोग से ऊखू गांव का पेंसिल उद्योग रोजगार के नए अवसर पैदा कर सकता है और कश्मीर की औद्योगिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत बना सकता है।

करवाचौथ पर जम्मू के बाजार गुलजार, खरीदारी बढ़ी, फेनी-कतलम और दीयों की मांग तेज

भारतेन्दु संवाददाता, जम्मू। करवाचौथ और दीपावली के त्योहारों को लेकर जम्मू के बाजारों में रौनक बढ़ गई है। महिलाएं और युवतियां करवाचौथ की तैयारियों के लिए करवा, चूड़ियां, ज्वैलरी, कपड़े और श्रृंगार सामग्री की खरीदारी कर रही हैं। पुरानी मंडी, लिंक रोड, पक्का डंगा, राजतिलक रोड और पटेल बाजार में दिनभर ग्राहकों की भीड़ देखने को मिल रही है।

करवाचौथ का त्योहार नजदीक आने के कारण दुकानदारों के कारोबार में तेजी आई है। चूड़ियों और श्रृंगार सामग्री की दुकानों पर विशेष चहल-पहल है। महिलाएं अपनी पसंद के कपड़े और आभूषण खरीदने के साथ ब्यूटी पार्लरों में भी पहले से बुकिंग करा रही हैं।

करवाचौथ और दीपावली को देखते हुए पुरानी मंडी चौक में मिट्टी के करवे और रंग-बिरंगे दीयों के स्टाल सज गए हैं। कारीगर आकर्षक डिजाइन वाले दीये तैयार कर रहे हैं। पूजा-पाठ में मिट्टी के दीयों के महत्व के कारण इनकी बिक्री भी बढ़ रही है।

दीपावली के लिए बाजारों में रंग-बिरंगी लाइटों और एलईडी लड़ियों की दुकानें भी सज गई हैं। इस बार प्रोफाइल लाइट और आधुनिक रोशनी वाले सजावटी उत्पाद लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। अधिक रोशनी और आकर्षक डिजाइन के कारण महंगी एलईडी लाइटों की मांग भी बढ़ रही है।



करवाचौथ पर फेनी और कतलम की विशेष मांग रहती है। इसे देखते हुए जम्मू के हलवाई दिन-रात इन्हें तैयार करने में जुटे हैं। कारीगर त्योहार के दौरान बढ़ने वाली मांग को पूरा करने के लिए पहले से स्टॉक तैयार कर रहे हैं। फेनी-कतलम लंबे समय तक सुरक्षित रह सकते हैं, इसलिए दुकानदार इनकी पर्याप्त मात्रा में तैयारी कर रहे हैं।

हाईकोर्ट की मुख्य विंग जम्मू शिफ्ट, कर्मचारियों को मिलेगा 25 हजार भत्ता

भारतेन्दु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट की मुख्य विंग सर्दियों के लिए वार्षिक दरबार मूव के तहत श्रीनगर से जम्मू स्थानांतरित होगी। हाईकोर्ट प्रशासन के आदेश के अनुसार, श्रीनगर में मुख्य विंग 31 अक्टूबर को कार्यालय समय समाप्त होने के बाद बंद हो जाएगी। इसके बाद जम्मू में दो नवंबर को सुबह कार्यालय समय से कामकाज शुरू होगा। हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल एमके शर्मा ने 22 अक्टूबर को इस संबंध में आदेश जारी किया। मुख्य विंग के साथ कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक कार्यालय भी जम्मू स्थानांतरित किए जाएंगे। इनमें मुख्य न्यायाधीश के प्रधान सचिव का कार्यालय, रजिस्ट्रार विजिलेंस, जम्मू-कश्मीर ज्यूडिशियल अकादमी के निदेशक का कार्यालय, रजिस्ट्रार रूल्स, रजिस्ट्रार कंप्यूटर (आइटी) और सेंट्रल प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर (ई-कोर्ट्स) के कार्यालय शामिल हैं। दरबार मूव के तहत श्रीनगर से जम्मू आने वाले कर्मचारियों को 25 हजार रुपये की एकमुश्त विशेष यात्रा भत्ता राशि दी जाएगी। प्रशासनिक आदेश में स्पष्ट किया गया है कि जो कर्मचारी इस स्थानांतरण के तहत जम्मू नहीं आएंगे, वे इस विशेष भत्ते के पात्र नहीं होंगे। यह व्यवस्था कर्मचारियों को मौसमी स्थानांतरण के दौरान होने वाले यात्रा खर्च में सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है। हाईकोर्ट प्रशासन ने जम्मू विंग के रजिस्ट्रार ज्यूडिशियल को निर्देश दिए हैं कि दो नवंबर से पहले सभी चैंबर, अदालतें और रजिस्ट्री कार्यालय पूरी तरह तैयार कर कार्यशील बनाए जाएं। इसके अलावा सभी टेलीफोन कनेक्शन भी चालू रखने को कहा गया है, ताकि स्थानांतरण के बाद न्यायिक और प्रशासनिक कामकाज में बाधा न आए। आदेश के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश, रजिस्ट्रार जनरल और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों के नाम आधिकारिक पत्राचार 30 अक्टूबर तक श्रीनगर स्थित कार्यालय में प्राप्त किया जाएगा। इसके बाद पत्राचार जम्मू स्थित मुख्य विंग में स्वीकार किया जाएगा। दरबार मूव जम्मू-कश्मीर की पुरानी प्रशासनिक परंपरा है, जिसके तहत सर्दियों में कई प्रमुख सरकारी कार्यालय श्रीनगर से जम्मू स्थानांतरित किए जाते हैं। हाईकोर्ट की मुख्य विंग का स्थानांतरण भी इसी व्यवस्था का हिस्सा है।



स्कास्ट-के की पहल: भेड़-बकरी पालन से युवाओं को मिल रहा रोजगार

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर। कश्मीर के बेरोजगार और कम आय वाले युवाओं के लिए भेड़-बकरी पालन अब कमाई का एक टिकाऊ और लाभदायक जरिया बन रहा है। शुहामा (गांदरबल) स्थित शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (स्कास्ट-के) का 'माउंटेन रिसर्च सेंटर फॉर शीप एंड गोट' स्थानीय किसानों और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

यह सेंटर हर साल सितंबर-अक्टूबर के दौरान अपने फार्म में पाली गईं उन्नत नस्लों की खुली नीलामी आयोजित करता है। इस नीलामी का मुख्य उद्देश्य बेहतरीन नस्ल के पशुओं को सीधे किसानों और पंजीकृत ब्रीडरों तक पहुंचाना है। सेंटर प्रमुख डॉ. परवेज अहमद रेशी के अनुसार, इस साल नीलामी में 200 से 300 जानवर बिक्री के लिए उपलब्ध कराए गए हैं। फार्म में कोरिडेल, मेरिनो और पश्मीना बकरी जैसी कुल 16 उच्च गुणवत्ता वाली नस्लों का पालन किया जाता है। नीलामी की सूचना मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से किसानों तक पहुंचाई जाती है।

यह पहल युवाओं को कम लागत में अपना छोटा फार्म शुरू कर धीरे-धीरे उसे बढ़ाने का अवसर देती है। पशु बिक्री के साथ-साथ सेंटर किसानों को आधुनिक पशु प्रबंधन, स्वास्थ्य देखभाल, चारा और प्रजनन का तकनीकी प्रशिक्षण भी प्रदान करता है। वर्तमान में करीब 20,000 किसान इस सेंटर से जुड़कर विशेषज्ञ सलाह का लाभ उठा रहे हैं।

जम्मू में बंदरों के आतंक से लोग परेशान

जम्मू में बंदरों का आतंक बढ़ा, नगर निगम और वन्यजीव विभाग पर उठे सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, जम्मू

मंदिरों के शहर जम्मू में बंदरों का आतंक लगातार बढ़ रहा है। शहर की गलियों, बाजारों और घरों की छतों पर बंदरों के झुंड लोगों के लिए परेशानी का कारण बने हुए हैं। बंदर राहगीरों पर झपटने, सामान छीनने और घरों में घुसकर तोड़फोड़ करने जैसी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। इससे बच्चे और बुजुर्ग भी भयभीत हैं।

कच्ची छावनी, पक्का डंगा, मुबारक मंडी, जैन बाजार, बाहू फोर्ट, राजीव नगर, न्यू प्लाट, रिहाड़ी, जानीपुर और रूपनगर सहित कई इलाकों में बंदरों का आतंक देखा जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि समस्या के समाधान के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं।

बंदरों की समस्या से निपटने के लिए जम्मू नगर निगम और वन्यजीव संरक्षण विभाग के बीच जिम्मेदारी को लेकर असमंजस बना हुआ है। नगर निगम इसे वन्यजीव विभाग के अधिकार क्षेत्र का मामला बताता है, जबकि वन्यजीव विभाग सीमित कर्मचारियों और संसाधनों की कमी का हवाला देता है।

शहर में बंदरों को पकड़ने के लिए प्रशिक्षित कर्मचारियों की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। इसके अलावा आधुनिक वाहन, ट्रैंकुलाइजर गन और जरूरी उपकरणों की भी कमी बताई जा रही है। दोनों विभागों के बीच समन्वय की कमी के कारण लोगों को राहत नहीं मिल पा रही है।

वर्तमान में बंदरों को पकड़ने के लिए पारंपरिक पिंजरों में चने और केले रखे जाते हैं। पकड़े गए बंदरों को बिना टैगिंग और नसबंदी के जंगलों में छोड़ दिया जाता है। शहरी क्षेत्रों में भोजन और कचरे की उपलब्धता के कारण बंदर कुछ समय बाद फिर बस्तियों में लौट आते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, जम्मू संभाग के स्वास्थ्य केंद्रों और सरकारी मेडिकल कॉलेज में हर साल जानवरों के काटने के लगभग 1,500 से 2,000 से अधिक मामले दर्ज होते हैं। इनमें बंदरों के काटने की घटनाएं भी शामिल हैं।



बंदरों की बढ़ती संख्या को नियंत्रित करने के लिए वैज्ञानिक तरीके अपनाने की जरूरत है। पड़ोसी राज्य हिमाचल प्रदेश में बंदरों की आबादी नियंत्रित करने के लिए नसबंदी केंद्रों का मॉडल अपनाया गया है। जम्मू-कश्मीर में भी ऐसी व्यवस्था विकसित करने की मांग उठ रही है।

जम्मू नगर निगम के ज्वाइंट कमिश्नर कुलभूषण खजूरिया ने बताया कि बंदरों को पकड़ने का काम वन्यजीव विभाग देखता है। फिलहाल निगम के पास इसके लिए अलग व्यवस्था या निर्धारित बजट नहीं है।

विकास बीरवाह को विकास की सौगात, उमर अब्दुल्ला ने पांच नई परियोजनाओं की रखी आधारशिला

उमर अब्दुल्ला ने बीरवाह में 26 करोड़ के विकास कार्य किए शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को बडगाम जिले के बीरवाह का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने लगभग 26 करोड़ रुपये की लागत से पूरे किए गए विकास कार्यों का उद्घाटन किया और पांच नई परियोजनाओं की आधारशिला रखी। मुख्यमंत्री ने नाल-ए-सुखनाग पर नवनिर्मित पुल भी जनता को समर्पित किया। उन्होंने क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने और अधूरे विकास कार्यों को जल्द पूरा करने पर जोर दिया।

दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने वर्ष 2014 में बीरवाह के मतदाताओं से मिले समर्थन को याद किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों ने उन पर भरोसा जताया था, जिसे वह जीवनभर नहीं भूल सकते। वह आज भी यहां के लोगों के कर्जदार हैं और उनके विश्वास का बदला विकास कार्यों के माध्यम से चुकाते रहेंगे।

◆ बीरवाह में बिजली सुधार, ट्रांसफार्मर कार्यशाला और नदी तट सौंदर्यीकरण को मिलेगी गति।

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के प्रत्येक क्षेत्र में विकास सुनिश्चित करना उनकी सरकार की प्राथमिकता है। बीरवाह का दौरा भी इसी उद्देश्य से किया गया है, ताकि स्थानीय लोगों की समस्याओं का समाधान हो सके और विकास योजनाओं को गति मिले।

मुख्यमंत्री ने क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बेहतर बनाने के लिए नए रिसीविंग स्टेशन की आधारशिला रखी। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह स्टेशन अगले चार से पांच महीनों में चालू हो जाएगा। इसके शुरू होने से क्षेत्र में बिजली व्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

सर्दियों के दौरान खराब होने वाले ट्रांसफार्मरों की मरम्मत में देरी की समस्या दूर करने के लिए स्थानीय स्तर पर ट्रांसफार्मर मरम्मत कार्यशाला स्थापित करने की योजना भी बनाई जा रही है। इससे खराब ट्रांसफार्मरों को ठीक करने में लगने वाला समय कम करने में मदद मिल सकती है।



मुख्यमंत्री ने नाल-ए-सुखनाग पर बने नए पुल को जनता को समर्पित किया। इसके साथ ही नदी तट के सौंदर्यीकरण की योजनाओं को भी आगे बढ़ाया जा रहा है। प्रस्तावित योजना के तहत लोगों के पैदल चलने के लिए ट्रैक और डेक विकसित किए जाएंगे।

क्षेत्र की गलियों और नालियों के निर्माण तथा सुधार के लिए चार करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। इन कार्यों से स्थानीय निवासियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

प्रस्तावित हाईवे के मार्ग को लेकर स्थानीय कारोबारियों और निवासियों ने अपनी चिंताएं सामने रखी हैं। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मामला संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठाया गया है। लोगों की मांगों पर विचार किया जाएगा।

बीरवाह में स्टेडियम निर्माण के संबंध में मुख्यमंत्री ने बताया कि पहले उपयुक्त जमीन की पहचान की जाएगी। इसके बाद खेल विभाग आगे की प्रक्रिया शुरू करेगा। उन्होंने अधिकारियों से अधूरे विकास कार्यों को जल्द पूरा करने पर भी जोर दिया।

विकास योजनाओं और स्थानीय समस्याओं पर बात करने वाले मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने राजनीतिक सवालों पर टिप्पणी करने से परहेज किया।

क्या उत्तराखंड

भाजपा में भीतरघात की आहट? बाहर एकजुटता, अंदर सियासी खींचतान—2027 में किसे मिलेगा फायदा?

दिसंबर 2026 तक देश और उत्तराखंड की राजनीति में बड़ा उलटफेर? किसी नेता के स्वास्थ्य पर संकट, संन्यास या नए चेहरे की एंट्री के संकेत!

उत्तराखंड की सियासत में कौन सुनेगा 'मन की आवाज़'?

दिसंबर तक पार्टी परिवर्तन के संकेत या अपनी ही पार्टी में बढ़ेगी नाराज़गी?

कौन-सा नेता अपनी राजनीतिक राह बदलने का फैसला करेगा? कौन संगठन से दूरी बनाएगा और कौन नई सियासी पारी की शुरुआत कर सकता है? क्या भाजपा या कांग्रेस में कोई बड़ा चेहरा पार्टी बदलने की दिशा में कदम उठाएगा?

उत्तराखंड और देश की राजनीति में आने वाले महीने कई मायनों में अहम साबित हो सकते हैं। सियासी गलियारों में बदलते समीकरण, नेताओं की बढ़ती सक्रियता, संगठन के भीतर की हलचल और सत्ता के भविष्य को लेकर चर्चाओं के बीच सबसे बड़ा सवाल है—दिसंबर 2026 तक देश और उत्तराखंड की राजनीति में कोई बड़ा फेरबदल देखने को मिल सकता है?

क्या किसी वरिष्ठ राजनेता के स्वास्थ्य को लेकर गंभीर परिस्थितियां सामने आ सकती हैं? क्या कोई बड़ा राजनीतिक चेहरा सक्रिय राजनीति से संन्यास लेने या अपनी भूमिका सीमित करने का ऐलान कर सकता है? क्या उत्तराखंड की राजनीति में किसी नए चेहरे को बड़ी जिम्मेदारी सौंपने की तैयारी हो सकती है? या फिर राष्ट्रीय राजनीति में होने वाले घटनाक्रम का असर देवभूमि के सियासी समीकरणों पर दिखाई देगा?

ग्रहों की चाल और सत्ता के समीकरण,

ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, ग्रहों की स्थिति और गोचर को सत्ता, नेतृत्व, प्रतिष्ठा, संघर्ष और बदलावों के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। पारंपरिक ज्योतिष में सूर्य को सत्ता एवं नेतृत्व, शनि को कर्म और जवाबदेही, जबकि राहु को अप्रत्याशित घटनाक्रम तथा राजनीतिक उथल-पुथल से जोड़ा जाता है।



विकास बलूनी

इसी दृष्टिकोण से दिसंबर 2026 तक की अवधि को लेकर कई संभावित राजनीतिक परिदृश्यों पर विचार किया जा सकता है। हालांकि, केवल सामान्य ग्रह-गोचर के आधार पर किसी नेता के स्वास्थ्य संकट, राजनीतिक संन्यास या किसी विशेष व्यक्ति के सत्ता में आने की विश्वसनीय भविष्यवाणी नहीं की जा सकती। ऐसे दावों के लिए ठोस आधार आवश्यक है और स्वास्थ्य संबंधी आशंकाओं को किसी व्यक्ति के बारे में तथ्य की तरह प्रस्तुत करना उचित नहीं होगा।

क्या उत्तराखंड को मिलेगा नया राजनीतिक चेहरा?

उत्तराखंड की राजनीति में सबसे दिलचस्प सवाल नेतृत्व और भविष्य की रणनीति को लेकर है। क्या पार्टी संगठन में नई जिम्मेदारियों का बंटवारा होगा? क्या किसी नए चेहरे को आगे लाने की रणनीति बनेगी? क्या पुराने और अनुभवी नेताओं की भूमिका में बदलाव आएगा? या फिर मौजूदा नेतृत्व अपनी स्थिति मजबूत करते हुए आगे बढ़ेगा?

राजनीति में बदलाव की चर्चा जितनी महत्वपूर्ण है, उससे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि सत्ता में होने वाले किसी भी परिवर्तन का जनता पर क्या प्रभाव पड़ेगा। उत्तराखंड में रोजगार, पलायन, शिक्षा, स्वास्थ्य, नशे पर नियंत्रण और विकास जैसे मुद्दों पर ठोस परिणाम ही किसी भी नेतृत्व की असली परीक्षा होंगे।

उत्तराखंड में रोजगार, पलायन, शिक्षा, स्वास्थ्य, नशे पर नियंत्रण और विकास जैसे मुद्दों पर ठोस परिणाम ही किसी भी नेतृत्व की असली परीक्षा होंगे।

क्या दिसंबर 2026 तक कोई नया राजनीतिक मुद्दा या अप्रत्याशित घटनाक्रम सामने आ सकता है, जो उत्तराखंड और देश के सियासी समीकरणों को प्रभावित कर दे? क्या कोई पुराना विवाद नए खुलासे के कारण फिर चर्चा में आएगा, संगठन के भीतर मतभेद गहराएंगे या कोई ऐसा निर्णय सामने आएगा, जिससे सत्ता और विपक्ष की रणनीतियां बदल जाएं?

(ये लेखक के निजी विचार हैं)



एआई निर्मित चित्र।

संपादकीय

बदलती इंजीनियरिंग पसंद

पिछले कुछ वर्षों में इंजीनियरिंग की दुनिया में यह धारणा मजबूत हो गई थी कि अच्छे अंक हासिल करने वाले छात्रों की पहली पसंद कंप्यूटर साइंस ही होगी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), कोडिंग और सूचना प्रौद्योगिकी के तेजी से विस्तार ने सिविल, मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल जैसी पारंपरिक शाखाओं को पीछे धकेल दिया था। लेकिन अब यह तस्वीर बदलती दिखाई दे रही है। भारत में बुनियादी ढांचे के विस्तार, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और सेमीकंडक्टर उद्योग में बढ़ते निवेश ने युवाओं के करियर विकल्पों को नई दिशा देना शुरू कर दिया है।

प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान और भारत सेमीकंडक्टर मिशन जैसी पहल केवल आर्थिक विकास की योजनाएं नहीं हैं, बल्कि ये देश में रोजगार, कौशल और तकनीकी शिक्षा की मांग को भी प्रभावित कर रही हैं। इन योजनाओं के कारण इंजीनियरिंग की उन शाखाओं का महत्व दोबारा बढ़ रहा है, जिन्हें लंबे समय तक कंप्यूटर साइंस की तुलना में कम आकर्षक माना जाता था।

प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान देश में बुनियादी ढांचे के विकास की योजना बनाने और उसे लागू करने के तरीके को बदलने की कोशिश है। इसके तहत सड़क, रेलवे, बंदरगाह, बिजली, नागर विमानन और दूरसंचार जैसे क्षेत्रों को अलग-अलग विकसित करने के बजाय एकीकृत योजना के तहत जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है। इस समन्वित दृष्टिकोण का उद्देश्य परियोजनाओं में देरी कम करना, संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल करना और परिवहन तथा लॉजिस्टिक्स व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना है।

जब राजमार्ग, औद्योगिक गलियारे, रेलवे नेटवर्क, बिजली प्रणालियां, बंदरगाह और गोदाम बेहतर तालमेल के साथ विकसित होते हैं, तो इसका लाभ केवल निर्माण क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता। सिविल और मैकेनिकल इंजीनियरों, सर्वेक्षकों, विद्युत विशेषज्ञों, परियोजना प्रबंधकों तथा तकनीकी पेशेवरों की मांग भी बढ़ती है। इस तरह बुनियादी ढांचे में निवेश इंजीनियरिंग के पारंपरिक क्षेत्रों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा कर सकता है।

बेहतर बुनियादी ढांचा अर्थव्यवस्था की उत्पादकता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। परिवहन की लागत और समय कम होने से उद्योगों को कच्चा माल तथा तैयार उत्पाद एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने में आसानी होती है। इससे कारोबार की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ती है और निवेश के नए रास्ते खुलते हैं। इसका सीधा असर उन इंजीनियरों की मांग पर पड़ता है, जो निर्माण, मशीनों, ऊर्जा और औद्योगिक प्रणालियों के विकास में विशेषज्ञता रखते हैं।

दूसरी ओर, सेमीकंडक्टर उद्योग भारत के तकनीकी भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र बनकर उभरा है। मोबाइल फोन, इलेक्ट्रिक वाहनों, रक्षा उपकरणों, दूरसंचार प्रणालियों और एआई तकनीक तक, आधुनिक अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा चिप पर निर्भर है। भारत अब केवल सेमीकंडक्टर का उपभोक्ता बने रहने के बजाय इस क्षेत्र में अपनी विनिर्माण और डिजाइन क्षमता विकसित करना चाहता है। इसी उद्देश्य से सरकार ने भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत निवेश, उत्पादन और कौशल विकास को प्रोत्साहित किया है।

हालांकि, सेमीकंडक्टर उद्योग का विकास केवल अत्याधुनिक कारखाने स्थापित करने से संभव नहीं होगा। इसके लिए इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, मैकेनिकल और मटेरियल साइंस इंजीनियरों के साथ-साथ चिप डिजाइन, परीक्षण, गुणवत्ता नियंत्रण और उत्पादन प्रक्रियाओं में प्रशिक्षित विशेषज्ञों की जरूरत होगी। इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर उन युवाओं के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो सकते हैं, जो हार्डवेयर और भौतिक तकनीक में रुचि रखते हैं।

इसी जरूरत को देखते हुए कौशल विकास और चिप डिजाइन से जुड़ी पहलों पर जोर दिया जा रहा है। इंजीनियरिंग शिक्षा में उद्योग की जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षण, प्रयोगशालाओं का आधुनिकीकरण और व्यावहारिक अनुभव उपलब्ध कराना आवश्यक होगा। यदि शिक्षा संस्थान और उद्योग मिलकर काम करें, तो भारत के पास कुशल तकनीकी मानव संसाधन तैयार करने का बड़ा अवसर है।

इन बदलावों का असर इंजीनियरिंग कॉलेजों में छात्रों की पसंद पर भी दिखाई देने लगा है। पिछले डेढ़ दशक में कंप्यूटर साइंस का दबदबा इतना बढ़ गया था कि कई छात्र सिविल, मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल शाखाओं को दूसरे विकल्प के रूप में देखते थे। लेकिन अब पारंपरिक इंजीनियरिंग क्षेत्रों में भी रुचि बढ़ने की संभावना है। इसके पीछे दो प्रमुख कारण हैं।

पहला, एआई और स्वचालन के विस्तार ने आईटी क्षेत्र में नौकरियों के भविष्य को लेकर नई बहस शुरू की है। कोडिंग और सॉफ्टवेयर विकास के कुछ कार्यों में एआई की बढ़ती भूमिका के कारण छात्र ऐसे क्षेत्रों पर भी विचार कर रहे हैं, जहां मशीनों, औद्योगिक उत्पादन और वास्तविक दुनिया की जटिल समस्याओं को समझने की जरूरत होती है। हालांकि, इससे यह निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा कि कंप्यूटर साइंस का महत्व कम हो जाएगा। एआई के विकास से सॉफ्टवेयर, डेटा और कंप्यूटिंग विशेषज्ञों की जरूरत भी बनी रहेगी।

-शिवांश धाकड़

जब पत्रकारिता सत्ता से आंखों से आंखें मिलाकर सवाल करती है

एक तरफ कैप्टन स्मित के जान पर खेलकर 180 लोगों की जान बचाकर पूरे विश्व में देश के जज्बे, संस्कार और बहादुरी की घटना से राष्ट्रीय स्वाभिमान को ऊंचाइयों पर ले जाना हर देशवासी का सर फक्र से ऊंचा कर रहा है, दूसरी तरफ कुछ नौकरशाहों और सरकार की आंख के नीचे 13 करोड़ लोगों के वोट कटने के नाम पर देश शर्मसार हो रहा है। मसला अभी भी कालीन के नीचे दबा रहता, यदि इंडियन एक्सप्रेस के खोजी पत्रकारों के जरिए इसे फ्रंट पेज की मुख्य खबर न बनाया जाता। आसानी से बिक जाते हुए मीडिया घरों के समय में मौजूदा सरकार के समय में इस तरह की पत्रकारिता निश्चित ही कैप्टन स्मित जैसी जांबाजी ही है। सलाम है ऐसी पत्रकारिता को और उसके पीछे के सारे पत्रकारों को भी।

बात किसी पार्टी को आरोपित करने की नहीं है। राजनीति की शतरंज में 2014 से पहले भी अपने फायदे के लिए पार्टियां केवल उन्हीं मुद्दों को उठाती रही हैं, जिनसे उनकी किरकिरी न हो। हिम्मत की दाद तो तब देनी पड़ती है कि जवाबदेही के सवाल पर लोकतंत्र के चौथे स्तंभ में से जब ज्यादातर लोग सरकार से मुश्किल सवाल पूछने से कतराते हों, तब किसी महिला पत्रकार के जरिए उन्हें खड़ा किया जा रहा है। पितृसत्तात्मक सोच बिना कोई बड़ा आंदोलन खड़ा किए हुए अपने आप ही बौनी हो जाती है।

हैरानी तब और भी बड़ी हो जाती है, जब मुख्य चुनाव आयुक्त के फैसलों से असहमति जताने वाले दो अन्य चुनाव आयुक्तों की बात को पार्टी विशेष के वक्ता इसे एक सामान्य ऑफिशियल प्रक्रिया बताकर सरकार की जवाबदेहिता से पल्ला झाड़ लेते हैं। दो चुनाव आयुक्तों द्वारा चौदह बार उठाए गए सवालों को अब लीपापोती से पेश किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के साफ कहे जाने के बाद कि चुनाव प्रक्रिया से जुड़े फार्म छ में बदलाव के लिए उन्होंने किसी तरह की सहमति नहीं दी है, तब बिना सरकारी शह के इतना बड़ा फैसला सरकार की अपनी नीयत पर भी सवाल खड़ा करता है।



एआई निर्मित चित्र।

विश्व के सबसे युवा देश के युवा इस मुद्दे पर आखिर चुप क्यों रहते? देश के साठ करोड़ युवा केवल देश की अर्थव्यवस्था में योगदान के लिए नहीं बने हैं, ज्वलंत मुद्दों पर बेबाकी से प्रतिक्रिया देने में भी आगे आ रहे हैं। सो, जैसी कि उम्मीद थी, युवाओं ने इसे हाथों हाथ उठा लिया। दो अक्टूबर को मुंबई एवं उसके बाद पूरे देश में आंदोलन जारी है। दस अक्टूबर को युवाओं की आवाज को मुखर करने वाले संगठन ने इसे पुनः एक बार जंतर-मंतर, दिल्ली में उठाने का संकल्प लिया है। जंतर-मंतर इसलिए, क्योंकि वह देश की अभिव्यक्ति, आजादी एवं संगठन शक्ति का प्रतीक बनकर उभरा है।



डा दमन आहूजा

सरकार ने उसे अपने ही देश के युवाओं को इकट्ठा होने के लिए अभेद्य किला बना दिया है, जो सरासर आर्टिकल 19 का उल्लंघन ही है। अनुच्छेद 19(1) के तहत हर नागरिक को सरकार के फैसलों या नीतियों पर अपनी असहमति, राय और आपत्ति बोलकर, लिखकर या प्रदर्शनों के जरिए व्यक्त करने का अधिकार है। अनुच्छेद 19(1) नागरिकों को शांतिपूर्वक और बिना हथियारों के इकट्ठा होने का अधिकार देता है। अनुच्छेद 19(1) के तहत लोग अपनी मांगों को सामूहिक रूप से उठाने के लिए संगठन बना सकते हैं।

इधर दिल्ली में पिछले सप्ताह भर से इसी मुद्दे पर हो रहे आंदोलन में पुलिस के द्वारा महिला पत्रकार के साथ अभद्र तरीके से पेश आते हुए एफआईआर तक नहीं लिखी जा रही है। इसके लिए सीधे-सीधे तमाम वीडियो सोशल मीडिया पर उपलब्ध हैं। दिल्ली पुलिस के ही एक वरिष्ठ नौकरशाह पर आरोप है कि उन्होंने महिला पत्रकार को गलत तरीके से छुआ।

सवाल यह उठता है कि व्यवस्था को चलाने के लिए दिए गए अधिकारों का नौकरशाह गलत इस्तेमाल क्यों कर लेते हैं? आज हर स्कूल-कॉलेज में छोटे-छोटे बच्चों को गुड टच, बैड टच के बारे में सीखते हुए दिल्ली पुलिस के आला अधिकारी इतनी सामान्य बात के प्रति भी संवेदनशीलता क्यों नहीं बरत पाए? सवाल यह भी है कि तथाकथित मुख्य मीडिया इन सारी खबरों को आम जन को प्राइम टाइम पर पेश क्यों नहीं करता?

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

कुल्लू दशहरा- क्यों आत्मदाह किया था गरीब ब्राह्मण परिवार ने,,,

हिमाचल प्रदेश की प्राचीन रियासतों में कुल्लू अपनी समृद्ध लोक संस्कृति, पौराणिक देवी-देवताओं और ऋषि-मुनियों से जुड़े इतिहास के कारण विशेष पहचान रखता है। प्राचीन पौराणिक साहित्य और अन्य ग्रंथों में कुल्लू के लिए 'कुलूत' शब्द का उल्लेख मिलता है। यहां प्रचलित देवी-देवताओं की भारथाओं में भी इस क्षेत्र की प्राचीन सांस्कृतिक परंपराओं की झलक मिलती है। मान्यता है कि हिमालय की इस पवित्र भूमि पर प्राचीन काल में असुर, नाग, दानव, गंधर्व, अप्सराएं, भूत-पिशाच और सिद्ध जैसी विभिन्न जातियां निवास करती थीं। इनके सांस्कृतिक अवशेष आज भी कुल्लू की मिश्रित संस्कृति में दिखाई देते हैं।

देवभूमि कुल्लू की सांस्कृतिक पहचान है दशहरा



एआई निर्मित चित्र।

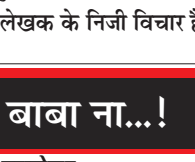
कुल्लू की संस्कृति में मेलों, त्योहारों और उत्सवों का विशेष स्थान है। ग्रामीण स्तर से लेकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक मनाए जाने वाले इन आयोजनों में कुल्लू का दशहरा सबसे विशिष्ट है। इसे स्थानीय भाषा में 'विदा दसमीं' अर्थात विजयादशमी कहा जाता है। इसकी खासियत यह है कि जब देश के अन्य हिस्सों में दशहरा समाप्त हो जाता है, तब कुल्लू में इसकी शुरुआत होती है। यहां रावण आदि के पुतले नहीं जलाए जाते, बल्कि लंका दहन की परंपरा निभाई जाती है।

राजा जगत सिंह से जुड़ी दशहरे की कथा

प्रचलित जनश्रुतियों के अनुसार, कुल्लू में दशहरे की परंपरा राजा जगत सिंह के समय शुरू हुई। कहा जाता है कि किसी व्यक्ति ने राजा को बताया कि मणिकर्ण के टिपरी गांव में रहने वाले पंडित दुर्गा दास के पास लगभग डेढ़-दो सेर सुच्चे मोती हैं। राजा ने मोती मंगवाने के लिए संदेश भेजा, लेकिन पंडित के पास मोती नहीं थे। बार-बार संदेश मिलने से परेशान होकर पंडित ने अपने परिवार सहित घर में आग लगाकर आत्मदाह कर लिया। मान्यता है कि इस घटना के कारण राजा पर ब्रह्महत्या का दोष लगा और वह कुष्ठ रोग से पीड़ित हो गए। भोजन में कीड़े और पानी में खून दिखाई देने जैसी अनुभूतियों से वह परेशान रहने लगे।

दोष से मुक्ति पाने के उपायों में असफल रहने के बाद राजा ने अपने पुराने पुरोहित किशन दास से सलाह ली। पुरोहित ने उन्हें अयोध्या से भगवान रघुनाथ की प्रतिमा लाने के लिए कहा। इसके बाद अपने शिष्य दामोदर दास को अयोध्या भेजा गया। जनश्रुति के अनुसार, दामोदर दास प्रतिमा लेकर कुल्लू पहुंचे। इससे पहले प्रतिमा को मणिकर्ण, हरिपुर, वशिष्ठ और ग्राहण जैसे स्थानों पर गुप्त रूप से रखा गया था। आज भी इन क्षेत्रों में भगवान रघुनाथ के मंदिर और दशहरा मनाने की परंपरा देखने को मिलती है।

कथा के अनुसार, प्रतिमा के कुल्लू पहुंचने पर राजा जगत सिंह ने विशाल यज्ञ आयोजित कर अपना राजपाट भगवान रघुनाथ को समर्पित कर दिया और स्वयं उनका सेवक बनकर रहने लगे। बताया जाता है कि प्रतिमा की विधिवत स्थापना माघ मास की पांच तारीख को वर्ष 1660 में हुई। इसके बाद 1661 में ढालपुर मैदान में दशहरे की परंपरा शुरू हुई, जो समय के साथ कुल्लू की प्रमुख सांस्कृतिक पहचान बन गई।



डॉ. कमल के. प्यासा

कुल्लू दशहरे की शुरुआत से पहले राजपरिवार देवी हिडिंबा की पूजा-अर्चना करता है। इसके बाद राजमहल से भगवान रघुनाथ की शोभायात्रा निकलती है, जिसमें देवी हिडिंबा सहित अन्य देवी-देवताओं के रथ भी शामिल होते हैं। ढालपुर मैदान पहुंचने पर रघुनाथ जी की प्रतिमा को लकड़ी के विशाल रथ में विराजमान किया जाता है। जनसमूह रस्सों के सहारे रथ को खींचकर मैदान के मध्य तक ले जाता है। वहां बने शिविर में प्रतिमा को स्थापित करने की रस्म को 'ठाकुर निकलना' कहा जाता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

आज की प्रमुख हस्ती

विकेटकीपिंग का भरोसेमंद नाम

ऋद्धिमान साहा का जन्म 24 अक्टूबर 1984 को हुआ था। वह भारत के पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर हैं, जिन्होंने अपनी विकेटकीपिंग और उपयोगी बल्लेबाजी से भारतीय क्रिकेट में खास पहचान बनाई। साहा बंगाल क्रिकेट टीम के प्रमुख विकेटकीपर रहे। वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के फाइनल में शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज भी बने। अपने शांत स्वभाव, बेहतरीन विकेटकीपिंग और दबाव में प्रदर्शन करने की क्षमता के लिए उन्हें जाना जाता है।



ऋद्धिमान साहा
जन्म : 24 अक्टूबर 1984

घरेलू क्रिकेट से अंतरराष्ट्रीय स्तर तक

साहा ने अपने क्रिकेट करियर की शुरुआत जूनियर स्तर पर की। उन्होंने बंगाल की अंडर-19 और अंडर-22 टीमों का प्रतिनिधित्व किया। वर्ष 2006-07 में उन्होंने रणजी ट्रॉफी में असम के खिलाफ अपना एकदिवसीय पदार्पण किया। इसके बाद 2007-08 के रणजी ट्रॉफी सत्र में हैदराबाद के विरुद्ध प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण करते हुए नाबाद 111 रन बनाए। इस शानदार प्रदर्शन ने उनकी प्रतिभा को सामने लाया और वर्ष 2008 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने उन्हें आईपीएल के लिए अनुबंधित किया।

घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन के दम पर साहा ने इंडिया ए टीम में भी जगह बनाई। इजरायल इनविटेशनल इलेवन के खिलाफ तीन सीमित ओवरों के मुकाबलों की श्रृंखला में भारत ए ने 3-0 से जीत दर्ज की। इस श्रृंखला के तीसरे मैच में साहा ने नाबाद 85 रन बनाकर टीम की जीत में अहम योगदान दिया।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहचान

ऋद्धिमान साहा ने फरवरी 2010 में भारतीय टेस्ट टीम के लिए पदार्पण किया। शुरुआत में उन्हें विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में मौका मिला, लेकिन बाद में उन्होंने विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में अपनी अलग पहचान बनाई। वेस्टइंडीज दौरे पर सेंट लूसिया में उन्होंने अपना पहला टेस्ट शतक लगाया। उनकी विकेटकीपिंग तकनीक और तेज रिफ्लेक्स ने उन्हें भारतीय टीम के भरोसेमंद खिलाड़ियों में शामिल किया। आईपीएल में भी साहा ने यादगार प्रदर्शन किए। वह आईपीएल फाइनल में शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने, जब उन्होंने 2014 के फाइनल में किंग्स इलेवन पंजाब की ओर से कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 115 रन बनाए। इस पारी ने उनकी आक्रामक बल्लेबाजी क्षमता को भी उजागर किया।

लोकतंत्र की आवाज या सोशल मीडिया का तमाशा?

आज का दौर सोशल मीडिया और अटेंशन इकॉनमी का दौर है, जहां लोगों का ध्यान खींचना सबसे बड़ी प्राथमिकता बन गया है। डिजिटल युग में 'जो दिखता है, वही बिकता है' की सोच तेजी से हावी हो रही है। एसआईआर यानी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के विरोध के दौरान विभिन्न हिस्सों में देखने को मिले भौंडे, उग्र और सनसनीखेज प्रदर्शनों ने इस प्रवृत्ति पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। लोकतंत्र में विरोध करना नागरिकों का अधिकार है, लेकिन जब असंतोष व्यक्त करने के लिए शालीनता और अनुशासन के बजाय तमाशेबाजी, उपद्रव और सोशल मीडिया पर वायरल होने को प्राथमिकता दी जाने लगे, तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था और युवाओं के भविष्य के लिए चिंता का विषय बन जाता है। आज युवा पीढ़ी लाइक्स, शेयर और व्यूज की होड़ में अपनी पहचान बनाने के लिए कई बार मर्यादाओं को भी भूल जाती है।



एआई निर्मित चित्र।

पारंपरिक रूप से विरोध प्रदर्शन वैचारिक स्पष्टता, लंबे संघर्ष और लोकतांत्रिक संवाद का माध्यम रहे हैं। इसके विपरीत, आज कुछ प्रदर्शनों में मूल मुद्दे से अधिक कैमरे के सामने आने और सोशल मीडिया पर चर्चा बटोरने की प्रवृत्ति दिखाई देती है। इंस्टाग्राम, यूट्यूब शॉर्ट्स, एक्स और फेसबुक जैसे मंचों पर सनसनीखेज और उग्र सामग्री तेजी से लोगों का ध्यान खींचती है। ऐसे में शांतिपूर्ण विरोध की तुलना में भड़काऊ नारेबाजी, पुलिस के साथ टकराव और अमर्यादित व्यवहार वाले वीडियो अधिक चर्चा में आ जाते हैं। इससे युवाओं में तत्काल प्रसिद्धि पाने की इच्छा बढ़ती है और वे क्षणिक लोकप्रियता के लिए गलत रास्ता अपनाने लगते हैं।

सोशल मीडिया एल्गोरिदम भी इस प्रवृत्ति को बढ़ावा देने में भूमिका निभाते हैं। उत्तेजक, क्रोधित करने वाली और सनसनीखेज सामग्री पर लोगों की प्रतिक्रिया अधिक होने से ऐसी पोस्ट तेजी से फैल सकती हैं। अचानक मिलने वाले हजारों लाइक्स और कमेंट्स युवाओं को उत्साहित करते हैं और वे बार-बार इसी प्रकार का कंटेंट बनाने के लिए प्रेरित होते हैं। इसे इंस्टेंट फेम और क्लाउट चेसिंग की प्रवृत्ति कहा जाता है। वहीं, इको चैंबर के कारण उपयोगकर्ताओं को अक्सर ऐसी सामग्री दिखाई देती है, जो उनकी पहले से बनी सोच और गुस्से को मजबूत करती है। परिणामस्वरूप, कुछ युवा अतिवादी व्यवहार को ही विरोध का प्रभावी तरीका समझने लगते हैं।

भारतीय संविधान नागरिकों को शांतिपूर्ण ढंग से विरोध करने का अधिकार देता है। यह लोकतंत्र की जीवनरेखा है, लेकिन इस अधिकार का उपयोग जिम्मेदारी और संवैधानिक मर्यादाओं के भीतर होना चाहिए। एसआईआर या किसी अन्य नीतिगत निर्णय पर असहमति जताना पूरी तरह लोकतांत्रिक है, मगर हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना और अराजकता फैलाना किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। ऐसे व्यवहार से मूल मुद्दा पीछे छूट जाता है और सरकार, प्रशासन तथा समाज का ध्यान वास्तविक समस्याओं के बजाय उपद्रव पर केंद्रित हो जाता है। इससे सार्थक संवाद और समाधान की संभावनाएं भी कमजोर पड़ती हैं।



डॉ. पवन कुमार शर्मा

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

एक रुपये ना बाबा ना...!

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)

एक रुपया क्रेडिट हुआ,
मोबाइल ने संदेश सुनाया,
प्रसन्न मन झूम उठा,
किस्मत ने जैसे हाथ बढ़ाया।
सोचा, बैंक है मेहरबान,
एक रुपये का दिया इनाम,
मगर पीछे छिपा था,
साइबर ठगों का नया पैगाम!
एक रुपया आया खाते में,
'लालच' छाया बातों में,
लिंक खुला एवं खेल हुआ,
खाली खाता रातों-रात! ठग बोले,
'बस लिंक दबाओ,
सारी खबर बताओ',
कहाँ कमाते-कितने खाते,
बैंक का राज समझाओ!
बैंक न माँगे गोपनीय,
न लिंक से खुलती जिम्मेदारी,
ओटीपी कभी न देना,
अंजान लिंक क्लिक न करें।
1 रु.का लालच छोड़ो,
साइबर ठगों से नाता तोड़ो,
धन अर्जन में उम्र लगती,
लुटते पल में ध्यान जोड़ो!

'भारतेन्दु शिखर'

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

कांग्रेस प्रभारी रजनी पाटिल के स्पष्ट लहजे ने उड़ाई कई नेताओं की नींदे

विस चुनाव में कई नए चेहरे मैदान में उतारने का संकेत!

रूप लाल कौंडल, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। हिमाचल कांग्रेस प्रभारी रजनी पाटिल के दौरे ने मंडी जिले के कई कांग्रेस नेताओं की नींदे उड़ा कर रख दी है। पाटिल ने लगातार चुनाव हारते आ रहे और उम्र दराज नेताओं को अब चुनावी रण में उतरने का सपना न पालने का इशारा किया है। साथ ही साथ उन्होंने नए कर्मठ प्रत्याशियों को मौका देने की पैरवी की है।

हिमाचल प्रभारी ने स्पष्ट संदेश दिया है कि मुख्यमंत्री भी किसी के प्रत्याशी होने का निर्णय नहीं ले सकते, बल्कि हाईकमान ही किसी के चुनाव में उतरने का निर्णय लेंगे। हिमाचल में तीन दिवसीय दौरे पर पहुंची कांग्रेस प्रभारी रजनी पाटिल ने गांधी भवन में कार्यकर्तों की बैठक के दौरान सीधे-सीधे शब्दों में कांग्रेस नेताओं को अपना संदेश दिया। बीते दिनों मंजी जिले के अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में कई नेताओं और उनके समर्थकों की ओर से आगामी विस चुनावों के लिए रण में उतरने की तैयारी की खबरे आ रही थीं। कई उम्र दराज



◆ तीन दिवसीय दौरे के पहले दिन मंडी में ली बैठक, लगातार हार रहे नेताओं को पाटिल का ईशारा उनका दौर अब गुजर गया

नेताओं ने फिर से चुनाव लडने की मंशा जाहिर की थी। कौल सिंह ठाकुर इस बार फिर चुनावी रण में उतरने को तैयार बताए जा रहे हैं। इसके अलावा बल्ह विधानसभा क्षेत्र से लगातार चुनाव में हार का मुंह देख रहे प्रकाश चौधरी को भी मुख्यमंत्री की ओर से इस बार पुन: प्रत्याशी बनाए जाने का इशारा मिला है। इसके अलावा मंडी जिला के सराज, नाचन, सरकाघाट और जोगिंद्रनगर विधानसभा क्षेत्रों में भी कांग्रेस के प्रत्याशी पिछली बार हार का मुंह देख चुके हैं। इनमें से कुछ तो लगातार हार रहे हैं। हिमाचल प्रभारी ने सीधे-सीधे शब्दों में लगातार हार का मुंह देख रहे कांग्रेस नेताओं का विकल्प तलाशने की बात कही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री भी किसी को अपने स्तर पर प्रत्याशी घोषित नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि जो लोग अब उम्रदराज हो गए हैं वह एकजुट होकर किसी जिताऊ चेहरे को खोजने में संगठन की मदद करें।

पार्टी के साथ मिलकर चलें ताकि प्रदेश में पार्टी की जीत सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भले ही किसी को प्यार से अगले विस चुनाव में प्रत्याशी बनाने की बात कह दें, लेकिन अंतिम निर्णय हाईकमान ही लेगी। हिमाचल प्रभारी के इन स्पष्ट संदेशों में कांग्रेस पार्टी के भीतर विशेषकर वरिष्ठ और उम्र के एक पड़ाव पर पहुंच चुके नेताओं की धुकधुकी बढ़ा दी। पार्टी हाईकमान अगर इस रवैय्ये पर अटल रहती है, तो अगले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी को मंडी जिला के दस विधानसभा क्षेत्रो में कई जगह नये चेहरों को चुनानी रण में उतारना पड़ेगा। वहीं पुराने दिग्गजों को चुनावी रण से हटाने के चलते पार्टी के भीतर भारी उठापटक का भी सामना करना पड़ सकता है।

कांग्रेस में आपसी खींचतान से कार्यकर्ता नाराज, रजनी पाटिल के सामने उठाया मुद्दा

हिमाचल कांग्रेस प्रभारी एवं पूर्व सांसद रजनी पाटिल के इस दौरे में कार्यकताओं की नाराजगी भी देखने को मिली। कार्यकर्ताओं ने हिमाचल प्रभारी के समक्ष प्रदेश सरकार की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार पिछली भाजपा सरकार के समय लगाये गए अधिकारियों को भी नहीं बदल पाई। नतीजा ये है कि यह अधिकारी अभी भी भाजपा के एजेंट बन कर काम कर रहे हैं और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के कामों को लटका रहे हैं। कार्यकर्ताओं में पार्टी के भीतर आपसी खींचतान पर भी नाराजगी जाहिर की।

अर्की स्कूल में सात दिवसीय एनएसएस शिविर का भूपेंद्र गुप्ता ने किया शुभारंभ



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। पीएम श्री एससीवीटी राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अर्की में शुक्रवार को राष्ट्रीय सेवा योजना (ह्स्स्) का विशेष सात दिवसीय शिविर शुरू हुआ। 23 से 29 अक्टूबर तक चलने वाले इस शिविर का शुभारंभ राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित पूर्व प्रधानाचार्य भूपेंद्र गुप्ता ने बतौर मुख्य अतिथि किया।

इस वर्ष शिविर की थीम 'नशामुक्ति एवं टीबी मुक्त युवा' रखी गई है, जिसमें 107 स्वयंसेवी (44 लड़के और 63 लड़कियां) भाग ले रहे हैं। मुख्य अतिथि भूपेंद्र गुप्ता ने कहा कि एनएसएस विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, सेवा भावना और सामाजिक उत्तरदायित्व विकसित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर अपनी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण और समाजसेवा में लगाने का आह्वान किया।

प्रधानाचार्य हेमराज गौड़ ने स्वयंसेवियों को अनुशासन के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम अधिकारी लालचंद वर्मा और हेमलता शर्मा शिविर की गतिविधियों का संचालन और मार्गदर्शन करेंगे। शिविर के पहले दिन अर्की अस्पताल के काउंसलर डॉ. विजय शांडिल ने युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों तथा टीबी से बचाव के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर स्वयंसेवियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं। कार्यक्रम में एसएमसी अध्यक्ष दीपक गुप्ता सहित शिक्षक एवं अन्य सदस्य मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

यूको आरसेटी में एलएमवी ड्राइविंग का निःशुल्क प्रशिक्षण संपन्न

अमर सिंह , भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। यूको आरसेटी, बिलासपुर में आयोजित 30 दिवसीय निःशुल्क हल्के मोटर वाहन ड्राइविंग प्रशिक्षण संपन्न हो गया। समापन अवसर पर अग्रणी जिला प्रबंधक चंद्रशेखर यादव ने उत्तीर्ण प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र वितरित किए और उन्हें ड्राइविंग को स्वरोजगार के रूप में अपनाकर आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के तहत संचालित यह संस्थान 18 से 50 वर्ष के युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में मुफ्त कौशल प्रशिक्षण प्रदान करता है। साथ ही अभ्यर्थियों को मुद्रा और पीएमईजीपी जैसी ऋण योजनाओं की भी जानकारी दी गई। जल्द ही सिलाई और ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण भी शुरू होगा।

विश्व एनेस्थीसिया दिवस पर एम्स और डीएवी स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। आपात स्थिति में किसी की जान बचाने के लिए डॉक्टर होना जरूरी नहीं है; सही जानकारी से आम लोग भी जान बचा सकते हैं। इसी संदेश के साथ विश्व एनेस्थीसिया दिवस 2026 पर एम्स बिलासपुर के एनेस्थीसियोलॉजी विभाग ने 'पंचरक्षक' पहल के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। एम्स ओपीडी और डीएवी स्कूल में नुक्कड़ नाटक व व्यावहारिक प्रदर्शन से छाती पर दबाव देने, गले में वस्तु फंसने तथा बेहोशी से निपटने के तरीके व फर्स्ट एड किट का महत्व समझाया गया।

सरकाघाट की डॉ. रितु रानी ने लोक सेवा आयोग की परीक्षा में पाया पहला स्थान

भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। सरकाघाट की ग्राम पंचायत पौंटा के चुहक्कु गाँव की डॉ. रितु रानी ने हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग की असिस्टेंट प्रोफेसर (डर्मेटोलॉजी) परीक्षा में पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया है। वर्तमान में नागरिक चिकित्सालय ज्वालाजी में कार्यरत डॉ. रितु ने ड्यूटी के साथ पढ़ाई जारी रखकर यह उपलब्धि हासिल की, जिससे पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है।

बरोट में आयोजित भाजपा बैठक में संगठन पर चर्चा, विधायक के दौरे की रूपरेखा तैयार

खुशी राम ठाकुर ,भारतेन्दु संवाददाता, बरोट। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला पशाकोट बरोट की एनएसएस इकाई ने शुक्रवार को बरोट बाजार, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, लक्कड़ बाजार और पंचायत घर में स्वच्छता अभियान चलाया। अभियान का शुभारंभ प्रधानाचार्य थमन सिंह ठाकुर ने किया। कार्यक्रम अधिकारी उपासना शर्मा व सुनील कटोच के मार्गदर्शन में स्वयंसेवकों ने कूड़ा एकत्र कर उचित निपटान किया तथा दुकानदारों व स्थानीय लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

बलद्वाड़ा-कशमली सड़क 5 नवंबर तक बंद

भारतेन्दु संवादाता, सरकाघाट। लोक निर्माण विभाग के सरकाघाट मंडल द्वारा बलद्वाड़ा-कशमली सड़क पर पीसीसी पेवमेंट कार्य के चलते 24 अक्तूबर से 5 नवंबर 2026 तक सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। एसडीएम सरकाघाट राजेंद्र कुमार गौतम के आदेशानुसार, इस दौरान बलद्वाड़ा-धबोई सड़क, कलेरी लिंक रोड, बतुरड़ा-धनालग सड़क तथा करद्वान मार्ग से नरला चौक होकर यातायात की आवाजाही की जा सकेगी। लोक निर्माण विभाग को उचित स्थानों पर सूचना एवं डायवर्जन बोर्ड लगाने तथा निर्धारित अवधि में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

परसदा-दवारडू सड़क 11 नवंबर तक बंद

भारतेन्दु संवादाता, सरकाघाट। परसदा-दवारडू सड़क पर इंटरलॉक पेवर ब्लॉक बिछाने के कार्य के चलते 27 अक्तूबर से 11 नवंबर 2026 तक वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। एसडीएम सरकाघाट राजेंद्र कुमार गौतम ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए कांगड़-कोठी-दमशेहड़ा सड़क को वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किया है। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को डायवर्जन स्थल पर सूचना एवं दिशा-निर्देश बोर्ड लगाने तथा निर्धारित अवधि में निर्माण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए हैं। आपात स्थिति में लोगों की सुविधा के लिए वाहन उपलब्ध करवाने के निर्देश भी दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने प्रदेश के लाखों कर्मचारियों को दी दिवाली की बड़ी सौगात : अजय वर्मा

भारतेन्दु संवादाता, धर्मशाला। एचआरटीसी उपाध्यक्ष अजय वर्मा ने प्रदेश के कर्मचारियों को 5 प्रतिशत महंगाई भत्ता देने और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को 10 हजार रुपये एरियर देने के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू जी के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि दिवाली से पहले मिली यह सौगात कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत है। सुक्खू सरकार कर्मचारी हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और यह निर्णय सरकार की कर्मचारी हितैषी सोच को दर्शाता है।

विपिन सिंह परमार ने सरकार से जिलों के पुनर्गठन पर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की

भारतेन्दु संवादाता, पालमपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं विधायक विपिन सिंह परमार ने प्रदेश सरकार से जिलों और प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन पर अपनी नीति और कार्ययोजना सार्वजनिक करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए पुनर्गठन का मुख्य उद्देश्य आम जनता के लिए सरकारी सेवाओं को सुलभ बनाना होना चाहिए। परमार ने कहा कि सरकार को प्रस्तावित पुनर्गठन के वित्तीय प्रभाव, मानकों और समयसीमा का ब्योरा साझा करना चाहिए। जनप्रतिनिधियों व स्थानीय जनता से सुझाव लेकर ही निर्णय लिया जाए, ताकि इसे केवल चुनावी चर्चाओं तक सीमित न रखकर परिणामदायक बनाया जा सके।

सभी ऑडिट पैराज के समायोजन के लिए 31 दिसंबर तक रिपोर्ट भेजें अधिकारी : संजय रत्न

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश विधानसभा की स्थानीय निधि लेखा समिति ने शुक्रवार को हमीर भवन में जिला अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में विभिन्न विभागों, बोर्डों, निगमों, शिक्षण संस्थानों और शहरी निकायों के आय-व्यय तथा ऑडिट पैरा की समीक्षा की गई और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।

बैठक में समिति के सभापति विधायक संजय रत्न, सदस्य विधायक कुलदीप सिंह राठौर, इंद्र दत्त लखनपाल, मलेंद्र राजन, विवेक शर्मा और विधायक सुरेश कुमार उपस्थित रहे। सभापति संजय रत्न ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी लंबित



ऑडिट पैरा को समायोजित करने के लिए त्वरित कदम उठाए जाएं और 31 दिसंबर तक विस्तृत रिपोर्ट समिति को भेजी जाए, ताकि 31 मार्च तक इनका पूर्ण समायोजन हो सके। उन्होंने वर्ष 2000 से पहले के छोटे ऑडिट पैरा को भी अतिशीघ्र समाप्त करने की प्रक्रिया पूरी करने को कहा। संजय रत्न ने जोर देकर कहा कि अधिकारी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को पारदर्शिता, तत्परता और वित्तीय अनुशासन के साथ लागू करें। समिति के जिला प्रवासों का मुख्य उद्देश्य सरकारी तंत्र में जवाबदेही और अनुशासन सुनिश्चित करना है, इसलिए दिए गए निर्देशों की अनुपालना में कोई कोताही नहीं होनी चाहिए।

समिति ने शिक्षण संस्थानों को स्टूडेंट फंड का उपयोग केवल छात्र गतिविधियों पर करने और शहरी निकायों को गृह कर, कचरा शुल्क व दुकानों के किराये की वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिए। इसके अलावा एपीएमसी, लघु बचत और ई-गवर्नेंस से संबंधित रिपोर्ट भी तलब की गई।

धर्मशाला महाविद्यालय के स्वयंसेवकों ने भूजल बोर्ड संग बावड़ी में चलाया स्वच्छता अभियान

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। 23 अक्टूबर 2026 को राजकीय अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय, धर्मशाला की रोवर्स एवं रेंजर्स इकाई ने केंद्रीय भूजल बोर्ड के सहयोग से एचपीसीए स्टेडियम के नीचे स्थित बावड़ी में स्वच्छता अभियान चलाया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. एस. गिल और प्रो. प्रीति शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर अभियान का शुभारंभ किया। इसका नेतृत्व रोवर लीडर डॉ. अतुल ठाकुर तथा रेंजर लीडर डॉ. प्रियंका ने किया, जिसमें 40 स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

स्वयंसेवकों ने बावड़ी के आसपास झाड़ियों को हटाया, मार्ग साफ किया, प्लास्टिक कचरा एकत्रित किया और ठहरे हुए पानी की निकासी की। इसका मुख्य उद्देश्य



जलस्रोत का संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना था। अभियान के दौरान केंद्रीय भूजल बोर्ड के वैज्ञानिक शिखर पांडेय, मानसी सिंह और सहायक जलभूवैज्ञानिक शिवानी सोनी की टीम ने जल के नमूने एकत्रित किए और प्रवाह का निरीक्षण किया। बोर्ड ने जल प्रवाह को सुचारु बनाने और गुणवत्ता सुधार के लिए तकनीकी मार्गदर्शन देने का आश्वासन दिया। केंद्रीय भूजल बोर्ड के अधिकारियों ने वर्ष 2021 से बावड़ी के रखरखाव में महाविद्यालय के निरंतर प्रयासों और विद्यार्थियों की सामाजिक प्रतिबद्धता की सराहना की। बोर्ड द्वारा विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन हेतु जलपान की व्यवस्था भी की गई।

रोपड़ी में वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम आयोजित

भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक द्वारा नाबार्ड एवं रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के माध्यम से 'डिजिटल की ओर' के अंतर्गत वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम सरकाघाट के गांव रोपड़ी में किया गया। इसमें राज्य सहकारी बैंक के प्रबंधक बनिता ठाकुर ने बैंकिंग स्कीम्स (फिक्स्ड डिपॉजिट, रिकरिंग डिपॉजिट), सपनों का संचय, शिक्षा के लिए ऋण, किसान क्रेडिट कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड (एनिमल हसबेंडरी), प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा, अटल पेंशन योजना व एटीएम के बारे में व सेविंग स्कीम्स व बैंक की इंश्योरेंस स्कीम्स (लोन प्रोटेक्टर, सेविंग स्कीम्स), वाहन ऋण, सशक्त महिला और भारत दर्शन स्कीम और ऑनलाइन फ्रॉड से बचने के उपाय और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस दौरान बैंक से उमा देवी और रोपड़ी गांव के वरिष्ठ नागरिक सतीश कुमार व रुचि शर्मा सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे। प्रबंधक बनिता ठाकुर ने ग्रामीणों से डिजिटल बैंकिंग सेवाएं अपनाने और बैंक की कल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। उपस्थित ग्रामीणों ने इस आयोजन के लिए बैंक प्रबंधन का धन्यवाद जताया।

कुल्लू दशहरा में ग्लोबल नृत्य की धूम, देश विदेश के कलाकारों ने बिखेरे संस्कृति के रंग

नीना गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, कल्लू। देव महाकुंभ अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव के पावन अवसर पर ढालपुर मैदान एक बार फिर से अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक संगम का गवाह बना। उत्सव के दौरान आयोजित बहुप्रतीक्षित 'ग्लोबल नृत्य' कार्यक्रम में देश और विदेश से आए विभिन्न कला समूहों तथा कलाकारों ने अपनी शानदार और ऊर्जावान प्रस्तुतियों से ऐसा समां बांधा कि पूरा ढालपुर मैदान तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

विभिन्न देशों तथा भारत के अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों से पहुंचे कलाकारों ने अपने-अपने पारम्परिक नृत्यों के ज़रिए अपनी-अपनी समृद्ध संस्कृति, सदियों पुरानी लोक परंपराओं और अनुपम सांस्कृतिक विरासत की अनूठी झलक मंच पर प्रस्तुत की। ढालपुर का पूरा वातावरण कलाकारों की रंग-बिरंगी और मनमोहक पारंपरिक वेशभूषा, पारंपरिक वाद्ययंत्रों की मधुर धुनों और लयबद्ध नृत्य प्रस्तुतियों के चलते सांस्कृतिक रंगों में पूरी तरह सराबोर नजर



◆ कुल्लू दशहराः रंग-बिरंगी वेशभूषा और मनमोहक नृत्यों से सजा ढालपुर

आया। ग्लोबल नृत्य कार्यक्रम के मुख्य मंच पर कलाकारों ने अपनी-अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को नृत्य की विविध विधाओं के माध्यम से सजीव कर दिया। एक ही मंच पर दुनिया के कोने-कोने की विविधतापूर्ण लोककलाओं, अनोखी नृत्य शैलियों और संगीत परंपराओं को एक साथ देखने का दुर्लभ अवसर मिलने से उपस्थित दर्शक अत्यधिक उत्साहित और आनंदित नजर आए। कलाकारों की सटीक लयबद्धता, सधे हुए कदमों और आकर्षक अंदाज़ ने दर्शकों का दिल जीत लिया और खूब प्रशंसा बटोरी।

उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव अपनी अनूठी देव संस्कृति, लोक परंपराओं और अद्भुत सांस्कृतिक विविधता के लिए पूरे विश्वभर में अपनी एक विशेष पहचान रखता है। ऐसे में यह ग्लोबल नृत्य कार्यक्रम विभिन्न देशों और संस्कृतियों के बीच आपसी मेलजोल तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने का एक बेहद महत्वपूर्ण और प्रभावी माध्यम साबित हुआ। इसमें दुनिया भर से आए कलाकारों की सक्रिय भागीदारी से ढालपुर में एक ही स्थान पर वैश्विक संस्कृति का भव्य स्वरूप देखने को मिला।

मानदेय वृद्धि अप्रैल के बजाय नवंबर से लागू करना आंगनवाड़ी कर्मियों के साथे धोखा

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। आंगनवाड़ी वर्कर्ज एवं हेल्परज यूनियन (संबंधित सीटू), हिमाचल प्रदेश के आह्वान पर 23 अक्टूबर को प्रदेश के हर जिले में कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। यह विरोध सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा 22 अक्टूबर 2026 को जारी उस अधिसूचना के खिलाफ है, जिसमें बजट में घोषित 1,000 की मानदेय वृद्धि को 1 अप्रैल 2026 की जगह 1 नवंबर 2026 से लागू करने का निर्णय लिया गया है। यूनियन की राज्य अध्यक्ष नीलम जस्वाल और महासचिव वीना शर्मा ने इस फैसले को धोखा करार दिया। अधिसूचना के अनुसार, कार्यकर्ताओं का मानदेय 10,500 से बढ़कर 11,500 तथा सहायिकाओं का 5,800 से बढ़ाकर 6,800 किया गया है। नेताओं ने सवाल उठाया कि बजट में की गई घोषणा के बावजूद अप्रैल से अक्टूबर 2026 तक के बकाया एरियर को क्यों नजरअंदाज किया गया? महंगाई के दौर में कम मानदेय पर कुपोषण उन्मूलन, पूर्व-प्राथमिक शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं जैसे महत्वपूर्ण कार्य कर रही इन महिलाओं के साथ यह निर्णय अन्यायपूर्ण है। **यूनियन की प्रमुख मांगें:** 1,000 की मानदेय वृद्धि को 1 अप्रैल 2026 से लागू किया जाए और इसके साथ ही अप्रैल से 31 अक्टूबर 2026 तक की पूरी अवधि का बकाया एरियर जारी किया जाए।

पूर्व महापौर देवेंद्र जग्गी ने सुक्खू सरकार के फैसले को सराहा

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला

धर्मशाला के पूर्व महापौर देवेंद्र सिंह जग्गी ने प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों और पेंशनरों के हित में मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू द्वारा की गई घोषणाओं का जोरदार स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि सुक्खू सरकार पूरी तरह से कर्मचारी हितैषी है और राज्य के कर्मचारियों तथा पेंशनरों के कल्याण के लिए अत्यंत संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है।

देवेंद्र सिंह जग्गी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने कर्मचारियों और पेंशनरों के महंगाई भत्ते (डीए) में कुल 5 प्रतिशत बढ़ोतरी की घोषणा करके बड़ी राहत प्रदान की है। इसके साथ ही सरकार ने चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को वेतन संशोधन के लंबित एरियर के बदले 10,000 रुपये अतिरिक्त देने का निर्णय लिया है। पेंशनरों के लिए भी 10,000 रुपये देने का ऐलान किया गया है। इन फैसलों से कर्मचारियों और पेंशनरों को सीधा आर्थिक लाभ मिलेगा, जिससे वे आगामी त्योहारों को और अधिक उत्साह



एवं हर्षोल्लास के साथ मना सकेंगे। पूर्व महापौर ने जोर देकर कहा कि प्रदेश सरकार ने वर्तमान आर्थिक चुनौतियों के बावजूद हमेशा कर्मचारी हितों को प्राथमिकता दी है।

उन्होंने उल्लेख किया कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि सरकार कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) का लाभ निरंतर देती रहेगी। देवेंद्र सिंह जग्गी ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार का यह कदम कर्मचारियों और पेंशनरों के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है तथा प्रदेश सरकार उनके हितों की रक्षा के लिए सदैव प्रयासरत है।

300 से अधिक देवी-देवताओं के आगमन से देवमहाकुंभ की रौनक बढ़ी

तपोवन में तबदील हुई अठारह करडू की सौह

धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। ऐतिहासिक ढालपुर मैदान इन दिनों अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव के दौरान पूरी तरह देव आस्था के सागर में डूबा हुआ है। घाटी के 300 से अधिक देवी-देवताओं के भव्य आगमन से पूरा ढालपुर मैदान मानो तपोवन में तबदील हो गया है। चारों ओर विराजमान देवी-देवताओं, गूंजते पारंपरिक देववाद्य यंत्रों और श्रद्धालुओं के जयकारों से कुल्लू घाटी का जर्रा-जर्रा भक्तिमय हो उठा है। भगवान रघुनाथ से मिलने पहुंचे देवी-देवताओं के इस अनोखे देव मिलन के साक्षी बनने के लिए हर कोई व्याकुल नजर आ रहा है।

देवमहाकुंभ के इन पलों में ढालपुर मैदान में देवी-देवताओं के पहुंचने का सिलसिला निरंतर जारी है। स्वर्ण और चांदी से सुसज्जित भव्य देवरथ अंतरराष्ट्रीय दशहरा उत्सव की शान में चार चांद लगा रहे हैं। हारियानों के कंधों पर झूमते और नृत्य करते हुए देवरथ जब भगवान रघुनाथ के दरबार की ओर



बढ़ते हैं, तो वह दृश्य देखने वाले हर श्रद्धालु और पर्यटक को भावविभोर कर देता है।

कहीं देवता अपने हारियानों के कंधों पर झूमते दिखाई देते हैं, तो कहीं वर्षों बाद होने वाले इन ऐतिहासिक देव मिलन के क्षण लोगों को रोमांचित कर देते हैं। प्रात:काल से लेकर संध्या तक ढालपुर मैदान में प्राचीन देव परंपराओं का पूरी निष्ठा से निर्वहन किया जा रहा है। देवी-देवताओं के अस्थायी शिविरों में निरंतर पूजा-पाठ और अनुष्ठान चल रहे हैं। देववाद्य यंत्रों की मनमोहक धुनों के बीच होने वाली देवताओं की जलेब और उनके साथ चलने वाले कारकूनों की टोलियां दशहरे की शोभा को और अधिक बढ़ा रही हैं। देव मिलन और लोक संस्कृति का यह अद्भुत और अलौकिक संगम ही कुल्लू दशहरा को विश्वभर में एक विशिष्ट और अनूठी पहचान दिलाता है। दोपहर के पश्चात ढालपुर मैदान में देवी-देवताओं की उपस्थिति और अधिक तीव्र होने लगी। दिन के चौथे पहर तक पूरी भगवान रघुनाथ की नगरी पावन जयकारों से गूंज उठी। घाटी के कोने-कोने से पधारे आराध्य देवी-देवता अपने पारंपरिक हारियानों के साथ भगवान रघुनाथ को नमन करने पहुंचे। इस दौरान देवरथों को संभालते और भारी भीड़ के बीच सुरक्षित आगे बढ़ाते हुए हारियानों को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

देवताओं के आगमन का यह रोमांचक और अद्भुत दृश्य देखने के लिए मैदान में मौजूद देश-विदेश के श्रद्धालुओं और पर्यटकों की निगाहें निरंतर देवरथों पर ही टिकी रहीं। अंतरराष्ट्रीय दशहरा उत्सव में हिस्सा लेने पहुंचे हजारों देशी और विदेशी पर्यटक भी हिमाचल की इस समृद्ध देव संस्कृति के अनूठे स्वरूप के प्रत्यक्ष साक्षी बन रहे हैं। सैलानी देवी-देवताओं के आगमन, देवरथों के पारंपरिक नृत्य और देव मिलन के इन यादगार पलों को अपने कैमरों और मोबाइल में कैद कर रहे हैं। विशेषकर विदेशी पर्यटकों के लिए यह भव्य आयोजन मुख्य आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

झुलाड़ में 25 लाख से बनेगा शहीद पवन जरयाल पार्क : केवल सिंह पठानिया

भारतेन्दु संवाददाता, शाहपुर। शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने झुलाड़ में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान बताया कि पिछले पौने चार वर्षों में नगर पंचायत शाहपुर के सात वार्डों में विकास कार्यों पर लगभग 5 करोड़ खर्च किए गए हैं। इस अवसर पर उन्होंने 65 लाख के विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया, जिसमें वार्ड नंबर 3 में शहीद पवन जरयाल की स्मृति में 25 लाख की लागत से बनने वाले पार्क, वार्ड 5 में बंदल खड्ड पर 20 लाख के पुल तथा वार्ड 1 व 5 में 7.50-7.50 लाख की हाई मास्ट लाइटों का शिलान्यास शामिल है।

साथ ही उन्होंने वार्ड 3 और 5 में 2.50-2.50 लाख के बोरवेल का लोकार्पण किया और 1.40 करोड़ की वैकल्पिक पेयजल योजना को जल्द पूरा करने की बात कही। कार्यक्रम में शहीद के पिता गरज सिंह, वीर नारी सुषमा तथा कूहल कमेटी के सदस्यों को सम्मानित किया गया। विधायक ने बेसहारा पशुओं को गौसदन भेजने के कार्य की सराहना की और

◆ पौने चार वर्षों में नगर पंचायत के सात वार्डों में खर्च हुए करीब 5 करोड़

स्थानीय कार्यक्रमों हेतु कुर्सियां व ध्वनि प्रसारण यंत्र खरीदने का सुझाव दिया। नगर पंचायत उपाध्यक्ष राजीव पटियाल ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और अध्यक्ष बविता ने आभार व्यक्त करते हुए शाहपुर के सर्वांगीण विकास की प्रतिबद्धता जताई।

इस मौके पर समस्त पार्षद, अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त विधायक केवल सिंह पठानिया ने नगर पंचायत शाहपुर में स्वच्छता व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा तथा जनहित की योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। उन्होंने युवाओं से नशामुक्त समाज के निर्माण में अपना सक्रिय योगदान देने का भी आह्वान किया।

हरियाणा के चार जिलों में पहुंचे हजारों किलोमीटर दूर से गुलाबी मेहमान

भारतेन्दु संवाददाता, भिवानी



वर्षा ऋतु समाप्त होने के साथ ही हजारों किलोमीटर का सफर तय कर विदेशी प्रवासी पक्षी ग्रेटर फ्लेमिंगो हरियाणा के वेटलैंड्स में पहुंचने लगे हैं। गुलाबी रंग के इन खूबसूरत पक्षियों की मौजूदगी से प्रदेश के कई जलक्षेत्र गुलजार हो रहे हैं। हालांकि, इस बार कम बारिश और अक्टूबर में भी तापमान अधिक रहने के कारण इनकी संख्या पिछले वर्षों की तुलना में कम बताई जा रही है।

हरियाणा के भिवानी, चरखी दादरी के बिरही कलां, झज्जर के भिंडावास और गुरुग्राम के चंदू वेटलैंड सहित रोहतक के कुछ गांवों में ग्रेटर फ्लेमिंगो देखे जा रहे हैं। मध्य एशिया और यूरोप के ठंडे इलाकों से लंबी दूरी तय करके आने वाले इन प्रवासी पक्षियों पर पक्षी विशेषज्ञ लगातार नजर रख रहे हैं। इस बार प्रदेश में कम वर्षा होने के कारण कई वेटलैंड्स में पानी का स्तर घटा है।

इसके साथ ही अक्टूबर में भी गर्म मौसम बने रहने से प्रवासी पक्षियों के अनुकूल प्राकृतिक परिस्थितियां प्रभावित हो रही हैं। जलक्षेत्रों के सूखने से पक्षियों के लिए भोजन की उपलब्धता भी प्रभावित होने की आशंका है। पक्षी विशेषज्ञों के अनुसार, इस बार ग्रेटर फ्लेमिंगो की संख्या में कमी के साथ उनके व्यवहार में भी बदलाव देखने को मिल रहा है। ऐसे में उनकी गतिविधियों और प्राकृतिक आवास की स्थिति पर निगरानी महत्वपूर्ण हो गई है।

प्रवासी पक्षियों के लिए पर्याप्त पानी, भोजन और सुरक्षित प्राकृतिक आवास बेहद जरूरी हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित छोटे जलक्षेत्र भी इन पक्षियों के प्रवास के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि ऐसे जलक्षेत्र सूखते हैं या उनका प्राकृतिक स्वरूप प्रभावित होता है, तो पक्षियों के ठहरने और भोजन तलाशने की परिस्थितियां कठिन हो सकती हैं।

कलसाड़ा फायरिंग मामले में मुख्य आरोपी समेत तीन गिरफ्तार

मोहित पर जानलेवा हमले के मामले में सीआईए पलवल को मिली बड़ी कामयाबी

भारतेन्दु संवाददाता, बादशाहपुर



हथीन क्षेत्र के कलसाड़ा गांव में एक युवक पर देसी कट्टे से फायरिंग कर जानलेवा हमला करने के मामले में सीआईए पलवल की टीम ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए शुक्रवार को एक किशोर सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल की गई पल्सर बाइक भी बरामद कर ली है।

पुलिस ने हथियार और कारतूस बरामद करने के लिए मुख्य आरोपी मनोज उर्फ मन्नू और नरेंद्र को एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया था, जिसके बाद पूछताछ पूरी कर उन्हें अदालत में पेश किया गया और अदालत के आदेश पर उन्हें जेल भेज दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह सनसनीखेज घटना 13 अक्टूबर की शाम करीब 6:30 बजे कलसाड़ा गांव में घटी थी। यहां मोहित नामक युवक पर अज्ञात हमलावरों द्वारा देसी कट्टे से फायरिंग की गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस जानलेवा हमले के बाद इलाके में हड़कंप मच गया था। घायल युवक की मां लज्जा देवी की शिकायत के आधार पर हथीन थाना पुलिस ने तुरंत भारतीय दंड संहिता और संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तफ्तीश तेज की। जांच के दौरान पुलिस ने सबसे पहले गढ़ी पट्टी, होडल निवासी धर्मेंद्र उर्फ गफू को गिरफ्तार किया था। इसके बाद कड़ियों से कड़ियां जोड़ते हुए सीआईए पलवल की टीम ने सटीक सूचना के आधार पर गढ़ी पट्टी, होडल के पास से मुख्य आरोपी मनोज उर्फ मन्नू और नरेंद्र को दबोच लिया। इस पूरी कार्रवाई के दौरान पुलिस ने इस मामले में एक किशोर को भी अपनी हिरासत में लिया है।

सीआईए पलवल प्रभारी नरेंद्र कुमार ने शुक्रवार को पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस टीम ने आरोपियों के पास से वारदात में प्रयुक्त पल्सर बाइक को कब्जे में ले लिया है।

कलसाड़ा फायरिंग मामले में तीन गिरफ्तार

सीआईए प्रभारी नरेंद्र कुमार ने आगे बताया कि पुलिस रिमांड के दौरान मुख्य आरोपियों से गहन पूछताछ की गई, जिसमें कई अहम खुलासे हुए हैं। पुलिस टीम अब वारदात में प्रयुक्त किए गए देसी कट्टे और कारतूसों की बरामदगी के लिए उनके अन्य ठिकानों पर भी दबिश दे रही है। इसके अलावा, इस मामले में संलिप्त अन्य संभावित सहयोगियों और उनकी भूमिका की भी बारीकी से जांच की जा रही है।

पानीपत में शिकायत बंद करने के नाम पर 10 हजार रिश्वत लेने के आरोप में हवलदार गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत



हरियाणा के पानीपत में रिश्वतखोरी के मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने कार्रवाई करते हुए हवलदार राजू को गिरफ्तार किया है। मामला किशनपुरा चौकी के पास 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते पकड़े गए बिचौलिये दीपक से जुड़ा है। आरोप है कि शिकायत बंद करवाने के नाम पर शिकायतकर्ता से रिश्वत की मांग की गई थी। मामले में हवलदार की कथित संलिप्तता सामने आने के बाद एसीबी ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के अनुसार, एसीबी ने इससे पहले किशनपुरा चौकी के पास बिचौलिये दीपक को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा था। इस मामले की जांच के दौरान हवलदार राजू की भूमिका सामने आई। इसके बाद जांच एजेंसी ने कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। एसीबी इंस्पेक्टर निर्मल सिंह के मुताबिक, शिकायतकर्ता ने हवलदार राजू पर शिकायत बंद करवाने के बदले पैसे लेने के आरोप लगाए थे। शिकायत के आधार पर मामले की जांच की गई और इसके बाद गिरफ्तारी की कार्रवाई की गई।

मामले में आरोप है कि शिकायतकर्ता की शिकायत को बंद करवाने के नाम पर 10 हजार रुपये की रकम ली गई। इस प्रकरण में बिचौलिये की गिरफ्तारी के बाद हवलदार की भूमिका की जांच की गई। जांच एजेंसी अब मामले से जुड़े तथ्यों और कथित लेन-देन की कड़ियों की पड़ताल कर रही है। रिश्वतखोरी के इस मामले में हवलदार की गिरफ्तारी के बाद क्षेत्र में चर्चा है। एसीबी की कार्रवाई का उद्देश्य भ्रष्टाचार से जुड़े आरोपों की जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करना है। फिलहाल, मामले में हवलदार राजू पर लगाए गए आरोपों की जांच जारी है। जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मामले में आरोपों की अंतिम पुष्टि न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही होगी।

एसीबी इंस्पेक्टर निर्मल सिंह के अनुसार, शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि हवलदार राजू ने शिकायत बंद करवाने के बदले पैसे मांगे थे। बिचौलिये दीपक की गिरफ्तारी के बाद मामले की जांच में हवलदार की कथित भूमिका सामने आई। इसके बाद उसे गिरफ्तार किया गया। फिलहाल एसीबी मामले से जुड़े लेन-देन और अन्य तथ्यों की जांच कर रही है। जांच पूरी होने के बाद सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

यमुनानगर: पुलिस शहीदी स्मृति दिवस पर हुआ 20-20 क्रिकेट मैच

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर। पुलिस शहीदी स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में शुक्रवार को जिला पुलिस लाइन जगाधरी में विद्यार्थियों के बीच 20-20 क्रिकेट मुकाबला आयोजित किया गया। इसमें सीएम ट्रिपल ई सीनियर सेकेंडरी स्कूल, खदरी की टीम ने जीत हासिल की। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में अनुशासन, खेल भावना और आपसी सहयोग को बढ़ावा देना रहा।

पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल के मार्गदर्शन में आयोजित मुकाबले में डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल, पुलिस लाइन जगाधरी और सीएम ट्रिपल ई सीनियर सेकेंडरी स्कूल, खदरी की टीमों ने भाग लिया। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशीष चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनकी पत्नी अनु भी उपस्थित रहीं। मैच से पहले उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय कर उनका उत्साह बढ़ाया। मुकाबले में दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने उत्साह के साथ प्रदर्शन किया और खेल के नियमों का पालन करते हुए टीम भावना का परिचय दिया। अंत में खदरी के सीएम ट्रिपल ई स्कूल की टीम विजेता रही।

कैथल में अवैध पटाखा फैक्ट्रियों पर शिकंजा, दो टीमें गठित

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड अवैध पटाखा निर्माण पर रखेगा कड़ी नजर

भारतेन्दु संवाददाता, कैथल



कैथल जिले में अवैध रूप से पटाखे बनाने वाली फैक्ट्रियों के खिलाफ अब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने भी कार्रवाई की तैयारी तेज कर दी है। बोर्ड की ओर से इसके लिए दो विशेष टीमों का गठन किया गया है। ये टीमें जिले के विभिन्न क्षेत्रों में निरीक्षण कर अवैध पटाखा निर्माण की गतिविधियों का पता लगाएंगी। जांच के दौरान नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

त्योहारी सीजन को देखते हुए अवैध पटाखों के निर्माण और बिक्री पर रोक लगाने के लिए प्रशासन की सक्रियता बढ़ गई है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीमें अलग-अलग स्थानों पर जाकर जांच करेंगी और यह पता लगाएंगी कि कहीं नियमों को ताक पर रखकर पटाखे तो नहीं बनाए जा रहे हैं। इस कार्रवाई का उद्देश्य अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाना और नियमों का पालन सुनिश्चित करना है। दूसरी ओर, जिला पुलिस भी अवैध रूप से पटाखे बनाने और बेचने वालों के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है।

पुलिस की ओर से पिछले दो महीनों के दौरान की गई कार्रवाई में 21 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के कब्जे से 3,200 किलोग्राम पटाखे और पटाखों से भरी 870 पेटियां बरामद की गई हैं। पुलिस की इस कार्रवाई से जिले में अवैध पटाखा कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का पता चलता है। वहीं, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से विशेष टीमों का गठन किए जाने के बाद इस मामले में निगरानी और जांच का दायरा बढ़ने की उम्मीद है।

◆ अवैध पटाखा फैक्ट्रियों पर कार्रवाई की तैयारी, पुलिस ने 21 आरोपी पकड़े

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीमें जिलेभर में निरीक्षण के दौरान अवैध पटाखा निर्माण से जुड़ी गतिविधियों की पड़ताल करेंगी। यदि किसी स्थान पर नियमों के विरुद्ध पटाखे बनाने का मामला सामने आता है, तो संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

यमुनानगर में गैस पाइपलाइन में जोरदार धमाका, 6 लोग झुलसे, दुकानों के टूटे शीशे

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर

◆ यमुनानगर में गैस पाइपलाइन ब्लास्ट, 6 लोग झुलसे, मची अफरा-तफरी

◆ अचानक धमाका, आग का गुबार उठा, जान बचाकर भागे लोग

हरियाणा के यमुनानगर शहर के चिट्टा मंदिर चौक पर एलपीजी गैस पाइपलाइन में धमाके की घटना सामने आई है। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। इस घटना में 6 लोगों के झुलसने की खबर है। धमाके का 42 सेकेंड का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें अचानक आग का गुबार उठता दिखाई देता है और आसपास मौजूद लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते नजर आते हैं।

जानकारी के मुताबिक, घटना के समय चिट्टा मंदिर चौक के आसपास 20 से ज्यादा लोग और कई वाहन मौजूद थे। इसी दौरान अचानक तेज धमाका हुआ और आग की लपटें उठने लगीं। आग का गुबार देखकर वहां मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। लोग खुद को बचाने के लिए तेजी से घटनास्थल से दूर भागने लगे। जमीन पर घिसटकर बची महिला, चिल्लाती रही 'बचाओ-बचाओ' घटना के सामने आए वीडियो में हादसे के दौरान लोगों की घबराहट साफ दिखाई देती है। एक महिला अपनी जान बचाने के लिए जमीन पर घिसटती नजर आई। इस दौरान महिला के 'बचाओ-बचाओ' चिल्लाने की बात भी सामने आई है। अचानक हुए धमाके ने आसपास मौजूद लोगों को संभलने का मौका तक नहीं दिया। धमाके की तीव्रता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि आसपास की दुकानों के शीशे टूट गए। हादसे में 6 लोगों के झुलसने की जानकारी सामने आई है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया।

इस घटना का 42 सेकेंड का वीडियो सामने आने के बाद हादसे की भयावहता चर्चा में है। हालांकि, धमाके के सटीक कारण और घटना से जुड़े अन्य आधिकारिक विवरणों की पुष्टि होना बाकी है। गैस पाइपलाइन में हुए इस धमाके ने सार्वजनिक स्थानों पर गैस सुरक्षा और आपातकालीन इंतजामों को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। प्रशासन की ओर से हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच किए जाने की संभावना है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में डर का माहौल है। फिलहाल सभी की नजर घायलों के उपचार और गैस पाइपलाइन में धमाके की वजह सामने आने पर टिकी है। अधिकारियों की जांच के बाद ही हादसे की पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

बिजली कटौती से खाना बनाने और रोजमर्रा के कामकाज पर पड़ा असर

यमुनानगर-जगाधरी में बिजली संकट, सड़कों पर उतरे लोग

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर



बिजली निगम के निजीकरण के विरोध में कर्मचारियों की तीन दिवसीय हड़ताल के दूसरे दिन शुक्रवार को यमुनानगर-जगाधरी में बिजली आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित रही। कई इलाकों में रातभर बिजली गुल रहने से लोगों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ा। इससे नाराज लोगों ने जगाधरी में चार स्थानों पर सड़क जाम कर विरोध जताया और बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग की। जगाधरी में चूना भट्ठी चौक के नजदीक बिजली कार्यालय के बाहर लोगों ने सड़क पर बैठकर प्रदर्शन किया।

इसके अलावा बस अड्डे, पंजाबी धर्मशाला के पास और झंडा चौक पर भी जाम लगाया गया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बिजली नहीं होने से घरों में पानी नहीं पहुंचा। खाना बनाने और रोजमर्रा के कामकाज में परेशानी हुई। महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को सबसे ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ा। लोगों ने चेतावनी दी कि दिन में बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हुई तो व्यापक स्तर पर जाम लगाया जाएगा। उधर, भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने काजीबांस स्थित बिजली कार्यालय का घेराव कर आपूर्ति बहाल करने की मांग:

◆ जगाधरी में बिजली संकट के खिलाफ लोगों ने चार स्थानों पर लगाया जाम

बिजली संकट का असर ग्रामीण क्षेत्रों में भी देखने को मिला। बुडिया गेट चौकी प्रभारी जसपाल सिंह मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से बातचीत की। बिजली निगम के एक्सईएन से संपर्क करने पर बताया गया कि जगाधरी के 27 फीडरों में से सात में पिछली रात ब्रेकडाउन हुआ था। दिन में भी कई फीडर बंद रहने से आपूर्ति प्रभावित रही। पुलिस और अधिकारियों ने लोगों को समस्या के समाधान का भरोसा दिया। लोगों ने बिजली निगम से जल्द आपूर्ति बहाल करने की मांग की, ताकि पेयजल संकट और रोजमर्रा की परेशानियों से राहत मिल सके।

न्यूज ब्रीफ

पानीपत में राहुल मर्डर केस, बचपन के दोस्त पर हत्या का आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत। पानीपत में अमेरिका से डिपोर्ट हुए 28 वर्षीय राहुल मलिक की हत्या के मामले में एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में राहुल खून से लथपथ फर्श पर पड़ा दिखाई दे रहा है। कमरे में जगह-जगह खून, शराब की बोतलें और ऑफिस का टूटा हुआ सामान बिखरा नजर आ रहा है। राहुल के शरीर पर चाकू से वार के कई निशान भी दिखाई दे रहे हैं। पुलिस ने वीडियो को जांच में शामिल किया है। शुरुआती जांच के मुताबिक, राहुल और आरोपी बचपन के दोस्त थे। दोनों 2023 में करीब 50 लाख रुपये खर्च कर अमेरिका गए थे, लेकिन वहां से डिपोर्ट कर दिए गए। परिजनों ने दोस्त समेत चार युवकों पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने चारों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

सड़क किनारे खड़े मनोज को तेज रफ्तार कार ने मारी टक्कर, अस्पताल में तोड़ा दम

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर। यमुनानगर की थापर कॉलोनी में तेज रफ्तार कार की टक्कर से 33 वर्षीय मनोज की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ, जब मनोज सड़क किनारे खड़ा था। आरोप है कि कार चालक ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मनोज कार और पास लगे ट्रांसफार्मर के बीच फंस गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायल मनोज को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। घटना के बाद परिवार में मातम छा गया। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस कार चालक की लापरवाही समेत दुर्घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। घटना ने सड़क सुरक्षा और तेज रफ्तार वाहनों से होने वाले हादसों पर फिर सवाल खड़े कर दिए हैं।

हरियाणा में बिजली कर्मचारियों की हड़ताल से 17 जिलों में ब्लैकआउट जैसे हालात

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम। हरियाणा में बिजली कर्मचारियों की तीन दिवसीय हड़ताल के दूसरे दिन बिजली और पानी का संकट गहरा गया। प्रदेश के 23 जिलों में से 17 जिलों में ब्लैकआउट जैसी स्थिति बनी हुई है। गुरुग्राम में करीब 50 हजार घरों की बिजली गुल होने की सूचना है, जबकि पिछले 18 घंटे में लगभग 5,000 शिकायतें दर्ज की गईं। जींद में 35 घंटे से बिजली आपूर्ति ठप है। हड़ताल के कारण फॉल्ट ठीक करने में देरी हो रही है और पानी की सप्लाई भी प्रभावित हुई है। हिसार, फरीदाबाद, कुरुक्षेत्र, सोनीपत और कैथल में लोगों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। पानीपत थर्मल पावर प्लांट की दो यूनिटों में उत्पादन बंद करना पड़ा। कर्मचारी संगठन के अनुसार, 40 हजार नियमित और 10 हजार अस्थायी कर्मचारी हड़ताल पर हैं। सरकार ने समाधान के लिए वार्ता की पहल की है।

स्कूल रिकार्ड में जन्मतिथि बदलकर फर्जीवाड़ा करने का मामला

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद। जन्मतिथि में कथित हेरफेर कर फर्जी दस्तावेज तैयार करवाने के मामले में थाना भूना पुलिस ने कुलदीप सिंह निवासी ढाणी सांचला रोड, भूना को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी उप-निरीक्षक कंवर सिंह ने बताया कि बरवाला निवासी विजय कुमार ने शिकायत दी थी कि सचिन की वास्तविक जन्मतिथि 1 जुलाई 2010 होने के बावजूद खेल प्रतियोगिताओं में आयु संबंधी लाभ लेने के लिए स्कूल रिकॉर्ड और अन्य दस्तावेजों में इसे बदलकर 1 जुलाई 2014 दर्ज करवाया गया। शिकायत के बाद पुलिस ने स्कूल रिकॉर्ड और संबंधित दस्तावेजों की जांच की तथा बयान दर्ज किए। जांच में कुलदीप सिंह की कथित संलिप्तता सामने आने पर कानूनी राय लेकर कार्रवाई की गई। पुलिस अब मामले में अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

यमुनानगर में लव मैरिज के चार साल बाद महिला ने लगाया फंदा

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर



यमुनानगर में लव मैरिज के चार साल बाद 30 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका शिल्पा दो बच्चों की मां थी। उसका शव ससुराल में फंदे पर लटका मिला। घटना के बाद मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मृतका के पिता का कहना है कि उनकी बेटी की हत्या की गई है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

परिजनों के अनुसार, शिल्पा का फोन लगातार बंद आ रहा था। इससे चिंतित होकर उसके पिता बेटी को तलाशते हुए ससुराल पहुंचे। वहां पहुंचने पर उन्हें बेटी की मौत की जानकारी मिली। मायके वालों का आरोप है कि ससुराल पक्ष ने उन्हें घटना की सूचना दिए बिना ही अंतिम संस्कार कर दिया। इस बात को लेकर परिवार ने नाराजगी जताई और मामले में संदेह जाहिर किया। शिल्पा की शादी करीब चार साल पहले प्रेम विवाह के रूप में हुई थी। वह दो बच्चों की मां थी। उसकी मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है।

घटना के बाद मायके पक्ष ने पूरे मामले की जांच कराने की मांग उठाई है। परिजनों का कहना है कि उन्हें बेटी की मौत से जुड़े हालात की पूरी जानकारी मिलनी चाहिए और मामले की सच्चाई सामने आनी चाहिए।

पिता ने आरोप लगाया कि बेटी की मौत सामान्य घटना नहीं है और इसकी गंभीरता से जांच होनी चाहिए। फिलहाल, मौत के वास्तविक कारणों और मायके पक्ष की ओर से लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

बरामद साइबर सेल ने आईएमईआई ट्रैकिंग और तकनीकी जांच से खोजे फोन

पुलिस ने बरामद किए 15 गुमशुदा मोबाइल, एसपी ने मालिकों को सौंपे

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार



जिला पुलिस की साइबर सेल ने आधुनिक तकनीकी जांच और त्वरित कार्रवाई का बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत करते हुए 15 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान ये सभी मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को सौंपे। खोए हुए और लंबे समय से वापस मिलने की उम्मीद छोड़ चुके मोबाइल फोन पुन: सुरक्षित पाकर नागरिकों के चेहरे खिल उठे और उन्होंने हिसार पुलिस की इस कार्यप्रणाली व तत्परता के लिए उनका सहृदय आभार व्यक्त किया।

मामले की विस्तृत जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने बताया कि जिला पुलिस को विभिन्न क्षेत्रों से मोबाइल फोन गुम होने और चोरी होने से संबंधित कई शिकायतें प्राप्त हुई थीं। नागरिकों की इन समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए साइबर सेल प्रभारी पीएसआई अमित के नेतृत्व में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। इस टीम ने गुमशुदा मोबाइलों की खोजबीन के लिए दिन-रात तकनीकी स्तर पर गहन जांच-पड़ताल शुरू की। साइबर सेल की टीम ने अत्याधुनिक आईएमईआई ट्रैकिंग, डिजिटल सर्विलांस, लोकेशन विश्लेषण और एडवांस्ड तकनीकी जांच पद्धतियों का सहारा लिया। साइबर टीम के लगातार प्रयासों, सटीक निगरानी और समन्वित कार्रवाई के परिणामस्वरूप विभिन्न स्थानों से 15 मोबाइल फोन सफलतापूर्वक ढूंढ निकालने में कामयाबी हासिल हुई। बरामद किए गए इन स्मार्टफोन्स की अनुमानित बाजार कीमत लाखों रुपये बताई गई है। पुलिस अधीक्षक ने इस सफलता के लिए साइबर सेल की पूरी टीम की पीठ थपथपाई और उनके कार्य की सराहना की। इस पूरे विशेष अभियान को सफल बनाने में साइबर सेल के मुख्य सिपाही मुकेश सहारण, ऑपरेटर सिपाही विनोद, सिपाही अतुल, महिला सिपाही सुदेश तथा सिपाही अजय कुमार ने बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

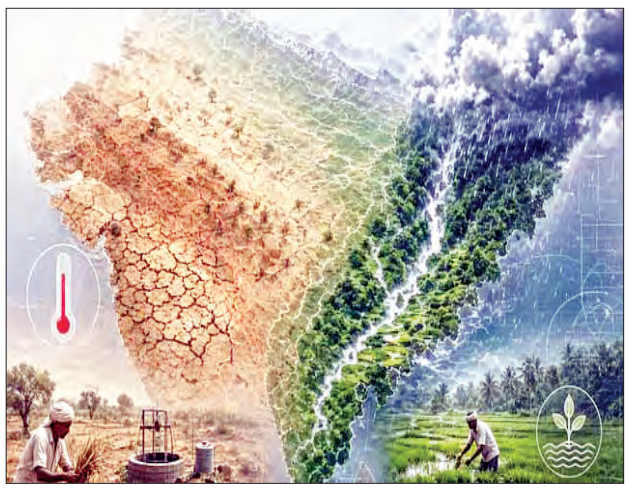
एसपी कार्यालय में आयोजित वितरण कार्यक्रम के दौरान जब नागरिकों को उनके फोन वापस दिए गए, तो उन्होंने पुलिस प्रशासन की सराहना की। मोबाइल फोन प्राप्त करने वाले प्रमुख नागरिकों में शिव नगर के प्रमोद, तलवंडी राणा के अनुराग, जिंजो खेड़ा की कविता, नंगथला के हरीश, महलसरा के कुलदीप, सरसाना के प्रदीप, जाखोद खेड़ा के दिनेश, मॉडल टाउन के हर्ष तथा प्रीति नगर के देव बहादुर सहित अन्य लोग शामिल रहे। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने आम जनता से अपील की कि वे अपने मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते समय सतर्कता बरतें और गुम होने की स्थिति में तुरंत पुलिस व साइबर सेल को सूचित करें।

जलवायु परिवर्तन का बड़ा संकेत : देश में तेजी से बदल रहा मौसम का दायरा

जलवायु चक्र में बदलाव: देश के मौसम में व्यापक परिवर्तन

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत की जलवायु में धीरे-धीरे बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। देश के कई हिस्सों में गर्मी और सूखे का प्रकोप बढ़ रहा है, तो दूसरी तरफ अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों का दायरा भी फैल रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) और पुणे स्थित भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए एक संयुक्त अध्ययन में यह बात सामने आई है। यह अध्ययन 1951 से 2020 तक के लगभग 70 वर्षों के मौसम रिकॉर्ड के विश्लेषण पर आधारित है।



वैज्ञानिकों ने 1951 से 2020 के बीच के तापमान और वर्षा के आंकड़ों को 30-30 वर्षों की अवधियों में बांटकर देश के जलवायु क्षेत्रों की तुलना की। अध्ययन के अनुसार, 1961-1990 के दौरान महाराष्ट्र के मराठवाड़ा और पश्चिमी विदर्भ के अधिकांश क्षेत्र केवल गर्म और शुष्क मौसम वाले श्रेणी में आते थे। हालांकि, 1991-2020 की अवधि तक आते-आते ये क्षेत्र और अधिक गर्म तथा कम वर्षा वाले अर्ध-शुष्क जलवायु क्षेत्र में तब्दील हो चुके हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि दिन और रात दोनों के तापमान में हुई बढ़ोतरी इस बदलाव का प्रमुख कारण है।

एक तरफ जहां विदर्भ और मराठवाड़ा में शुष्कता बढ़ी है, वहीं दूसरी ओर पश्चिमी तट यानी कोंकण, गोवा, तटीय कर्नाटक और केरल तक अधिक वर्षा वाले उष्णकटिबंधीय मानसूनी जलवायु क्षेत्र का विस्तार हुआ है। अध्ययन में यह रुझान भी दर्ज किया गया है कि दक्षिण भारत के क्षेत्रों में वर्षा का दायरा बढ़ा है, जबकि दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तरी मैदानी इलाकों में कुल वर्षा घटने का रुझान देखा गया है।

खेती, पानी और संसाधनों पर पड़ेगा सीधा असर

आईएमडी पुणे की वैज्ञानिक और अध्ययन की प्रमुख लेखिका अनन्या कर्मकार के अनुसार, जलवायु क्षेत्रों में हो रहे इस बदलाव का सीधा प्रभाव इस बात पर पड़ता है कि किसी विशिष्ट क्षेत्र में कौन सी फसल उपयुक्त होगी और उसकी बुवाई का सही समय क्या होना चाहिए। मानसून के कमजोर रहने की स्थिति में ऐसे क्षेत्रों पर सूखा और गंभीर रूप ले सकता है। अध्ययन इस बात पर जोर देता है कि जलवायु परिवर्तन को केवल तापमान वृद्धि या किसी एक सीजन में कम बारिश तक सीमित नहीं देखा जा सकता। लंबे समय में बदलते तापमान और वर्षा के स्वरूप का सीधा असर पानी की उपलब्धता, कृषि उत्पादन और जल प्रबंधन की योजनाओं पर पड़ेगा। यह महत्वपूर्ण अध्ययन आईएमडी की सहकर्मी-समीक्षित शोध पत्रिका 'मौसम' के अक्टूबर 2026 के अंक में प्रकाशित हुआ है। वैज्ञानिकों ने सुझाव दिया है कि इन बदलावों की निरंतर निगरानी की जानी चाहिए और भविष्य की कृषि व जल प्रबंधन रणनीतियों को इसी अनुरूप तैयार किया जाना चाहिए।

नरेला में छूट मिलते ही ताबड़तोड़ बुक हुए डीडीए फ्लैट

नरेला में आवास क्रांति: सस्ती दरों पर डीडीए फ्लैटों की रिकॉर्ड बिक्री

एजेंसी, नई दिल्ली



लंबे समय से खरीदारों का इंतजार कर रहे नरेला स्थित दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के फ्लैटों की मांग अब तेजी से बढ़ रही है। 25 प्रतिशत की विशेष छूट के साथ शुरू की गई आवास निवेश योजना के तहत 2,516 एलआईजी (निम्न आय वर्ग) फ्लैटों की बुकिंग शुरू होते ही महज दो घंटे के भीतर 2,500 से अधिक फ्लैट बुक हो गए। चालू वित्त वर्ष में अब तक नरेला क्षेत्र में करीब सात हजार डीडीए फ्लैट बिक चुके हैं, जबकि लगभग 30 हजार फ्लैट अभी भी बिक्री के लिए शेष हैं।

योजना के तहत करीब 49.90 वर्गमीटर क्षेत्रफल वाले इन फ्लैटों की शुरुआती कीमत लगभग 14.95 लाख रुपये रखी गई है। दिल्ली में प्रॉपर्टी की बढ़ती कीमतों के बीच अपना घर खरीदने का सपना देख रहे मध्यम और निम्न वर्ग के परिवारों के लिए यह कीमत काफी आकर्षक साबित हो रही है। हालांकि, जानकारों का मानना है कि फ्लैट की मूल कीमत के साथ-साथ रखरखाव, पानी के कनेक्शन और अन्य शुल्कों को मिलाकर वास्तविक लागत का आकलन करना भी आवश्यक होगा।

नरेला में फ्लैटों की कम मांग का एक बड़ा कारण दिल्ली के मुख्य इलाकों से बेहतर कनेक्टिविटी का न होना था। लेकिन अगस्त 2025 में शहरी विस्तार मार्ग-2 (यूईआर-2) के चालू होने से इस क्षेत्र में आवागमन बेहद सुगम हुआ है। यूईआर-2 के कारण राजधानी के बाहरी इलाकों में जाम से राहत मिली है। इसके अलावा, क्षेत्र में प्रस्तावित मेट्रो कनेक्टिविटी और अन्य परिवहन साधनों के विस्तार से नरेला में कनेक्टिविटी की तस्वीर बदल रही है।

नरेला बनेगा नया एजुकेशन और स्पोर्ट्स हब

डीडीए नरेला को केवल एक आवासीय कॉलोनी के रूप में नहीं, बल्कि शिक्षा, खेल और संस्थागत केंद्र (एजुकेशन हब) के रूप में विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। यहाँ शैक्षणिक संस्थानों के लिए भूमि आवंटित की गई है और खेल परिसर की योजनाएं भी प्रस्तावित हैं। द्वारका और रोहिणी की तर्ज पर नरेला को भी एक सुनियोजित और आधुनिक उप-शहर के रूप में देखा जा रहा है। यद्यपि नरेला में आवास की बिक्री में उछाल आया है, फिर भी स्थायी बसावट के लिए बुनियादी नागरिक सुविधाओं को सुदृढ़ करना बेहद ज़रूरी है। पीने का पानी, नियमित बिजली ह्यह्वश्चश्चद्य4, सुरक्षा, स्वच्छता, सार्वजनिक परिवहन और स्थानीय बाजारों का विकास इस क्षेत्र के भविष्य को तय करेगा। यदि रोजगार और परिवहन सुविधाओं का समुचित विकास होता है, तो इससे पुरानी व मध्य दिल्ली पर आबादी का दबाव कम करने में काफी मदद मिलेगी। इस विकास के साथ, नरेला दिल्ली-एनसीआर के रियल एस्टेट क्षेत्र में एक बड़े विकल्प के रूप में उभर रहा है। डीडीए की इस पहल से न केवल कम आय वाले परिवारों को अपनी छत मिल रही है, बल्कि अवसंरचना में सुधार से इस उप-शहर का समग्र विकास भी सुनिश्चित हो रहा है। नागरिक सुविधाओं के विस्तार और बेहतर कनेक्टिविटी के बल पर आने वाले समय में नरेला एक आदर्श और सुव्यवस्थित आवासीय केंद्र बनने की दिशा में अग्रसर है।

व्यापार मेले में दिल्ली मंडप की भव्य सजावट पर 75 लाख रुपए का खर्च

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रगति मैदान (भारत मंडपम) में आयोजित होने वाले आगामी भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले को लेकर तैयारियाँ तेज़ हो गई हैं। इस बार व्यापार मेले में दिल्ली सरकार के 'दिल्ली मंडप' को भव्य रूप से सजाने और संवारने के लिए 75 लाख रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। दिल्ली राज्य औद्योगिक एवं आधारभूत संरचना विकास निगम ने इस कार्य के लिए आधिकारिक तौर पर निविदा (टेंडर) जारी कर दी है।

एजेंसी को मिलेगी पूरी सजावट की जिम्मेदारी जारी की गई निविदा के तहत चयनित एजेंसी को दिल्ली मंडप की बाहरी और आंतरिक सजावट, थीम आधारित डिजाइनिंग, रूपरेखा तैयार करने और अन्य संबंधित सेवाओं की पूरी जिम्मेदारी उठानी होगी। प्रगति मैदान में 13 से 27 नवंबर तक चलने वाले इस प्रतिष्ठित मेले की इस वर्ष की थीम 'विकास और विरासत' रखी गई है। एजेंसियों के लिए निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 2 नवंबर तय की गई है, जिसके बाद 3 नवंबर को तकनीकी प्रस्तावों की जांच और प्रस्तुतिकरण की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

मेले में आकर्षण का केंद्र बनेगा दिल्ली मंडप



उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025 में भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले के दौरान दिल्ली मंडप को तैयार करने और उसका प्रदर्शन करने में लगभग 1.85 करोड़ रुपये का खर्च आया था। पिछले साल इस पवेलियन को 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' थीम के तहत लाल किले की भव्यता की तर्ज पर डिजाइन किया गया था। उस दौरान दिल्ली सरकार और ने महिला तथा अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति वर्ग के उद्यमियों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन के लिए विशेष सब्सिडी वाले स्टॉल उपलब्ध कराए थे। इस बार भी 'विकास और विरासत' की थीम पर दिल्ली की सांस्कृतिक और आधुनिक पहचान को प्रदर्शित करने की तैयारी है।

दिल्ली पुलिस ने 30 अक्तूबर को होने वाले दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट को दी अनुमति

एजेंसी, नई दिल्ली। मशहूर पंजाबी गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ के दिल्ली में होने वाले कॉन्सर्ट को लेकर बने असमंजस के बादल आखिरकार छंट गए हैं। 30 अक्टूबर को आयोजित होने वाले इस भव्य संगीत कार्यक्रम के लिए दिल्ली पुलिस ने अपनी आधिकारिक अनुमति प्रदान कर दी है। इससे पहले सुरक्षा और व्यवस्था संबंधी कारणों से अनुमति मिलने पर संशय बना हुआ था, लेकिन अब पुलिस की मंजूरी के बाद दिलजीत के प्रशंसकों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। शुरुआत में सुरक्षा इंतजामों को लेकर दिल्ली पुलिस ने कॉन्सर्ट के आयोजन पर कुछ आपत्तियां जताई थीं। इसके बाद आयोजकों और दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच कई दौर की उच्चस्तरीय बैठकें आयोजित की गईं। बैठकों के दौरान आयोजकों ने भीड़ प्रबंधन, यातायात नियंत्रण, आपातकालीन सेवाओं और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक विस्तृत और पुख्ता खाका पेश किया। आयोजकों द्वारा दी गई व्यापक सुरक्षा योजना से संतुष्ट होने के बाद पुलिस प्रशासन ने अपने पिछले रुख पर दोबारा विचार करते हुए कार्यक्रम के आयोजन की अंतिम मंजूरी दे दी। इस बहुप्रतीक्षित कॉन्सर्ट को लेकर दिल्ली में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। दिलजीत दोसांझ के लाइव शो में भारी संख्या में प्रशंसकों के जुटने की संभावना है, जिसे देखते हुए आयोजन स्थल और आसपास के इलाकों में विशेष सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी।

आयोजकों की विस्तृत सुरक्षा योजनाओं की समीक्षा के बाद मिली अनुमति

वडनगर को 2028 तक यूनेस्को विश्व धरोहर बनाने का लक्ष्य

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन्मभूमि गुजरात के ऐतिहासिक शहर वडनगर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान दिलाने के लिए बड़े प्रयास किए जा रहे हैं। लगभग 2,700 वर्षों से लगातार आबाद इस प्राचीन शहर को वर्ष 2028 तक यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने का लक्ष्य रखा गया है। गुजरात के मेहसाणा जिले में स्थित वडनगर की पहचान केवल प्रधानमंत्री के गृह नगर के रूप में ही नहीं, बल्कि प्राचीन भारत के एक प्रमुख सांस्कृतिक, शैक्षणिक, व्यावसायिक और ऐतिहासिक केंद्र के रूप में भी रही है।

वडनगर देश के उन चुनिंदा ऐतिहासिक शहरों में शुमार है जहाँ हजारों वर्षों से निरंतर मानव बसावट के प्रमाण मिलते हैं। यहाँ भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) द्वारा की गई खोदाई में बौद्ध विहार, प्राचीन स्तूप, मजबूत किलेबंदी, आवासीय परिसर और व्यापारिक गतिविधियों के महत्वपूर्ण अवशेष सामने आए हैं। ये अवशेष विभिन्न ऐतिहासिक कालखंडों में विकसित हुई समृद्ध सभ्यता और संस्कृति की गहरी कहानी बयां करते हैं। प्राचीन समय में यहाँ के विद्वानों और प्रशासकों की राजदरबारों में विशेष मांग रहती थी।

यह शहर प्राचीन व्यापारिक मार्गों के चौराहे पर स्थित होने के कारण कारोबार, शिल्प और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का एक प्रमुख केंद्र था। वडनगर की विरासत केवल पुरातात्विक अवशेषों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यहाँ की उन्नत प्राचीन जल प्रबंधन प्रणाली, ऐतिहासिक प्रवेश द्वार, भव्य मंदिर और प्रसिद्ध 'कीर्ति तोरण' भी इसके गौरवशाली अतीत की अमिट पहचान हैं। ये स्थापत्य अवशेष उस दौर की उत्कृष्ट वास्तुकला और उन्नत नगर नियोजन प्रणाली का एक बेहतरीन उदाहरण पेश करते हैं।

2700 साल प्राचीन शहर को मिलेगी वैश्विक पहचान



वडनगर को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने के लिए एएसआइ ने 13 दिसंबर 2022 को इसका प्रस्ताव भेजा था। अधिकारियों के अनुसार, इस प्रस्ताव की औपचारिक और अंतिम प्रक्रिया वर्ष 2027 के अंत से लेकर 2028 के दौरान पूरी की जाएगी। यदि यह प्रयास सफल होता है, तो इससे न केवल शहर की ऐतिहासिक धरोहर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूती मिलेगी, बल्कि वैश्विक मंच पर भारतीय सभ्यता की प्राचीनता और सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित करने का एक स्वर्णिम अवसर भी प्राप्त होगा।

गूगल मैप अपडेट से बारापुला फ्लाईओवर पर जाम समाप्त

यातायात सुविधा : बारापुला फ्लाईओवर के नए हिस्से में सुगम आवागमन

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली के बारापुला फेज-3 प्रोजेक्ट को लेकर एक बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। मयूर विहार से एम्स जाने वाली लेन की ट्रैफिक स्थिति अब गूगल मैप पर पूरी तरह अपडेट हो चुकी है। इस तकनीकी सुधार के बाद मयूर विहार से लेकर सराय काले खां तक बारापुला फ्लाईओवर पर लगने वाले लंबे और भीषण जाम से वाहन चालकों को काफी राहत मिली है। अब वाहन चालक रियल टाइम आधार पर जाम की स्थिति देख पा रहे हैं और उसके अनुसार एनएच-24 या अन्य वैकल्पिक मार्गों का चयन कर रहे हैं।

हालांकि, एक तरफ जहां फ्लाईओवर के एक हिस्से में राहत मिली है, वहीं दूसरी ओर एम्स जाने वाले कुछ प्रमुख मार्गों पर स्थिति अभी भी चिंताजनक बनी हुई है। डीएनडी, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, आश्रम एक्सटेंशन फ्लाईओवर और महारानी बाग की तरफ से आने वाले वाहन चालकों को सराय काले खां के पास स्थित स्लिप रोड पर जाने के लिए भारी ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा, सराय काले खां से सनडायल लूप होते हुए बारापुला फ्लाईओवर की तरफ जाने वाले वाहन भी अक्सर जाम की चपेट में फंस जाते हैं।



उल्लेखनीय है कि दक्षिणी दिल्ली को पूर्वी दिल्ली से जोड़ने वाले इस साढ़े तीन किलोमीटर लंबे महत्वपूर्ण हिस्से का उद्घाटन 29 सितंबर को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा किया गया था। उद्घाटन के शुरुआती दिनों में गूगल मैप पर यह रूट अपडेट नहीं था। इसके चलते पीक आवर्स यानी सुबह नौ बजे से दोपहर एक बजे के बीच भीषण जाम लगने के बावजूद गूगल मैप इस फ्लाईओवर को पूरी तरह खाली दिखाता था। इस तकनीकी भ्रम के कारण तमाम ड्राइवर इस रास्ते पर पहुंच जाते थे और अंत में घंटों जाम में फंस जाते थे।

यातायात पुलिस द्वारा वाहनों का डायवर्जन

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए यातायात पुलिस ने भी कई कदम उठाए। मयूर विहार लाल बत्ती से सराय काले खां की तरफ आने वाले वाहन जब भारी जाम में फंस जाते थे, तो वे वापस मयूर विहार की तरफ लौटने का प्रयास करते थे, जिससे स्थिति और अधिक विकट हो जाती थी। इसे रोकने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने नोएडा लिंक रोड यानी मयूर विहार से बारापुला फेज-3 की ओर आने वाले वाहनों को एनएच-24 यानी डीएनडी की तरफ डायवर्ट करना शुरू किया, जिससे यातायात प्रबंधन में मदद मिली। गूगल मैप के अपडेट होने के बाद अब ड्राइवरों को जाम की सटीक जानकारी मिलने लगी है और वे वैकल्पिक मार्गों का आसानी से उपयोग कर पा रहे हैं।

दिल्ली के छावला में सेप्टिक टैंक में जहरीली गैस से हादसा

एजेंसी, नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली के छावला इलाके में शुक्रवार को एक बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहाँ निर्माणाधीन सेप्टिक टैंक में जहरीली गैस से दम घुटने के कारण एक युवक की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह दुर्घटना उस समय घटी जब मजदूर सेप्टिक टैंक के अंदर उतरकर शटरिंग हटाने का काम कर रहे थे। इसी दौरान टैंक में जमा जहरीली गैस की चपेट में आने से सभी का दम घुटने लगा। मृतक की पहचान 38 वर्षीय मदन पंडित के रूप में हुई है। घटना के तुरंत बाद सभी घायलों को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल पहुँचाया गया। दिल्ली की इस दुखद घटना ने एक बार फिर सेप्टिक टैंक और भूमिगत तंग स्थानों पर बिना सुरक्षा उपकरणों के काम करने के गंभीर खतरों को उजागर कर दिया है। प्रशासन मामले की विस्तृत जाँच कर रहा है।

आईआईआईटी दिल्ली के छात्रों को मिलेगा एक लाख का स्वास्थ्य बीमा

एजेंसी, नई दिल्ली

इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) दिल्ली ने अपने छात्रों की स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एक बड़ी और राहत भरी योजना की शुरुआत की है। पढ़ाई के दौरान अचानक किसी चिकित्सीय आपात स्थिति या गंभीर बीमारी के समय छात्रों और उनके परिवारों पर आर्थिक दबाव न पड़े, इसके लिए संस्थान अपने सभी छात्रों को प्रतिवर्ष एक लाख रुपये तक का चिकित्सा बीमा (हेल्थ इंश्योरेंस) उपलब्ध कराने जा रहा है।

3,250 से अधिक छात्रों को मिलेगा प्रत्यक्ष लाभसंस्थान की इस कल्याणकारी पहल से वर्तमान में पंजीकृत करीब 3,250 छात्रों को सीधा फायदा पहुंचेगा। आगामी नए शैक्षणिक सत्र में नए दाखिलों के बाद लाभान्वित छात्रों की कुल संख्या लगभग 3,500 तक पहुंचने का अनुमान है। इस योजना के तहत छात्र सूचीबद्ध नेटवर्क अस्पतालों में पूरी तरह कैशलेस इलाज की सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। आपात स्थिति में यदि छात्र को किसी गैर-नेटवर्क अस्पताल में भर्ती होना पड़ता है, तो भी निर्धारित शर्तों के अनुसार इलाज के खर्च का रिइम्बर्समेंट (क्लेम) किया जा सकेगा।

पुरानी बीमारियों पर भी तुरंत मिलेगा बीमा कवरइस



नीति का सबसे महत्वपूर्ण और अनूठा प्रावधान यह है कि इसमें पहले से मौजूद बीमारियों (प्री-एक्जिस्टिंग डिजीज) को भी बिना किसी शर्त के शामिल किया गया है। आमतौर पर हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसियों में लागू होने वाले शुरुआती 30 दिनों के वेटिंग पीरियड और कुछ विशिष्ट बीमारियों के लिए तय लंबी प्रतीक्षा अवधि को इस योजना से पूरी तरह हटा दिया गया है। इसके अतिरिक्त, पॉलिसी में उम्र से जुड़ी कोई सीमा नहीं रखी गई है, जिससे सभी छात्र तुरंत ही कवर का लाभ उठा सकेंगे। डे-केयर, जांच और परामर्श भी शामिलबीमा के दायरे में केवल अस्पताल में भर्ती होना या सर्जरी ही शामिल नहीं है, बल्कि ऐसी 144 से अधिक डे-केयर प्रक्रियाओं को भी जोड़ा गया है जिनमें मरीज को 24 घंटे अस्पताल में भर्ती रहने की जरूरत नहीं होती।

राष्ट्रीय स्तर पर चमका डीटीसी : तीन नवाचारों के लिए मिले प्रतिष्ठित शहरी परिवहन पुरस्कार

एजेंसी, नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को आधुनिक, सुरक्षित और यात्री-केंद्रित बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पहचान मिली है। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की तीन प्रमुख पहलों को केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा शहरी परिवहन में उत्कृष्टता के राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए चुना गया है। ये सम्मान 24 अक्टूबर को भुवनेश्वर में आयोजित एक विशेष समारोह में प्रदान किए जाएंगे।

डीटीसी को पहला पुरस्कार नवाचार और स्मार्ट आवागमन श्रेणी में 'पिंक सहेली राष्ट्रीय साझा आवागमन कार्ड' योजना के लिए मिला है। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं और ट्रांसजेंडर यात्रियों को डीटीसी और क्लस्टर बसों में मुफ्त सफर की सुविधा दी जाती है। योजना को अधिक समावेशी बनाने के उद्देश्य से अब तक 20 लाख से भी अधिक पिंक सहेली कार्ड जारी किए जा चुके हैं, जिससे महिलाओं की दैनिक यात्रा काफी सुगम और सुरक्षित हुई है।



दूसरा राष्ट्रीय पुरस्कार 'एकीकृत स्मार्ट बस प्रबंधन प्रणाली' को सर्वश्रेष्ठ सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था की श्रेणी में दिया गया है। इस आधुनिक प्रणाली के तहत उपग्रह आधारित जीपीएस ट्रैकिंग, बसों में लगे सीसीटीवी कैमरों और रियल-टाइम प्रदर्शन सूचना पटलों के माध्यम से पूरे बस नेटवर्क की प्रभावी निगरानी की जाती है। इससे परिचालन की स्थिति और सुरक्षा में व्यापक सुधार आया है। तीसरा पुरस्कार 'देवी बस मार्ग पुनर्निर्धारण' पहल के लिए प्राप्त हुआ है, जिसे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली के समन्वय से लागू किया जा रहा है। इसमें आंकड़ों का वैज्ञानिक विश्लेषण कर उन क्षेत्रों में बस सेवाएं बढ़ाई जा रही हैं, जहां कनेक्टिविटी कम थी।

राहत म्यांमार हथियार प्रशिक्षण मामले में आरोपियों को फरवरी तक भारत रहने की अनुमति

म्यांमार हथियार प्रशिक्षण मामला: सात विदेशियों की बढ़ी अवधि

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली की एक विशेष अदालत ने म्यांमार हथियार प्रशिक्षण मामले में अमेरिकी नागरिक मैथ्यू आरोन वैनडाइक और छह यूक्रेनी नागरिकों को भारत में रहने की दी गई अनुमति को अगले साल 24 फरवरी तक के लिए बढ़ा दिया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा जांच किए जा रहे इस संवेदनशील मामले की सुनवाई विशेष न्यायाधीश प्रशांत शर्मा की अदालत में हुई। अदालत का यह अहम आदेश सभी सात विदेशी नागरिकों द्वारा दायर किए गए आवेदनों पर सुनवाई के बाद आया है, जिसमें पूरी कार्यवाही बंद कमरे (इन-कैमरा) के भीतर आयोजित की गई थी।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की ओर से अदालत में अपना जवाब दाखिल किया गया, जिसमें एजेंसी ने स्पष्ट किया कि उन्हें इस हाई-प्रोफाइल मामले के कई महत्वपूर्ण पहलुओं और कड़ियों की गहराई से जांच करने के लिए अभी और समय की आवश्यकता है। एनआईए के वकील राहुल ने इस मामले में अदालत के समक्ष अपनी दलीलें और पक्ष रखा।



सुनवाई के दौरान अदालत ने अमेरिकी नागरिक मैथ्यू आरोन वैनडाइक को वापस अमेरिका लौटने की भी स्वतंत्रता प्रदान की, क्योंकि वे व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित हुए थे। वहीं, इस मामले के अन्य छह आरोपी स्वास्थ्य संबंधी कारणों का हवाला देते हुए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई में शामिल हुए।

अदालत कक्ष के बाहर मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए अमेरिकी नागरिक मैथ्यू आरोन वैनडाइक ने अपने खिलाफ मामला लगातार जारी रहने पर कड़ा सवाल उठाया। उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस मामले को बेवजह खींचने का कोई औचित्य नहीं है। यदि ऐसा नहीं होता है, तो जब तक यह कानूनी प्रक्रिया पूरी तरह समाप्त नहीं हो जाती, उन्हें भारत में ही रहना पड़ेगा।

वैनडाइक ने गंभीर वित्तीय कठिनाइयों (धनाभाव) का हवाला देते हुए यह भी जानकारी दी कि पैसों की तंगी के चलते उन्होंने अपने वकील को हटा दिया है। उन्होंने कहा कि फिलहाल इस मामले पर उनकी कोई विशेष टिप्पणी नहीं है, लेकिन खुद का वकील खुद होना और आर्थिक तंगी उनके लिए मुख्य समस्याएं बन गई हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस कानूनी मामले में उन्हें अमेरिकी दूतावास से किसी भी प्रकार की सहायता या मदद नहीं मिल रही है।

क्या है पूरा म्यांमार हथियार प्रशिक्षण मामला?

एनआईए के गंभीर आरोपों के मुताबिक, मैथ्यू आरोन वैनडाइक और छह अन्य यूक्रेनी नागरिक टूरिस्ट वीजा पर भारत आए थे। आरोप है कि उन्होंने बिना किसी अनिवार्य परमिट या अनुमति के पूर्वोत्तर भारत के संवेदनशील क्षेत्रों की यात्रा की और इसके बाद मिजोरम के रास्ते म्यांमार की सीमा में अवैध रूप से प्रवेश किया। वहां उन्होंने कथित तौर पर म्यांमार के विभिन्न जातीय सशस्त्र संगठनों को हथियार चलाने का प्रशिक्षण दिया। जांच एजेंसी ने शुरुआत में इस मामले में साजिश से जुड़ी धाराओं के साथ-साथ कड़े गैर-कानूनी गतिविधियां निवारण अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधान भी लगाए थे। इसके अलावा यह भी आरोप लगाया गया था कि इन आरोपियों ने अपने नेटवर्क से जुड़ी गोपनीय जानकारियां साझा की थीं और म्यांमार में एक यात्री विमान को निशाना बनाने के लिए उपकरण जुटाने तथा साजिश रचने में सक्रिय रूप से शामिल रहे थे।



आभार

हिमाचल प्रदेश के लोकप्रिय समाचारपत्र भारतेन्दु शिखर द्वारा प्रकाशित विशेषांक में सहयोग देने पर सभी विज्ञापनदाता बंधुओं का हृदय से आभार। आशा है भविष्य में भी आपका सहयोग यथावत बना रहेगा।

सुरेंद्र कटोच
ब्यूरो चीफ भारतेंदु शिखर हमीरपुर
मो. 9418013079,मो. 8894313079

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं







पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं सांसद
अनुराग ठाकुर जी
को जन्मदिन की
हार्दिक शुभकामनाएं





विरेन्द्र पठानिया
अध्यक्ष भाजपा मंडल
नादौन



आप जियों हजारों साल साल के दिन हों पचास हजार

पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं सांसद

अनुराग ठाकुर जी

को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं



अजमेर सिंह ठाकुर
भाजपा शहरी निकाय प्रदेश संयोजक
एवं जिला कॉ-आर्डीनेटर

पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं सांसद

अनुराग ठाकुर जी

को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं







अजमेर सिंह ठाकुर
भाजपा शहरी निकाय प्रदेश संयोजक
एवं जिला कॉ-आर्डीनेटर



विजय पाल सुहारू
भाजपा नेता



नवीन शर्मा
भाजपा नेता, पूर्व उपाध्यक्ष
कौशल विकास निगम



दिनेश ठाकुर
प्रदेश सह संयोजक
शहरी निकाय



यशवीर जमवाल
जिला सयोंजक
शिक्षक प्रकोष्ठ हमीरपुर



सुनीत ठाकुर
भाजपा नेता





पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं सांसद

अनुराग ठाकुर जी

को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं





राकेश ठाकुर
जिलाध्यक्ष



इंद्रदत्त लखनपाल
विधायक



आशीष शर्मा
विधायक



राजेंद्र राणा
प्रदेश मुख्य प्रवक्ता



विजय अग्निहोत्री
पूर्व विधायक



डॉ अनिल धीमान
पूर्व विधायक



अजय रिंटू
जिला महामंत्री



राजेश सहगल
जिला महामंत्री



धमेंद्र शर्मा
जिला कोषाध्यक्ष



विक्रमजीत
सिंह बन्याल
जिला मीडिया प्रभारी



अश्वनी गांधी
जिला आईटी
सह संयोजक



सुशील सोनी
भाजपा नेता



सुशील ठाकुर
समाजसेवी



अरुणीष गौतम
निदेशक - गौतम ग्रुप
ऑफ इंस्टिट्यूट



संजीव जसवाल
समाजसेवी एवं
व्यावसायी



विनोद ठाकुर
जिला प्रवक्ता



राजकुमारी ठाकुर
जिला उपाध्यक्ष



संजीव शर्मा
जिला उपाध्यक्ष



सुमन चौहान
जिला उपाध्यक्ष



जगन कटोच
जिला उपाध्यक्ष

कपिल शामा
भाजपा नेता

चमन ठाकुर
जिला उपाध्यक्ष

विपिन अग्निहोत्री
जिला उपाध्यक्ष

सुरेंद्र मिन्हास
जिला सचिव

प्रमिला देवी
जिला सचिव

रीमा धीमान
जिला सचिव

मंजीत ठाकुर
जिला सचिव

सीमा कुमारी
जिला सचिव

होशियार सिंह
कार्यालय सचिव

गज्जण राम शर्मा
जिला कार्यालय प्रमुख

न्यूज ब्रीफ

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मांजू में साक्षी ने पूर्ण की 10 दिवसीय इंटर्नशिप

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। उपमंडल अर्की के अंतर्गत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मांजू में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, वेदव्यास परिसर बलाहर की ज्योतिषाचार्य प्रथम वर्ष की छात्रा साक्षी ने 12 से 23 अक्तूबर तक अपनी 10 दिवसीय इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूर्ण की। यह प्रशिक्षण विद्यालय के प्रधानाचार्य हंसराज शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इंटर्नशिप के दौरान साक्षी ने संस्कृत अध्यापक कपिल भारद्वाज के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को संस्कृत विषय पढ़ाया तथा विभिन्न शिक्षण गतिविधियों में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने अध्यापन का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने के साथ अनुशासन, शिक्षण कौशल और कार्य के प्रति समर्पण का परिचय दिया। विद्यार्थियों के साथ उनका व्यवहार भी सराहनीय रहा। प्रशिक्षण के समापन पर विद्यालय परिवार ने साक्षी को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रधानाचार्य हंसराज शर्मा ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम भावी शिक्षकों को विद्यालयी वातावरण और प्रभावी शिक्षण पद्धतियों को समझने का अवसर प्रदान करते हैं। विद्यालय परिवार ने विश्वास जताया कि यह अनुभव साक्षी के भविष्य में उपयोगी सिद्ध होगा।

मांजू में 13 व 14 नवंबर को होगा बाल दिवस मेला

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। उपमंडल अर्की के अंतर्गत मांजू में बाल दिवस मेला 13 व 14 नवंबर को मेला समिति मांजू और नेहरू युवक मंडल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जाएगा। 50 वर्षों से अधिक पुरानी इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए मेले में खेल प्रतियोगिताएं मुख्य आकर्षण रहेंगी। कार्यक्रम का शुभारंभ 13 नवंबर को सुबह 9 बजे होगा। नेहरू युवक मंडल के प्रधान भारतेंदु शर्मा ने बताया कि 13 नवंबर को कबड्डी और वॉलीबॉल प्रतियोगिताएं करवाई जाएंगी। कबड्डी में प्रवेश शुल्क 1100 रुपये निर्धारित किया गया है। विजेता टीम को 15 हजार और उपविजेता को 9 हजार रुपये मिलेंगे। वहीं, वॉलीबॉल में प्रवेश शुल्क 1000 रुपये रहेगा। विजेता टीम को 11 हजार तथा उपविजेता को 7 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। आयोजकों ने इच्छुक टीमों से प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अपील की है। मेले का उद्देश्य परंपरा को बनाए रखने के साथ युवाओं में खेल भावना और भाईचारे को बढ़ावा देना है।

अर्की कॉलेज में सीएससीए पदाधिकारियों को दिलाई शपथ



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। राजकीय महाविद्यालय अर्की में सत्र 2026-27 के लिए नामित कॉलेज छात्र केंद्रीय संघ (सीएससीए) के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मस्तराम ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को कर्तव्यनिष्ठा से दायित्व निभाने की शपथ दिलाई। महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. राजन तनवर ने बताया कि बीएससी तृतीय वर्ष के कार्तिक को सीएससीए प्रधान, एमए इतिहास प्रथम सत्र की नीरज कुमारी को उपप्रधान, बीए प्रथम सत्र की मानसी को सचिव तथा बीकॉम द्वितीय वर्ष की प्रेरिका बंसल को संयुक्त सचिव नामित किया गया है। समारोह में विभिन्न सांस्कृतिक क्लबों, एनएसएस, एनसीसी, रोवर-रेंजर, इको क्लब, रेड रिबन क्लब, स्पोर्ट्स क्लब तथा कक्षा प्रतिनिधियों को भी शपथ दिलाई गई। प्रधान कार्तिक ने महाविद्यालय के विकास और शैक्षणिक गतिविधियों को बेहतर बनाने में सहयोग देने का संकल्प लिया। प्राचार्य डॉ. मस्तराम ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए जिम्मेदारी और ईमानदारी से कार्य करने का आह्वान किया।

बरशैणी-तोष सड़क पर 2.022 किलोग्राम चरस सहित नेपाली मूल की महिला गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। जिला कुल्लू में नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जिला डिटेक्शन सेल की टीम ने बरशैणी-तोष सड़क पर 2.022 किलोग्राम चरस बरामद कर एक महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, 22 अक्तूबर 2026 को जिला डिटेक्शन सेल की टीम ने हिम ट्रैक/जै-जै धार क्षेत्र में बरशैणी-तोष सड़क पर पार्किंग के समीप नाकाबंदी की थी। इसी दौरान 39 वर्षीय महिला के कब्जे से 2.022 किलोग्राम चरस बरामद हुई। आरोपी महिला मूल रूप से नेपाल की निवासी है और वर्तमान में तोष गांव में रह रही थी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। अब पुलिस चरस के स्रोत और संभावित सप्लाई नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। मामले में आगामी जांच जारी है।



नकुल खुल्लर ने दिया नशामुक्ति का संदेश

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। हरिपुर दशहरा उत्सव में उत्कृष्टता सम्मान विजेता एवं बरागढ़ रिजॉर्ट एंड स्पा के निदेशक नकुल खुल्लर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील करते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया। कार्यक्रम में पहुंचने पर ग्राम पंचायत प्रधान अमर ठाकुर और मेला समिति के प्रधान सीपी नेगी ने नकुल खुल्लर का गर्मजोशी से स्वागत किया। उत्सव के दौरान आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया और मेले में उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर नकुल खुल्लर ने स्थानीय कलाकेंद्र के उन्नयन का मुद्दा प्रदेश सरकार के समक्ष उठाने का आश्वासन भी दिया। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए ऐसे केंद्रों का विकास महत्वपूर्ण है। उत्सव में स्थानीय लोगों की भागीदारी ने आयोजन की रौनक बढ़ाई।

87 लाख रुपए से संवरेगा सीएचसी हरलोग



भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरलोग का जल्द कायाकल्प होगा। केंद्र सरकार ने अस्पताल में मरम्मत, रखरखाव और सुविधाओं के विस्तार के लिए आपदा पश्चात आवश्यकता आकलन (पीडीएनए) के तहत 87 लाख रुपए स्वीकृत किए हैं। सदर के विधायक त्रिलोक जम्वाल ने शुक्रवार को प्रशासनिक और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक में यह जानकारी दी। उन्होंने विकास कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों में किसी तरह का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विधायक ने राशि स्वीकृत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा का आभार जताया। उन्होंने कहा कि अस्पताल क्षेत्र की कई पंचायतों के हजारों लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता है। सुविधाओं में सुधार से मरीजों को लाभ मिलेगा और दूरदराज के बड़े अस्पतालों पर निर्भरता कम होगी। स्वीकृत राशि से अस्पताल के कमरों की मरम्मत, भवन के आंतरिक एवं बाहरी स्वरूप में सुधार और स्वच्छ शौचालयों की व्यवस्था सहित आवश्यक सुविधाओं को बेहतर बनाया जाएगा। इससे क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होने की उम्मीद है।

25 को खुद्दर में होगा शस्त्र पूजन व पथ संचलन

जितेंद्र कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, जोगिंद्रनगर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मछयाल खंड, जिला जोगिंद्रनगर की ओर से विजयादशमी के अवसर पर 25 अक्तूबर को खुद्दर में शस्त्र पूजन और पथ संचलन का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम सुबह साढ़े नौ बजे रामलीला मैदान खुद्दर में शुरू होगा। संघ ने सभी लोगों से परिवार सहित कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है। खंड कार्यवाह प्रवीण ने बताया कि विजयादशमी सत्य की जीत और सांस्कृतिक जागरण का प्रतीक है। यह पर्व समाज को संगठन, अनुशासन, समरसता और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1925 में विजयादशमी के दिन ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई थी। संघ पिछले 100 वर्षों से नियमित शाखाओं के माध्यम से व्यक्ति निर्माण और समाज निर्माण के कार्य में जुटा है। इस वर्ष संघ अपने 101वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। इसी उपलक्ष्य में शस्त्र पूजन और पथ संचलन आयोजित किया जा रहा है। स्वयंसेवकों से निर्धारित समय पर पूर्ण गणवेश में पहुंचने का आग्रह किया गया है।

एनआईटी हमीरपुर में 35 स्वर्ण पदकों से मेधावी विद्यार्थी सम्मानित, विकसित भारत-2047 में योगदान का किया आह्वान

1,265 विद्यार्थियों को मिलीं डिग्रियां





सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) हमीरपुर में 17वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। समारोह में विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी कार्यक्रमों के कुल 1,265 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं। भारत सरकार के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के सदस्य डॉ. दिनेश कुमार असवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

समारोह का शुभारंभ वंदे मातरम् के सामूहिक गायन और शैक्षणिक शोभायात्रा के साथ हुआ। इस दौरान संस्थान के निदेशक प्रो. एचएम सूर्यवंशी, कुलसचिव डॉ. अर्चना संतोष नानोटी, अधिष्ठाता (शैक्षणिक) डॉ. आरके दत्ता, शिक्षक, विद्यार्थी और उनके अभिभावक मौजूद रहे। दीक्षांत समारोह में 26 पीएचडी उपाधियां, 380 स्नातकोत्तर उपाधियां एवं डिप्लोमा तथा 859 स्नातक उपाधियां प्रदान की गईं। मेधावियों को उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए 35 स्वर्ण, 12 रजत और 14 कांस्य पदकों से सम्मानित किया गया। वास्तुकला विभाग की छात्रा गौरिका को सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण प्रदर्शन के लिए निदेशक पदक प्रदान किया गया।

राष्ट्रहित को दें सर्वोच्च प्राथमिकता : दिनेश

मुख्य अतिथि डॉ. दिनेश कुमार असवाल ने अपने संबोधन में कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में युवाओं का ज्ञान, नवाचार, चरित्र और समर्पण महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने विकसित भारत-2047 के लक्ष्य और भारत को 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की आकांक्षा का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों से राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का आग्रह किया। उन्होंने युवाओं को निरंतर सीखने, स्वतंत्र सोच विकसित करने, तकनीक के निर्माता बनने और विभिन्न विषयों के ज्ञान को जोड़कर कार्य करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं के साथ नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी को भी महत्व देना चाहिए। उनका संदेश था कि विद्यार्थियों को व्यक्तिगत लाभ से ऊपर राष्ट्रहित और समाज कल्याण को प्राथमिकता देनी चाहिए।

अनुसंधान और नवाचार पर दिया जोर

संस्थान के निदेशक प्रो. एचएम सूर्यवंशी ने उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि अनुसंधान, नवाचार और तकनीकी विकास वर्तमान चुनौतियों के समाधान के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने युवाओं से अपने ज्ञान का व्यावहारिक उपयोग कर समाज की समस्याओं का समाधान खोजने और देश की वैज्ञानिक एवं तकनीकी क्षमताओं को मजबूत बनाने का आह्वान किया। बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष हर्षवर्धन नियोटिया का संदेश अधिष्ठाता डॉ. आरके दत्ता ने पढ़कर सुनाया। संदेश में विद्यार्थियों को ईमानदारी, नैतिकता, स्वतंत्र सोच और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। समारोह के अंत में कुलसचिव डॉ. अर्चना संतोष नानोटी ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

मोदी सरकार ने लाहौल-स्पीति को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा : श्रीकांत



धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। भाजपा के प्रदेश प्रभारी व मथुरा से विधायक श्रीकांत शर्मा ने स्पीति मंडल की संगठनात्मक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने लाहौल-स्पीति जैसे दुर्गम व सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

केंद्र सरकार की हजारों करोड़ रुपए की परियोजनाओं से सड़क संपर्क, पर्यटन, रोजगार और सामरिक सुरक्षा को नई मजबूती मिली है। श्रीकांत शर्मा ने कहा कि लगभग 3,200 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित 9.02 किलोमीटर लंबी अटल टनल रोहतांग मोदी सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धि है। वर्ष 2020 में राष्ट्र को समर्पित इस सुरंग से मनाली-लेह की दूरी लगभग 46 किलोमीटर कम हुई और यात्रा समय में चार से पांच घंटे की बचत संभव हुई। इससे लाहौल घाटी के लोगों को बड़ी सुविधा मिली है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लगभग 1,400 करोड़ रुपए की सुमदो-काजा-ग्रांफू सड़क चौड़ीकरण परियोजना स्पीति क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सीमा सड़क संगठन के माध्यम से इस रणनीतिक मार्ग को बेहतर बनाने की योजना है। इसके अतिरिक्त केंद्र सरकार के वाइब्रेंट विलेजेज कार्यक्रम में स्पीति क्षेत्र के 20 गांव शामिल किए गए हैं, जिनमें सड़क, संचार, पर्यटन और आजीविका सुविधाओं को विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। श्रीकांत शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चौथे चरण में हिमाचल प्रदेश के लिए 2,247 करोड़ रुपए से अधिक की 294 सड़क परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं, जिनमें लाहौल-स्पीति की दो सड़कें भी शामिल हैं।

कांगड़ा में ऑनलाइन सट्टेबाजी नेटवर्क पर पुलिस का बड़ा प्रहार, 41 मोबाइल और 7 लैपटॉप जब्त



आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। कांगड़ा पुलिस ने ऑनलाइन सट्टेबाजी से जुड़े कथित नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 41 मोबाइल फोन और सात लैपटॉप जब्त किए हैं। थाना प्रभारी आदर्श बरयाल की अगुवाई में की गई इस कार्रवाई में छह व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस मामले में पैसों के लेन-देन और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से पैसों के लेन-देन की जानकारी सामने आई है। जब्त किए गए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जांच की जा रही है, ताकि कथित गतिविधियों से जुड़े साक्ष्य जुटाए जा सकें और नेटवर्क के अन्य सदस्यों का पता लगाया जा सके। जांच में कुछ बैंक खातों की भूमिका भी सामने आई है, जिनका इस्तेमाल कथित तौर पर पैसों के लेन-देन के लिए किया जाता था। ऐसे खातों को म्यूल अकाउंट कहा जाता है। पुलिस इन खातों में हुए लेन-देन और इनके संचालकों के संबंधों की पड़ताल कर रही है, ताकि पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ी जा सकें।

पुलिस ने मामले में कुछ व्यक्तियों को गिरफ्तार भी किया है। हालांकि, जांच प्रभावित न हो, इसके चलते गिरफ्तार आरोपियों की पहचान फिलहाल सार्वजनिक नहीं की गई है। पुलिस को आशंका है कि जानकारी उजागर होने से अन्य संदिग्ध सतर्क हो सकते हैं। फिलहाल पुलिस इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और बैंक खातों से मिले सुरागों के आधार पर जांच आगे बढ़ा रही है। अधिकारियों का प्रयास नेटवर्क से जुड़े सभी लोगों की पहचान कर पैसों के लेन-देन की पूरी जानकारी जुटाना है।

एम्स बिलासपुर के प्रवेश द्वारों पर लगेंगे एयर कर्टन

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर में मरीजों और उनके तीमारदारों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध करवाने के लिए मुख्य प्रवेश द्वारों पर एयर कर्टन लगाए जाएंगे। इस कार्य पर करीब 15.93 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे और इसे तीन माह के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। एयर कर्टन दरवाजों के ऊपरी हिस्से में लगाया जाने वाला उपकरण है, जो तेज गति से हवा नीचे की ओर प्रवाहित करता है। इससे हवा की एक अदृश्य परत बनती है, जो बाहरी धूल, गंदगी, प्रदूषित हवा और कीटों को अस्पताल के भीतर आने से रोकने में सहायक होती है। यह व्यवस्था अस्पताल के अंदर तापमान बनाए रखने में भी मदद करेगी। एम्स प्रशासन के अनुसार, इस पहल से मरीजों, उनके परिजनों और स्वास्थ्य कर्मचारियों को स्वच्छ वातावरण मिलेगा तथा संक्रमण के जोखिम को कम करने में सहायता मिलेगी।

कुल्लू दशहरा से दुनिया तक पहुंच रही हिमाचल की सांस्कृतिक विरासत : मुकेश



भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा हिमाचल प्रदेश का सबसे बड़ा मेला है, जो प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और देव संस्कृति को देश-दुनिया तक पहुंचा रहा है। कुल्लू-मनाली का नाम हिमाचल की पहचान के साथ जुड़ा है और कुल्लू दशहरा लंबे समय से पूरे गौरव और उत्साह के साथ मनाया जाता रहा है। समय के साथ इस उत्सव के स्वरूप में व्यापक बदलाव आया है और आज यह भव्य अंतरराष्ट्रीय आयोजन के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है।

मुकेश अग्निहोत्री ने यह बात कुल्लू के ढालपुर स्थित रथ मैदान में आयोजित ग्लोबल डांस कार्यक्रम में विभिन्न देशों और प्रदेशों के कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देखने के बाद कही। उन्होंने कहा कि कुल्लू दशहरा के ऐतिहासिक महत्व के साथ-साथ इसके आयोजन में नए आकर्षण भी जुड़ रहे हैं। ग्लोबल डांस कार्यक्रम और राम राज्य की अवधारणा पर आधारित लेजर शो और ड्रोन शो ने मेले की भव्यता को और बढ़ाया है। दुनिया भर के लोग कुल्लू दशहरा का इंतजार करते हैं और यह उत्सव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को नई ऊंचाइयां दे रहा है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कुल्लू दशहरा के स्वरूप में आए बदलाव और इसे अधिक भव्य बनाने के लिए स्थानीय विधायक सुंदर सिंह ठाकुर के प्रयास सराहनीय हैं। आयोजन में नए प्रयोग किए जा रहे हैं, जिससे मेले का आकर्षण बढ़ा है। उन्होंने कुल्लू दशहरा के सफल आयोजन के लिए सभी को बधाई देते हुए आशा जताई कि यह उत्सव भविष्य में भी इसी तरह नई ऊंचाइयों को छूता रहेगा। मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि ग्लोबल डांस कार्यक्रम विभिन्न देशों और संस्कृतियों के बीच आपसी समझ, सद्भाव और मित्रता को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम है। इस बार करीब 15 देशों के कलाकार कुल्लू पहुंचे हैं। ग्लोबल डांस में संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, इंडोनेशिया, कजाकिस्तान और मलेशिया सहित विभिन्न देशों के कलाकारों के साथ लद्दाख, स्पीति और हिमाचल प्रदेश के कलाकार भी अपनी पारंपरिक वेशभूषा में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से कलाकारों ने अपने-अपने क्षेत्रों की लोक संस्कृति, परंपराओं और जीवनशैली की झलक पेश की।

पठानकोट में खूनी संघर्ष मामले में छह लोगों पर एफआईआर, घायल युवक आईसीयू में भर्ती

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। पठानकोट के ओल्ड शाहपुर रोड पर खत्री सभा के सामने बाइक और स्कूटी की मामूली टक्कर के बाद हुए खूनी संघर्ष के मामले में पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस के अनुसार, कुछ आरोपियों को हिरासत में लिया गया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है। पुलिस ने आरोपियों की पहचान ललित उर्फ लव, करण, दिवांशू, अश्वनी उर्फ जौली, संजीव उर्फ सिप्पी और साजन उर्फ पांडा के रूप में की है।

सभी मोहल्ला काजीपुर के निवासी बताए जा रहे हैं। घटना के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इनमें कुछ लोग राजकुमार राजू और उनके बेटे विनय मेहरा के साथ मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं। विनय गंभीर रूप से घायल है और आईसीयू में उपचाराधीन है। परिजनों के अनुसार, उसके सिर और जबड़े में गंभीर चोटें आई हैं। राजकुमार राजू ने आरोप लगाया कि पुरानी रंजिश के चलते उन पर और उनके बेटे पर हमला किया गया। वहीं, दूसरे पक्ष के अश्वनी उर्फ जौली ने दावा किया कि विवाद की शुरुआत दूसरे पक्ष ने की और उन्होंने आत्मरक्षा में कदम उठाया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस अधीक्षक जगदीश अत्री ने बताया कि थाना डिवीजन नंबर एक में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस टीमें छापेमारी कर रही हैं। उन्होंने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

तत्तापानी में बनेगा आधुनिक गर्म पानी का स्नानागार, एक माह में तैयार होगा खाका : नेगी



रूप लाल कौंडल, भारतेन्दु संवाददाता, करसोग। मंडी जिला के प्रसिद्ध तीर्थस्थल तत्तापानी में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आधुनिक गर्म पानी का स्नानागार और सामुदायिक भवन बनाया जाएगा।प्रदेश के राजस्व, बागवानी, जनजातीय विकास एवं जन शिकायत निवारण मंत्री जगत सिंह नेगी ने शुक्रवार को प्रस्तावित निर्माण स्थल का निरीक्षण किया और अधिकारियों को एक माह के भीतर प्रथम चरण के कार्य की रूपरेखा तथा प्राक्कलन तैयार करने के निर्देश दिए।

मंत्री ने कहा कि तत्तापानी ऋषि जमदग्नि की तपोभूमि और धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र है। यहां पवित्र स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने आधुनिक स्नानागार के लिए प्रस्तावित स्थल पर सहमति जताते हुए संबंधित औपचारिकताएं जल्द पूरी करने को कहा। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को एक माह में निर्माण कार्य की रूपरेखा और लागत का प्राक्कलन तैयार करने के निर्देश दिए। दूसरे चरण में सामुदायिक भवन का निर्माण किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने तत्तापानी में प्रस्तावित अन्य विकास कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने फुटपाथ निर्माण और पुलिस जांच चौकी की मरम्मत सहित जनसुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए। कोलडैम प्रबंधन के अधिकारियों ने भी इन कार्यों में सहयोग देने पर सहमति जताई। मंत्री ने नाव के माध्यम से झील में जमा गाद का जायजा लिया और इस समस्या के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर स्थानीय विकास से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की। डीसी मंडी अपूर्व देवगन ने प्रस्तावित स्नानागार और सामुदायिक भवन की जानकारी दी। इस अवसर पर एसडीएम करसोग अलीशा चौहान, लोक निर्माण एवं जल शक्ति विभागों के अधिकारी, कोलडैम प्रबंधन के प्रतिनिधि, तत्तापानी पंचायत प्रधान प्रेम रैना सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

मंडी में 28 को होने वाला ड्राइविंग लाइसेंस टेस्ट रद्द

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। वाहन पंजीयन एवं अनुज्ञापन अधिकारी (एसडीएम) सदर मंडी चंद्र प्रकाश ने बताया कि 28 अक्तूबर, 2026 को निर्धारित ड्राइविंग लाइसेंस टेस्ट रद्द कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि मोटर वाहन निरीक्षक (एमवीआई) के उपलब्ध न होने के कारण यह निर्णय लिया गया है। संबंधित अभ्यर्थी इस बदलाव को ध्यान में रखते हुए अपनी आगामी योजना बनाएं। टेस्ट की नई तिथि के संबंध में जानकारी संबंधित कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

सरकाघाट स्कूल में विद्यार्थियों को खुदरा प्रबंधन के रोजगार अवसरों की जानकारी दी

भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सरकाघाट में खुदरा प्रबंधन के विद्यार्थियों के लिए विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें राजकीय महाविद्यालय सरकाघाट के शिक्षक राकेश कुमार ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। उन्होंने विद्यार्थियों को व्यावसायिक स्नातक (बी.वॉक.) पाठ्यक्रम के लाभों और भविष्य में रोजगार की संभावनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि व्यावसायिक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को व्यावहारिक कौशल प्रदान करने के साथ उद्योगों में काम करने के लिए तैयार करते हैं। राकेश कुमार ने खुदरा व्यापार, ग्राहक सेवा, बिक्री कौशल तथा ग्राहक और उपभोक्ता के बीच अंतर को विस्तार से समझाया। उन्होंने विभिन्न प्रकार के ग्राहकों के व्यवहार और उनसे बेहतर संवाद स्थापित करने के तरीकों पर भी प्रकाश डाला।

राज्य स्तरीय रेड रन में शिवाली ने झटका पहला स्थान, राशि तीसरे पायदान पर



अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेमोरियल (एनएससीबीएम) राजकीय महाविद्यालय, हमीरपुर की छात्राओं ने राज्य स्तरीय रेड रन मैराथन में शानदार प्रदर्शन कर महाविद्यालय और जिले का नाम रोशन किया है। 22 अक्तूबर को शिमला में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्रा शिवाली ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि राशि ने तीसरा स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर शिवाली का चयन राष्ट्रीय स्तर की रेड रन मैराथन के लिए हुआ है। अब वह पटना में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिमाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी। शिवाली की इस उपलब्धि से महाविद्यालय में खुशी का माहौल है। वहीं, राशि ने भी अपनी शानदार उपलब्धि से संस्थान को गौरवान्वित किया है। रेड रन मैराथन का उद्देश्य युवाओं में एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाना, नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना तथा स्वस्थ जीवनशैली और सकारात्मक सोच को प्रोत्साहित करना है। इस तरह की प्रतियोगिताएं युवाओं को खेल गतिविधियों से जोड़ने के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता के संदेश को व्यापक स्तर पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. संगीता सिंह ने शिवाली और राशि को उनकी उपलब्धि पर बधाई दी।

100 पदों के लिए साक्षात्कार 27 से

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। इवान सिक्योरिटी फंक्शंस प्राइवेट लिमिटेड में 100 पदों पर भर्ती के लिए 27 से 29 अक्तूबर तक साक्षात्कार आयोजित होंगे। जिला रोजगार अधिकारी अरविंद सिंह चौहान ने बताया कि इनमें सुरक्षा गार्ड के 80, सुपरवाइजर के 15 और मानव संसाधन अधिकारी के पांच पद शामिल हैं। साक्षात्कार गोहर में 27 अक्तूबर, नेरचौक में 28 अक्तूबर और सुंदरनगर में 29 अक्तूबर को सुबह 10:30 बजे होंगे। अभ्यर्थियों की आयु 20 से 36 वर्ष होनी चाहिए। चयनित उम्मीदवारों को 14 हजार से 25 हजार रुपये मासिक वेतन के साथ भविष्य निधि, कर्मचारी राज्य बीमा और आवास सुविधा मिलेगी। इच्छुक अभ्यर्थी मूल शैक्षणिक प्रमाणपत्र, छायाप्रतियां, आधार कार्ड, फोटो और रोजगार पंजीकरण पत्र साथ लाएं। अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार कार्यालय मंडी के दूरभाष 01905-235508 पर संपर्क करें। साक्षात्कार के लिए यात्रा भत्ता नहीं मिलेगा।

पठानकोट के रोमांच महाजन के नाम पर अमेरिका में बना कानून, 2028 तक बंद होंगी घोड़ा-गाड़ियां



भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। अमेरिका के न्यूयॉर्क में सेंट्रल पार्क में हुए दर्दनाक हादसे में जान गंवाने वाले पठानकोट निवासी 18 वर्षीय रोमांच महाजन के नाम पर ऐतिहासिक कानून पारित किया गया है।

न्यूयॉर्क नगर परिषद ने 22 अक्तूबर को 'रोमांच लॉ' को 40 मतों से मंजूरी दी, जबकि सात सदस्यों ने विरोध में मतदान किया और दो अनुपस्थित रहे। इस कानून के तहत शहर में घोड़ा-गाड़ियों का संचालन एक जून, 2028 तक पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा। कानून के तहत घोड़ा-गाड़ी चालकों और अन्य प्रभावित कर्मचारियों के लिए रोजगार के वैकल्पिक अवसर उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की जाएगी। घोड़ों के सुरक्षित पुनर्वास पर भी ध्यान दिया जाएगा। रोमांच के पिता दीपक महाजन के अनुसार, यह उनके परिवार के लिए गर्व और भावनात्मक क्षण है। उन्होंने कहा कि बेटे को खोने का दर्द कभी कम नहीं होगा, लेकिन इस पहल से भविष्य में कई लोगों और पशुओं की जान बच सकती है। जून 2026 में रोमांच अ

दलेर मेहंदी से सीएम धामी ने की बात

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को प्रसिद्ध गायक दलेर मेहंदी से फोन पर बातचीत कर उनका हालचाल जाना। इस दौरान दोनों के बीच हाल में हुए घटनाक्रम पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने आपसी संवाद, सद्भाव और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री धामी ने सोशल मीडिया पर साझा संदेश में कहा कि देवभूमि उत्तराखंड अतिथि देवो भवः की समृद्ध परंपरा का वाहक है। राज्य की लोक संस्कृति, आत्मीय आतिथ्य और आपसी सद्भाव उसकी विशिष्ट पहचान हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में कला, संस्कृति और कलाकारों का हमेशा स्वागत और सम्मान किया जाता रहा है। मुख्यमंत्री ने हालिया प्रकरण को पीछे छोड़कर बातचीत के माध्यम से गलतफहमियां दूर करने की आवश्यकता पर बल दिया। उल्लेखनीय है कि टिहरी जिले के नरेंद्रनगर में आयोजित मां कुंजापुरी मेले में कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल और दलेर मेहंदी के बीच हुए घटनाक्रम के बाद विवाद सामने आया था। सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान गायक की प्रस्तुति को लेकर मंत्री की टिप्पणी का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ, जिसके बाद मामला चर्चा में आ गया। मंत्री ने प्रस्तुति पर असंतोष जताते हुए पहले से रिकॉर्ड संगीत के इस्तेमाल और गायक के नशे में होने संबंधी आरोप लगाए थे। मुख्यमंत्री की बातचीत को इस प्रकरण में सद्भाव और संवाद के जरिए आगे बढ़ने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

40 देशों के हिंदी विद्यार्थी जुटेंगे देहरादून में

लेखक गांव महोत्सव 25 अक्तूबर से

राज्यपाल करेंगे गांव महोत्सव का उद्घाटन, मुख्यमंत्री करेंगे समापन

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। संयुक्त राष्ट्र में हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में प्रतिष्ठित करने की संभावनाओं और भारतीय भाषाओं के वैश्विक प्रसार पर केंद्रित पांच दिवसीय लेखक गांव अंतरराष्ट्रीय महोत्सव 25 अक्टूबर से देहरादून में आयोजित होगा। थानो स्थित लेखक गांव में 29 अक्टूबर तक चलने वाले इस महोत्सव में 40 देशों के हिंदीभाषी विदेशी विद्यार्थी हिस्सा लेंगे। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महोत्सव का उद्घाटन राज्यपाल डॉ. ढाल सिंह बिसेन करेंगे, जबकि समापन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी करेंगे।

महोत्सव की केंद्रीय थीम 'भारतीय भाषाएं एवं संयुक्त राष्ट्र में हिंदी' रखी गई है। इसके अंतर्गत हिंदी की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा, भारतीय भाषाओं के संरक्षण एवं संवर्धन, साहित्य के वैश्विक प्रसार और विभिन्न भाषायी एवं सांस्कृतिक परंपराओं के बीच संवाद को लेकर विचार-विमर्श होगा। डॉ. निशंक ने कहा कि भारतीय भाषाएं देश की सांस्कृतिक पहचान और समृद्ध ज्ञान परंपरा की संवाहक हैं। इनका संरक्षण और वैश्विक स्तर पर प्रसार करना सामूहिक सांस्कृतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह आयोजन साहित्य, शिक्षा, कला और संस्कृति के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय संवाद को नई दिशा देगा।

उन्होंने बताया कि महोत्सव में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन, उच्च शिक्षा में भारतीय भाषाओं की भूमिका, भारतीय ज्ञान परंपरा, शोध और नवाचार जैसे विषयों पर विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में मानवीय संवेदनाओं, मीडिया एवं डिजिटल संस्कृति, समकालीन साहित्य, विदेशों में हिंदी शिक्षण, अनुवाद और हिंदी कविता पर भी चर्चा होगी। जलवायु परिवर्तन, हिमालय संरक्षण, विकसित भारत, महिलाओं की भूमिका और भारतीय दर्शन जैसे समसामयिक विषय भी कार्यक्रम का हिस्सा होंगे।

भारतीय ज्ञान परंपरा को विशेष महत्व देते हुए वेद, पुराण और उपनिषद पर केंद्रित सत्र आयोजित किए जाएंगे। उत्तराखंड की क्षेत्रीय भाषाओं और सांस्कृतिक विरासत को प्रोत्साहित करने के लिए हिंदी, गढ़वाली, कुमाऊंनी और जौनसारी भाषाओं का कवि सम्मेलन भी होगा। इसके साथ ही लोककला, लोकसाहित्य, प्रकृति एवं पर्यटन, प्रवासी साहित्य और वैश्विक युवा संवाद पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। महोत्सव में पुस्तक मेला और बाल सृजन उत्सव भी आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

29 अक्टूबर को होगा महोत्सव का समापन

डॉ. निशंक के अनुसार, महोत्सव के अंतिम दिन 29 अक्टूबर को योग, आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा पर विशेष सत्र आयोजित होगा। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय विमोचन, सम्मान समारोह और समापन कार्यक्रम होंगे। आयोजन में केंद्र एवं राज्य सरकार के मंत्रियों, सांसदों, विधायकों के साथ अध्यात्म और सिनेमा जगत की हस्तियों के भी शामिल होने का कार्यक्रम है। पत्रकार वार्ता में डॉ. आर.के. जैन, डॉ. सविता मोहन और लेखक गांव की निदेशक विदुषी निशंक उपस्थित रहीं। आयोजकों को उम्मीद है कि यह महोत्सव हिंदी सहित भारतीय भाषाओं की वैश्विक पहचान मजबूत करेगा।



गांव महोत्सव में जुटेंगे विभिन्न विद्वान

शोध और नवाचार पर विशेष चर्चा

महोत्सव की केंद्रीय थीम 'भारतीय भाषाएं एवं संयुक्त राष्ट्र में हिंदी' रखी गई है। इसके अंतर्गत हिंदी की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा, भारतीय भाषाओं के संरक्षण एवं संवर्धन, साहित्य के वैश्विक प्रसार और विभिन्न भाषायी एवं सांस्कृतिक परंपराओं के बीच संवाद को लेकर विचार-विमर्श होगा। डॉ. निशंक ने कहा कि भारतीय भाषाएं देश की सांस्कृतिक पहचान और समृद्ध ज्ञान परंपरा की संवाहक हैं। इनका संरक्षण और वैश्विक स्तर पर प्रसार करना सामूहिक सांस्कृतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह आयोजन साहित्य, शिक्षा, कला और संस्कृति के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय संवाद को नई दिशा देगा। उन्होंने बताया कि महोत्सव में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन, उच्च शिक्षा में भारतीय भाषाओं की भूमिका, भारतीय ज्ञान परंपरा, शोध और नवाचार जैसे विषयों पर विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे।

कुंभ-2027 की तैयारियों की मंडलायुक्त ने की समीक्षा

कुंभ शिविरों में जनसुविधाएं समय से जुटाने के निर्देश

भारतेन्दु संवाददाता, हरिद्वार। कुंभ मेला-2027 की तैयारियों को लेकर मंडलायुक्त आनंद स्वरूप ने शुक्रवार देर शाम मेला नियंत्रण भवन (सीसीआर) में समीक्षा बैठक की और विभिन्न निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने सड़कों, पुलों और घाटों से जुड़े कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यों में देरी और गुणवत्ता में कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मंडलायुक्त ने लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग, पेयजल निगम और एचआरडीए सहित संबंधित कार्यदायी संस्थाओं को प्रमुख परियोजनाओं पर दिन-रात काम करने तथा श्रमिकों की संख्या बढ़ाने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि अधिकारी नियमित रूप से कार्यस्थलों पर मौजूद रहकर प्रगति और गुणवत्ता की निगरानी करें। कुंभ से जुड़े अधिकारियों का अवकाश भी मेलाधिकारी की संस्तुति के बिना स्वीकृत नहीं करने को कहा गया।

सड़कों के डामरीकरण के लिए बिटुमिन की आपूर्ति में देरी का मामला सामने आने पर मंडलायुक्त ने इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के अधिकारियों से वार्ता कर प्राथमिकता के आधार पर आपूर्ति सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

हरिद्वार में निर्माण कार्यों की समीक्षा



उन्होंने मनसा देवी और चंडी देवी पैदल मार्गों का निर्माण शीघ्र पूरा करने तथा राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़ी परियोजनाओं को कुंभ से पहले पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने पंतद्वीप में उत्तर हरकी पैड़ी पुनर्विकास परियोजना, बैरागी कैंप के शिविर स्थलों, कनखल में सौंदर्यीकरण कार्यों और सिंहद्वार से अमरपुर घाट तक निर्माणाधीन घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान सफाई, भूमि समतलीकरण, बिजली, पेयजल, सुरक्षा और स्नानार्थियों की सुविधाएं समय से सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

न्यूज ब्रीफ

देवाल के दूरस्थ गांवों में अस्थाई पुल बनाने की मांग तेज



भारतेन्दु संवाददाता, थराली। विकासखंड देवाल के दूरस्थ गांवों में पिंडर और शंभू नदी पर लकड़ी के अस्थाई पुलों के निर्माण तथा हरमल में निर्माणाधीन इलेक्ट्रिक ट्रॉली का कार्य शीघ्र पूरा करने की मांग उठी है। इस संबंध में ग्राम प्रधान आलम राम, क्षेत्र पंचायत सदस्य रमेश गड़िया और भाजपा नेता हरेंद्र गड़िया सहित पंचायत प्रतिनिधियों ने लोनिवि थराली के अधिशासी अभियंता मनीष डोगरा को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2013 की आपदा में हरमल का झूला पुल बह गया था, जबकि पिछले वर्ष भारी बारिश से शंभू नदी पर कुवरगढ़ में बनी पुलिया भी क्षतिग्रस्त हो गई थी। ईई ने आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

तेज रफ्तार कार का कहर, एक की मौत, दो गंभीर



भारतेन्दु संवाददाता, हल्द्वानी। शहर के तीनपानी बाईपास फ्लाईओवर पर शुक्रवार दोपहर करीब 3:30 बजे तेज रफ्तार कार हादसे का शिकार हो गई। कार में सवार चार लोगों में से एक की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। वाहन में सवार युवती सुरक्षित बताई जा रही है। घायलों को उपचार के लिए सुशीला तिवारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही बनभूलपुरा कोतवाली प्रभारी दिनेश फर्त्याल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। नैनीताल के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. मंजूनाथ टीसी ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह तेज रफ्तार बताई जा रही है। पुलिस दुर्घटना के वास्तविक कारणों की जांच कर रही है।

स्कूल में छात्रा से बदसलूकी का आरोप, मां ने किए गंभीर खुलासे



भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। एक महिला ने मीडिया से बातचीत के दौरान अपनी बेटी और स्कूल के अन्य बच्चों के साथ कथित तौर पर हुए अनुचित व्यवहार को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला के अनुसार, उन्हें इस मामले की जानकारी कई महीनों से थी, लेकिन सामाजिक बदनामी और लोगों की प्रतिक्रिया के डर से वह चुप रहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि स्कूल के फिजिक्स शिक्षक भृगु ने उनकी बेटी के अलावा अन्य बच्चों को भी अनुचित तरीके से छुआ। महिला ने बताया कि जब उन्होंने इस संबंध में स्कूल प्रशासन से शिकायत की, तो प्रिंसिपल ने शिक्षक को हटाने और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया था। हालांकि, महिला का आरोप है कि अगले ही दिन स्कूल के डायरेक्टर अशोक वासु ने बच्ची से अनुचित और असंवेदनशील सवाल पूछे, जिससे परिवार की चिंता और बढ़ गई। इस घटना ने स्कूल प्रशासन की कार्यप्रणाली, बच्चों की सुरक्षा और शिकायतों के निपटारे की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामले में निष्पक्ष जांच, बच्चों के प्रति संवेदनशील व्यवहार और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया जा रहा है।

देहरादून बनेगा आईटी हब

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने शुक्रवार को देहरादून के सहस्त्रधारा रोड स्थित आईटी पार्क में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) की नई इन्क्यूबेशन सुविधा का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी और व्यापार विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। नई सुविधा से उत्तराखंड में स्टार्टअप, नवाचार और तकनीकी उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि उत्तराखंड में 1,700 से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप हैं। इस केंद्र से युवाओं को अपने तकनीकी विचारों को उत्पादों में बदलने और कारोबार का विस्तार करने में मदद मिलेगी। करीब 30 हजार वर्ग फुट क्षेत्र में बने इस केंद्र में आधुनिक कार्यालय, हाई-स्पीड इंटरनेट, सभागार और बैठक कक्ष जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

अस्पतालों को विशेषज्ञ मेडिकल स्टाफ उपलब्ध कराने पर जोर

निजी विश्वविद्यालयों में नर्सिंग पाठ्यक्रमों को लेकर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित

अनिल थपलियाल

देहरादून। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन की अध्यक्षता में निजी विश्वविद्यालयों में नर्सिंग पाठ्यक्रमों के संचालन के संबंध में गठित एम्पावर्ड समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नर्सिंग शिक्षा के मानकों, स्वास्थ्य संस्थानों में मेडिकल मानव संसाधन की उपलब्धता, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ के कौशल विकास और विदेशों में रोजगार के अवसर बढ़ाने पर चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निजी विश्वविद्यालयों में नर्सिंग पाठ्यक्रमों का संचालन निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि नर्सिंग शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए शैक्षणिक और आधारभूत सुविधाओं से जुड़े सभी मानकों का कड़ाई से पालन आवश्यक है।

मुख्य सचिव ने प्रदेश में नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ का व्यवस्थित डाटा बैंक तैयार करने के निर्देश दिए। इसमें मेडिकल कॉलेजों में उपलब्ध कर्मचारियों की संख्या, शैक्षणिक योग्यता, विशेषज्ञता और कौशल से संबंधित जानकारी संकलित की जाएगी। इससे स्वास्थ्य सेवाओं की वर्तमान एवं भविष्य की जरूरतों का आकलन कर प्रशिक्षित मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

बैठक में वित्तीय वर्ष 2027-28 के दौरान 500 नर्सेज एवं वार्ड बॉय को विदेशों में रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को पश्चिम एशिया, पश्चिमी यूरोप, एस्टोनिया और खाड़ी देशों में रोजगार की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए।

नर्सिंग पाठ्यक्रमों के लिए 73 आवेदन प्राप्त

बैठक में बताया गया कि निजी विश्वविद्यालयों में नर्सिंग पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए प्रारंभिक चरण में 73 आवेदन प्राप्त हुए थे। जांच के बाद छह आवेदन समिति के समक्ष प्रस्तुत किए गए, जिनमें से पांच को योग्य पाया गया। बैठक में सचिव विनय शंकर, अपर सचिव विजय कुमार जोगदंडे, रोहित मीणा, नवनीत पांडेय सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।



विदेशों में रोजगार पर सरकार का जोर, 500 युवाओं को मिलेगा अवसर।

दक्ष मेडिकल स्टाफ की तैनाती पर जोर

संबंधित देशों में मेडिकल एवं पैरामेडिकल स्टाफ की मांग, शैक्षणिक योग्यता और पात्रता संबंधी शर्तों का अध्ययन किया जाएगा। विदेशों में रोजगार के इच्छुक युवाओं को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप प्रशिक्षित करने पर भी जोर दिया गया।

मुख्य सचिव ने प्रदेश के अस्पतालों को उनकी आवश्यकताओं के अनुसार दक्ष, प्रशिक्षित और विशेषज्ञ मेडिकल स्टाफ उपलब्ध कराने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने को कहा। साथ ही निजी अस्पतालों में प्रति बेड निर्धारित मानकों के अनुरूप नर्सिंग एवं वार्ड बॉय की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।

ऑपरेशन प्रहार: दून पुलिस का बड़ा एक्शन!

नाबालिग को भगाने वाला 50 हजार का इनामी आरोपी पंचकूला से गिरफ्तार

अभियुक्त के कब्जे से नाबालिग को बरामद कर परिजनों को सौंपा गया

विकास बलूनी

देहरादून। दून पुलिस ने नाबालिग युवती को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में करीब दो साल से फरार चल रहे 50 हजार रुपये के इनामी आरोपी को हरियाणा के पंचकूला से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान विनय (21), पुत्र राजेश, निवासी ग्राम करौली, थाना मंडावली, जिला बिजनौर, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से नाबालिग युवती को बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया।





एसएसपी देहरादून

पुलिस के अनुसार, 5 मई 2024 को युवती की मां ने राजपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी नाबालिग बेटी को कोई व्यक्ति जबरन घर से ले गया है। इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। विवेचना के दौरान विनय का नाम सामने आया। गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। उसकी फरारी के चलते पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र द्वारा 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

वर्तमान में चल रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत राजपुर पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने सुराग जुटाकर 22 अक्टूबर 2026 को पिंजौर, पंचकूला से आरोपी को गिरफ्तार किया। नाबालिग के बयान के आधार पर मामले में संबंधित धाराओं और पॉक्सो अधिनियम की धाराएं भी बढ़ाई गई हैं।

◆ अभियुक्त के लगातार फरार रहने पर एसएसपी देहरादून द्वारा उस पर ईनाम किया था घोषित

10 सूत्रीय मांगों को लेकर ग्राम प्रधानों ने किया हंगामा

भारतेन्दु संवाददाता, चमोली। विकासखंड नारायणबगड़ में शुक्रवार को आयोजित बीडीसी बैठक में 10 सूत्रीय मांगों को लेकर ग्राम प्रधानों ने हंगामा करते हुए बैठक का बहिष्कार कर दिया। प्रधान संघ अध्यक्ष योगेंद्र सिंह खत्री के नेतृत्व में प्रधान नारेबाजी करते हुए सदन से बाहर निकल गए। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी और ग्राम प्रधानों के बीच तीखी बहस भी हुई।

प्रधानों ने मासिक मानदेय 20 हजार रुपये करने, वार्ड सदस्यों को मानदेय देने, मनरेगा में ऑनलाइन हाजिरी समाप्त करने तथा अकुशल और कुशल श्रमिकों की मजदूरी क्रमशः 600 और 800 रुपये प्रतिदिन करने की मांग उठाई। इसके अलावा राज्य एवं केंद्रीय वित्त आयोग की धनराशि बढ़ाने, ग्राम प्रधान निधि गठित करने, पंचायतों को वित्तीय अधिकार देने और स्वास्थ्य एवं जीवन बीमा उपलब्ध कराने की मांग की। प्रधानों ने चेतावनी दी कि मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो आगामी विधानसभा चुनाव का बहिष्कार किया जाएगा और उग्र आंदोलन शुरू किया जाएगा। प्रदर्शन में अनेक ग्राम प्रधान मौजूद रहे।

◆ मांगें पूरी न होने पर विधानसभा चुनाव बहिष्कार की चेतावनी

◆ ग्राम पंचायतों को अधिक अधिकार देने पर जोर



उत्तराखंड में हवाई सेवाओं का होगा विस्तार

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड में क्षेत्रीय हवाई सेवाओं के विस्तार की तैयारी तेज हो गई है। नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) ने केंद्र सरकार से पंतनगर एयरपोर्ट के विस्तारीकरण के साथ यहां से लखनऊ और बनारस के लिए सीधी हवाई सेवाएं शुरू करने का अनुरोध किया है। इसके अलावा सीमांत क्षेत्रों में हवाई संपर्क मजबूत करने के लिए गुंजी और चिन्यालीसौड़ हवाई पट्टियों को उड़ान 2.0 योजना के तहत विकसित करने का प्रस्ताव भी भेजा गया है। पंतनगर एयरपोर्ट कुमाऊं मंडल के लिए हवाई संपर्क का प्रमुख केंद्र है। वर्तमान में यहां से देहरादून और दिल्ली के लिए उड़ानें संचालित हो रही हैं। लखनऊ और बनारस के लिए नई उड़ानें शुरू होने से यात्रियों को आवागमन के अतिरिक्त विकल्प मिलेंगे। इससे व्यावसायिक गतिविधियों, पर्यटन और अन्य कार्यों के लिए यात्रा करने वाले लोगों को सुविधा मिलने की उम्मीद है।

2027 के चुनाव में प्रतापनगर सीट भाजपा की प्राथमिकता : उदय रावत

भारतेन्दु संवाददाता, नई टिहरी। भाजपा ने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में प्रतापनगर सीट जीतने को अपनी प्राथमिकता बताते हुए संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया है। ओणेश्वर महादेव देवल में आयोजित भाजपा प्रतापनगर विधानसभा क्षेत्र की बैठक में बूथ सशक्तिकरण और चुनावी तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में पार्टी ने प्रदेश में 60 पार के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कार्यकर्ताओं से समन्वय बनाकर काम करने का आह्वान किया।

भाजपा जिलाध्यक्ष उदय रावत और विधानसभा प्रभारी एवं राज्यमंत्री जोत सिंह बिष्ट का बैठक में पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। जिलाध्यक्ष उदय रावत ने कहा कि प्रतापनगर विधानसभा सीट इस बार पार्टी की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने टिकट के दावेदारों सहित सभी कार्यकर्ताओं से गांव-गांव जाकर संगठन को मजबूत करने और बूथ सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान देने की अपील की। उन्होंने प्रत्येक बूथ पर माह के अंतिम रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुनने की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

◆ प्रतापनगर सीट जीतने के लिए भाजपा ने कसी कमर

पन्ना प्रमुखों और शक्ति केंद्रों को मजबूत करेगी भाजपा

विधानसभा प्रभारी जोत सिंह बिष्ट ने सभी मंडलों में नियमित बैठकें आयोजित करने, बूथ कमेटियों का गठन करने तथा पन्ना प्रमुखों और शक्ति केंद्रों को मजबूत बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय के साथ पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक में पूर्व विधायक विजय सिंह पंवार, राज्यमंत्री सोना सजवाण सहित विभिन्न मंडलों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

'यादों में दीवान नगरकोटी' स्मृति पुस्तक का अनावरण



भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। देहरादून के दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र में शोधार्थी, पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता दीवान नगरकोटी पर केंद्रित स्मृति पुस्तक 'यादों में दीवान नगरकोटी' का अनावरण किया गया। अरुण कुकसाल, जगमोहन रौतेला और चन्द्रशेखर तिवारी द्वारा संपादित इस पुस्तक में उनके साथियों के संस्मरण, लेख और दुर्लभ छायाचित्र संकलित हैं। कार्यक्रम में दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र के अध्यक्ष प्रो. बी.के. जोशी ने दीवान नगरकोटी के साथ अपने लंबे जुड़ाव को याद करते हुए उन्हें विनम्र, कर्मठ और पहाड़ के सामाजिक-आर्थिक सवालों की गहरी समझ रखने वाला व्यक्ति बताया। उन्होंने कहा कि गिरि विकास अध्ययन संस्थान में उत्तराखंड के सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण के दौरान दीवान उनके शोध सहयोगी रहे थे। उन्होंने शोध, शिक्षा और पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि अल्मोड़ा में पत्रकार के रूप में भी उन्होंने अपनी पहचान बनाई। अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन में प्रशिक्षक के रूप में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा।

आस्था

आस्था और परंपरा का संगम बनी जूना अखाड़े की छड़ी यात्रा, भक्तिमय हुआ बागेश्वर

बागनाथ धाम पहुंची जूना अखाड़े की पवित्र छड़ी यात्रा

भारतेन्दु संवाददाता, बागेश्वर। जूना अखाड़े की प्राचीन पवित्र छड़ी यात्रा शुक्रवार को बागेश्वर स्थित बागनाथ धाम पहुंची। यहां श्रद्धालुओं ने यात्रा का भव्य स्वागत किया। इस दौरान छलिया नृत्य और भगवान महादेव के जयकारों से नगर का वातावरण भक्तिमय हो गया। पवित्र छड़ी के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। धार्मिक उत्साह और पारंपरिक रीति-रिवाजों के बीच यात्रा के बागनाथ धाम पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने आस्था व्यक्त की।

जूना अखाड़े के संतों के अनुसार, पवित्र छड़ी यात्रा वर्षों से चली आ रही धार्मिक परंपरा का हिस्सा है। इस यात्रा का उद्देश्य धर्म और संस्कृति के प्रति लोगों को जागरूक करना तथा प्राचीन धार्मिक परंपराओं को आगे बढ़ाना है। संतों ने बताया कि इस यात्रा से जुड़ी मान्यता के अनुसार, आदि जगद्गुरु शंकराचार्य पांच वर्ष की आयु में छड़ी लेकर धर्म की रक्षा के लिए निकले थे। तभी से इस परंपरा का निरंतर निर्वहन किया जा रहा है। यात्रा को धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक माना जाता है।

बागनाथ धाम में यात्रा के पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने धार्मिक उत्साह के साथ स्वागत किया। छलिया नृत्य की प्रस्तुति ने आयोजन को विशेष आकर्षण प्रदान किया। वहीं, महादेव के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं ने पवित्र छड़ी के दर्शन कर धार्मिक परंपरा के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। आयोजन के दौरान वातावरण में भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास दिखाई दिया। यात्रा को धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक माना जाता है।

धार्मिक आस्था का प्रतीक बनी छड़ी यात्रा



संतों की उपस्थिति में यात्रा का धार्मिक महत्व और बढ़ गया। पवित्र छड़ी यात्रा के बागनाथ धाम पहुंचने से बागेश्वर में धार्मिक गतिविधियों और भक्ति का माहौल देखने को मिला। छलिया नृत्य, जयकारों और श्रद्धालुओं की सहभागिता ने आयोजन को यादगार बनाया। यह यात्रा क्षेत्र की धार्मिक आस्था और प्राचीन परंपराओं के प्रति लोगों के जुड़ाव को दर्शाती है।

छड़ी यात्रा में धर्म परिवर्तन के प्रति जागरूकता पर जोर

जूना अखाड़े के संतों ने कहा कि पवित्र छड़ी यात्रा के माध्यम से लोगों को धर्म, संस्कृति और परंपराओं के महत्व से परिचित कराया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि यात्रा के दौरान धर्म परिवर्तन के विषय पर लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया जाएगा। संतों के अनुसार, इस तरह के धार्मिक आयोजन समाज में सांस्कृतिक मूल्यों और परंपराओं के प्रति जागरूकता बढ़ने का माध्यम बन सकते हैं। इस अवसर पर जूना अखाड़ा बागेश्वर के श्रीमहंत शंकर गिरि महाराज, आकाश गिरि, राहुल गिरि तथा पंचदशनाम जूना अखाड़ा हरिद्वार के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक हरि गिरि महाराज सहित अनेक संत और श्रद्धालु मौजूद रहे।

छोलिया नृत्य की प्रस्तुति बनी यात्रा का मुख्य आकर्षण

बागनाथ धाम में यात्रा के पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने धार्मिक उत्साह के साथ स्वागत किया। छलिया नृत्य की पारंपरिक प्रस्तुति ने आयोजन को विशेष आकर्षण प्रदान किया। वहीं, महादेव के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं ने पवित्र छड़ी के दर्शन कर धार्मिक परंपरा के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। आयोजन के दौरान वातावरण में भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास दिखाई दिया।